नई दिल्ली RNI No. DLHIN/2010/37009
वर्ष : 15
अंक : 17
सोमवार, 09 से 15 जून 2025
मूल्य : 5 रू प्रति
रू 250 वार्षिक

प्राकृतिक आपदाओं के कारण बिजली कटौती... 03
ईरान पर हमले के बाद पीएम बेंजामिन नेतन्याहू की दो टूक... 08
ऑस्ट्रेलिया को हराकर दक्षिण अफ्रीका बना डब्ल्यूटीसी चैंपियन 10
एकाग्रता से बढ़ाएं कार्यकुशलता 11
हिट की तलाश में सोनाक्षी सिन्हा 12

NCR समाचार

इस्माईल खान

www.ncrsamacharlive.in
BY C.R.O. TEAM
twitter-@ncrsamacharlive
भारत का नं. 1 साप्ताहिक समाचार पत्र

कनाडा, साइप्रस के अलावा क्रोएशिया भी जाएंगे मोदी

पहली बार होगा किसी भारतीय पीएम का दौरा, शेड्यूल जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 15 से 19 जून 2025 तक तीन देशों (साइप्रस, कनाडा और क्रोएशिया) की महत्वपूर्ण यात्रा पर रहेंगे। विदेश मंत्रालय ने शनिवार को इसकी आधिकारिक घोषणा की। इस यात्रा के दौरान पीएम मोदी साइप्रस में द्विपक्षीय वार्ता करेंगे, कनाडा में जी-7 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे और क्रोएशिया में नेताओं से मुलाकात करेंगे। यह यात्रा भारत के वैश्विक कूटनीतिक संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। प्रधानमंत्री मोदी 15 जून को

साइप्रस की राजधानी निकोसिया पहुंचेंगे। यह दो दशकों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की साइप्रस की पहली यात्रा होगी। साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलाइड्स के निमंत्रण पर हो रही इस यात्रा में पीएम मोदी राष्ट्रपति के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। इसके अलावा, वे लिमासोल में व्यापारिक नेताओं को संबोधित करेंगे। विदेश मंत्रालय के अनुसार, यह यात्रा भारत और साइप्रस के बीच संबंधों को गहरा करने और भूमध्यसागरीय क्षेत्र तथा यूरोपीय संघ के साथ भारत की भागीदारी को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण होगी। साइप्रस की यात्रा को राजनीतिक और आर्थिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे में साइप्रस को एक संभावित भागीदार के रूप में देखा जा रहा है।

विमान हादसे की जांच करेगी नई कमेटी

● नागरिक उड्डयन मंत्री ने कहा-तीन महीने में मिलेगी रिपोर्ट ● मरने वालों का आंकड़ा 275 पहुंचा, एक और शव बरामद

अहमदाबाद (एजेंसी)। अहमदाबाद में विमान हादसे पर शनिवार को सिविल एविएशन मिनिस्टर के राममोहन नायडू ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने बताया कि पहले दिन से हादसे की जांच जारी है। केंद्रीय गृह सचिव के नेतृत्व में जांच कमेटी गठित की गई है। जो 3 महीने में अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। इधर, विमान के मलबे से एक और शव बरामद हुआ है। बीजे मेडिकल कॉलेज हॉस्टल से जब मलबा हटाया जा रहा था, तब विमान की टेल (पिछले हिस्से) में फंसा हुआ शव दिखा। इसका पोस्टमॉर्टम हुआ है। ऐसा कहा जा रहा है कि यह शव एयर होस्टेस का हो सकता है। उधर, आज भी मारे गए लोगों की डीएनए सैंपलिंग का काम जारी है। सिविल अस्पताल के बाहर परिजन की भीड़ है। यहां सुरक्षा के कड़े इंतजाम है। पोस्टमॉर्टम यूनिट के आसपास बाहरी लोगों की एंट्री बंद है। सिविल अस्पताल में अब तक 270 से ज्यादा शवों का पोस्टमॉर्टम हो चुका है। इसके अलावा, 230 लोगों की

डीएनए सैंपलिंग की जा चुकी है। 8 शवों की शिनाख्त हो गई है। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू किंजरापु ने कहा, पिछले दो दिन बहुत मुश्किल भरे रहे हैं। अहमदाबाद एयरपोर्ट के पास हुई दुर्घटना ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया। इस दुर्घटना में अपने प्रियजनों को खोने वाले सभी परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदना है... मैं व्यक्तिगत रूप से घटनास्थल पर गया था, ताकि देख सकूं कि क्या किया जाना चाहिए, क्या सहायता प्रदान की जानी चाहिए और यही गुजरात सरकार का रवैया था। भारत सरकार और मंत्रालय के अन्य लोगों का भी यही रवैया था। जब हम घटनास्थल पर पहुंचे, तो हमने देखा कि सभी संबंधित विभागों की टीमें जमीन पर काम कर रही थीं, जो भी संभव हो, बचाव की कोशिश कर रही थीं।

एयरपोर्ट से दो किलोमीटर दूर दुर्घटनाग्रस्त हुआ विमान

उन्होंने बताया, दोपहर 1.39 बजे पायलट ने अहमदाबाद एटीसी को सूचना दी कि यह मेडी है, यानी पूरी तरह से इमरजेंसी है। एटीसी के मुताबिक, जब उसने विमान से संपर्क करने की कोशिश की तो उसे कोई जवाब नहीं मिला। ठीक एक मिनट बाद यह विमान मेघानीनगर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जो एयरपोर्ट से करीब 2 किमी की दूरी पर स्थित है। विमान के कैप्टन सुमित सभरवाल थे और फर्स्ट ऑफिसर क्लाइव सुंदर थे। जहां तक विमान के पूरे इतिहास की बात है, इस दुर्घटना से पहले विमान ने पेरिस-दिल्ली-अहमदाबाद सेक्टर को बिना किसी दुर्घटना के पूरा कर लिया था। दुर्घटना के कारण दोपहर 2.30 बजे रनवे को बंद कर दिया गया और सभी प्रोटोकॉल पूरे करने के बाद शाम 5 बजे से अहमदाबाद के रनवे को सीमित उड़ानों के लिए खोल दिया गया।

● **ब्लैक बॉक्स की डिकोडिंग गहराई से देगी जानकारी-** उन्होंने आगे कहा कि विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो, जिसे विशेष रूप से विमानों के आसपास होने वाली घटनाओं, दुर्घटनाओं की जांच करने के लिए बनाया गया था, को तुरंत सक्रिय किया गया। एजेंसी के माध्यम से हो रही तकनीकी जांच से एक महत्वपूर्ण अपडेट कल शाम 5 बजे के आसपास घटनास्थल से ब्लैक बॉक्स की बरामदगी है, टीम का मानना है कि ब्लैक बॉक्स की यह डिकोडिंग गहराई से जानकारी देने वाली है। दुर्घटना की प्रक्रिया के दौरान या दुर्घटना से पहले के क्षणों में वास्तव में क्या हुआ होगा, इसकी जानकारी मिल सकेगी। हम इस बात का भी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं कि एजेंसी द्वारा पूरी जांच के बाद क्या परिणाम या रिपोर्ट सामने आएगी।

● **हादसे वाले दिन क्या हुआ था, सरकार ने बताया-** वहीं, नागरिक उड्डयन मंत्रालय के सचिव समीर कुमार सिन्हा ने कहा, 12 जून को दोपहर करीब 2 बजे हमें सूचना मिली कि अहमदाबाद से गैटविक लंदन जा रहा विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। हमें तुरंत एटीसी अहमदाबाद के जरिए इस बारे में विस्तृत जानकारी मिली। यह एआईसी 171 था और इसमें कुल 242 लोग सवार थे, जिसमें 230 यात्री, 2 पायलट और 10 क्रू मेंबर शामिल थे। इस विमान ने दोपहर 1ः39 बजे उड़ान भरी और कुछ ही सेकंड में करीब 650 फीट की ऊंचाई पर पहुंचकर यह गिरने लगा, यानी इसकी ऊंचाई कम होने लगी।

पीएम मोदी ने अहमदाबाद एयरपोर्ट पर शीर्ष अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

अहमदाबाद/नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को अहमदाबाद पहुंचे। जहां उन्होंने सिविल अस्पताल का दौरा किया और विमान दुर्घटना में घायल लोगों से मुलाकात की। जिसमें एकमात्र जीवित बचा व्यक्ति विश्वास कुमार रमेश भी शामिल था। पीएम मोदी ने अहमदाबाद हवाई अड्डे पर शीर्ष अधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक की भी अध्यक्षता की।

पीएम मोदी के ऑफिशियल एक्स हैंडल पर जानकारी दी गई। पीएम मोदी ने लिखा, अहमदाबाद हवाई अड्डे पर शीर्ष अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। पीएम मोदी ने एक अन्य एक्स पोस्ट में लिखा, अहमदाबाद में हुए दुखद विमान हादसे के बाद घायल हुए लोगों से मुलाकात की, जिसमें एकमात्र जीवित बचा व्यक्ति भी शामिल है और उन्हें भरोसा दिलाया कि इस कठिन समय में हम उनके और उनके परिवारों के साथ हैं। पूरा देश उनके शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना कर रहा है। सुबह करीब 8:30 बजे अहमदाबाद हवाई अड्डे पर पहुंचने के बाद पीएम मोदी सीधे दुर्घटना स्थल पहुंचे, जहां उन्होंने लगभग 20 मिनट तक मुआयना किया। उन्होंने राहत और बचाव कार्यों में जुटे अधिकारियों और राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) की टीमों से विस्तृत जानकारी ली। स्थानीय प्रशासन और एनडीआरएफ की टीमें लगातार राहत और बचाव कार्यों में जुटी हुई हैं। दुर्घटना स्थल का दौरा करने के बाद पीएम मोदी अहमदाबाद के सिविल अस्पताल पहुंचे, जहां उन्होंने दुर्घटना में घायल हुए लोगों से मुलाकात की और उनके स्वास्थ्य की स्थिति के बारे में जानकारी प्राप्त की। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी के साथ गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू और राज्य के गृह मंत्री हर्ष सांघवी भी मौजूद थे।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह गुरुवार को ही घटनास्थल पर पहुंचे थे और स्थिति का जायजा लिया था। उन्होंने गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और अहमदाबाद पुलिस आयुक्त के साथ समन्वय स्थापित कर राहत कार्यों को तेज करने का निर्देश दिया।

ईरान ने और मिसाइलें दागी तो तेहरान जला देंगे

● इजराइल के रक्षा मंत्री की धमकी, 24 घंटे में 138 की मौत

तेलअवीव (एजेंसी)। इजराइल और ईरान के बीच टकराव में पिछले 24 घंटे में अब तक 138 लोग मारे गए हैं। इजराइल ने शुक्रवार रात 10.30 बजे दूसरी बार ईरान के परमाणु ठिकानों पर फाइटर जेट्स हमले किए। इस हमले में 60 लोगों की मौत हो गई। 350 से ज्यादा लोग घायल हुए। इससे पहले शुक्रवार सुबह 5.30 बजे हुए हमले में 78 लोग मारे गए थे। इनमें 6 परमाणु वैज्ञानिक और 20 से ज्यादा ईरानी कमांडर्स की मौत हुई। ईरान ने शुक्रवार रात हमले के तुरंत बाद पलटवार किया और ईजराइल की ओर 150 से ज्यादा मिसाइलें

दागीं। 6 मिसाइलें राजधानी तेल अवीव में गिरीं, जिसमें 3 लोगों की मौत हो गई। 90 से ज्यादा लोग घायल हैं। ईरान ने दावा किया कि मिसाइल इजराइली रक्षा मंत्रालय पर भी गिरी। हालांकि अभी तक इजराइल ने इसकी पुष्टि नहीं की है। इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू को सुरक्षित ठिकाने पर शिफ्ट कर दिया गया था। रक्षा मंत्री ने कहा-ईरान ने आगे मिसाइलें दागीं तो तेहरान जला देंगे।

● **यूएन में चीन के राजदूत बोले-हद पार कर रहा इजराइल-** संयुक्त राष्ट्र में चीन के राजदूत फू कांग ने इजराइल के ईरान पर हमले की निंदा की। उन्होंने कहा कि यह ईरान की संप्रभुता का उल्लंघन है। ईरान के न्यूक्लियर फैसिलिटी पर हमला हुआ, इसे लेकर हम चिंतित हैं। इजराइल ने एक बार फिर से हद पार की है। ईरान की सरकारी टीवी चैनल तस्मीन न्यूज के मुताबिक इजराइली हमले में 2 और बड़े ईरानी जनरल को मारे जाने की पुष्टि हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक सेना के खुफिया विभाग के डिप्टी चीफ जनरल गुलाम रेजा मेहराबी और ऑपरेशन डिप्टी चीफ जनरल मेहदी रब्बानी मारे गए हैं। इससे पहले ईरान ने माना था कि उनके 4 बड़े सैन्य अफसरों की मौत हो चुकी है। आईडीएफ ने कहा कि शुक्रवार रात उनके दर्जनों फाइटर जेट्स ने रातभर ईरान की राजधानी तेहरान पर हवाई हमला किया। इस दौरान ईरानी एयर डिफेंस इंफ्रास्ट्रचर को भी निशाना बनाया गया। इजराइली एयर फोर्स के चीफ टोमर बार ने कहा कि इस ऑपरेशन के लिए इजराइली सेना ने 1500 किमी से ज्यादा का सफर तय किया। इजराइली डिफेंस फोर्स ने रिजर्व फोर्स को लेबनान से लगी सीमा पर बैकअप फोर्स के रूप में बुलाया है। कई अन्य रिजर्व बटालियनों को लेबनान और सीरियाबार्डर पर तैनात किया है।

अगला नंबर तेरा जरूरी नहीं इस बार लाश मिले

अमृतपाल ने अब इन्फ्लुएंसर दीपिका लूथरा को धमकाया

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब के लुधियाना की सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर कंचन उर्फ कमल कौर भाभी की बठिंडा में हत्या के मामले के मास्टरमाइंड निहंग अमृतपाल सिंह मेहरों ने अब सोशल अमृतसर की सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर दीपिका लूथरा को धमकी दी है। एक वीडियो जारी कर उसने कहा कि वह पहले भी उसके अश्लील कंटेंट को लेकर उसे समझा चुका है, यहां तक कि दीपिका उससे माफी भी

मांग चुकी है। इसके बावजूद वह फिर से अश्लील वीडियो डाल रही है। दीपिका को चेतावनी देते हुए अमृतपाल ने कहा है कि अगर वह अब भी नहीं सुधरी तो उसे भी नहीं बख्शा जाएगा। वीडियो में अमृतपाल ने कहा कि पार्किंग सिर्फ बठिंडा में ही नहीं होती और यह भी जरूरी नहीं कि हर बार लाश मिले। इस धमकी के बाद से अमृतसर की सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर दीपिका लूथरा सहम गई है और परिवार में डर का माहौल है।

भारत ने किया कमाल, ट्रंप की इच्छा रह गई अधूरी!

राष्ट्रपति की धमकी के बावजूद भारत में आईफोन्स का प्रोडक्शन बढ़ा

वाशिंगटन (एजेंसी)। ऐसा लगता है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की वह इच्छा अधूरी ही रह गई है, जिसमें वह चाहते थे कि अमेरिका में बिकने वाले आईफोन भारत में असेंबल ना किए जाएं। कुछ वक्त पहले अपनी कतर यात्रा के दौरान ट्रंप ने इस बारे में खुलकर मीडिया के सामने बोला था। उन्होंने एपल सीईओ टिम कुक से डायरेक्ट बात की थी। लेकिन आंकड़े कुछ और ही गवाही दे रहे हैं। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में आईफोन्स की असेंबलिंग करने वाली प्रमुख कंपनी फॉक्सकॉन ने मार्च से मई के बीच भारत से लगभग सभी आईफोन्स को अमेरिका में भेजा है। कस्टम डेटा से इसकी जानकारी मिली है। यह पिछले साल भेजे गए 50 फीसदी आईफोन्स के आंकड़े से काफी ज्यादा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिका और चीन के टैरिफ वॉर से बचने के लिए एपल ने भारत से अपने एक्सपोर्ट को अमेरिकी मार्केट के लिए फिर से ठीक किया है। इससे पहले कंपनी भारत में असेंबल स्मार्टफोन्स को नीदरलैंड, चेक रिपब्लिक, ब्रिटेन आदि देशों में अधिक सप्लाई कर रही थी, लेकिन अब उसने अमेरिका पर फोकस बढ़ा दिया है।

● **97 फीसदी आईफोन पहुंचाए गए अमेरिका, आईफोन 17 सीरीज की तैयारी-** रिपोर्ट के अनुसार, मार्च से मई के दौरान फॉक्सकॉन ने भारत से 3.2 अरब डॉलर के आईफोन एक्सपोर्ट किए। उनमें से 97 फीसदी को अमेरिका भेजा गया। रिपोर्ट कहती है कि इस मामले पर ऐपल और फॉक्सकॉन ने अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। याद रहे कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने सबके सामने कहा था कि हमें भारत में आईफोन्स असेंबलिंग में कोई दिलचस्पी नहीं है। भारत अपना ख्याल रख सकता है। वो बहुत अच्छा कर रहे हैं। ट्रंप, एपल से चाहते हैं कि कंपनी अमेरिका में मैन्युफैक्चरिंग करे। हालांकि यह नहीं पता चल पाया है कि एपल ने आईफोन्स की कौन सी सीरीज अमेरिका पहुंचाई है। कंपनी ने आईफोन 17 सीरीज का प्रोडक्शन भी देश में शुरू कर दिया है।

पंजाब की पॉलिटिक्स में फिर से ऐक्टिव हो रहे सिद्धू

● 'पाजी' को संभाल पाएगी कांग्रेस, लग रहा है मुश्किल

चंडीगढ़ (एजेंसी)। कांग्रेस के दिग्गज नेता व पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू एक बार फिर से सुर्खियों में हैं। इस बार उन्होंने पंजाब की राजनीति और कांग्रेस में ऐक्टिव रहने के सवालों को लेकर बड़ा बयान दिया है। नवजोत सिंह सिद्धू ने अपनी स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा है कि मैं तो परिवर्तन करने के लिए राजनीति में आया था, कोई धंधा करने नहीं। पंजाब में कांग्रेस के लिए वक्त-वक्त पर मुसीबत खड़ी करने वाले नवजोत सिंह सिद्धू पार्टी से खासा नाराज दिख रहे हैं। उनका कहना है कि पिछले 30 साल से जितनी भी सरकारें पंजाब में आईं, सभी को माफिया चलाता था, लेकिन मैं आज भी अपने उसूलों पर कायम हूं। पंजाब में 2022 की विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को आम आदमी पार्टी के हाथों बड़ी हार मिली थी। राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक, कांग्रेस की हार के पीछे एक बड़ी वजह नवजोत सिंह सिद्धू थे। नवजोत सिंह सिद्धू ने पहले अमरिंदर सिंह के खिलाफ मोर्चा खोला था और पार्टी को उन्हें मुख्यमंत्री की कुर्सी से हटना पड़ा था। इसके बाद जब चरणजीत सिंह चन्नी को मुख्यमंत्री बनाया गया तो नवजोत सिंह सिद्धू उनसे भी लगातार भिड़ते रहे हैं।

अहमदाबाद विमान हादसे के बाद कंपनी उठाने जा रही यह कदम

अब एआई 171 को रिप्लेस करेगी एयर इंडिया, फ्लाइट को देगी नया नाम!

नई दिल्ली। अहमदाबाद हादसे के बाद एयर इंडिया बड़ी तैयारी में जुट गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी फ्लाइट नंबर एआई 171 को रिप्लेस करने की तैयारी कर रही है। इसके पीछे का मकसद हादसे की दर्दनाक यादों को मिटाना है। बता दें अहमदाबाद से लंदन जा रहा विमान क्रैश हो गया था। इससे विमान में सवार 241 लोगों की मौत हो गई। वहीं, एक यात्री जिंदा बचा है। विमान जिस हॉस्पिटल की मेस पर गिरा, वहां भी कई डॉक्टरों और उनके परिजनों की मौत हुई है।

रिपोर्ट के मुताबिक इस हादसे के बाद एयर इंडिया कई जरूरी कदम उठाने जा रही है। अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि अहमदाबाद से लंदन की फ्लाइट को नया नाम दिया जाएगा। अब यह प्लेन एआई 171 की जगह, एआई 159 के नाम से जाना जाएगा। यह बदलाव बहुत जल्द नजर आएगा। अधिकारी के मुताबिक फ्लाइट का नंबर बदलने के पीछे एक खास मकसद है।

एनसीआर समचार, साप्ताहिक समाचार पत्र में विज्ञापन के लिए संपर्क करें।

कार्यालय :
12/276, संगम विहार
नई दिल्ली- 62

फोन :
9210761111

एनसीआर समाचार पत्र के स्वामित्व/ प्रकाशन परिवर्तन के संबंध में आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार पत्र के समस्त पाठकों तथा समाचार पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टर जी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृव में हो रहा है।

अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ङ्क नए कार्यालय जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062, दूरभाष (मोबाईल) 9210761111 सम्पर्क करें।

पूर्व विधायक हरिओम यादव को जान से मारने की धमकी

फिरोजाबाद (एजेंसी)। सिरसागंज के पूर्व विधायक एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता के घर के सामने घूम रहे होटल स्वामी ने पूर्व विधायक को जान से मारने की धमकी दी। विधायक पुत्र द्वारा शिकायती पत्र देने बाद पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। आरोपित को शांति भंग की धारा में निरुद्ध कर एसडीएम कोर्ट में पेश किया गया। वहां आरोपित ने हंगामा किया। बाद में जेल भेजा गया। आरोप है कि सुबह एएस लग्जरी होटल के स्वामी अतुल सिकेरा पूर्व विधायक हरीओम यादव के घर के सामने घूम रहे थे। तभी उन्होंने उन्हें जान से मारने की धमकी दी। विधायक पुत्र विजय प्रताप यादव ने थाने में शिकायती पत्र दिया। इसके बाद पुलिस आरोपित होटल मालिक को पूर्व विधायक के घर के सामने से गिरफ्तार कर लेकर आई। वहां आरो पित के स्वजन और अन्य लोग आ गए। न्यायालय परिसर में आरोपित ने पूर्व विधायक और उनके पुत्र पर हत्या कराने की आशंका जताकर जमकर हंगामा किया। तहसील परिसर में भीड़ एकत्रित हो गई। वहीं आरोपित सिकेरा के भाई आलोक कुमार ने बताया कि पुलिस ने उसके भाई को आगरा के एत्मादपुर से गिरफ्तार किया था। पुलिस ने बताया कि आरोपित को पूर्व विधायक के आवास के बाहर गाली और धमकी देकर गिरफ्तार किया गया। आरोपित के विरुद्ध कुछ दिन पहले लिखे गये मुकदमे में वारंट तैयार कराए जा रहे हैं।

मुस्लिम युवाओं को कट्टरपंथी बनाने की साजिश, एनआईए ने मध्य प्रदेश और राजस्थान में छापेमारी की

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने मुस्लिम युवाओं को कट्टरपंथी बनाने की प्रतिबंधित संगठन हिज्ब-उत-तहरीर (एचयूटी) की आतंकी साजिश की जांच के लिए मध्य प्रदेश और राजस्थान में छापेमारी की है। अधिकारियों ने बताया कि एनआईए ने एचयूटी और उसके सदस्यों की गतिविधियों की जांच के तहत भोपाल में तीन और राजस्थान के झालावाड़ में दो स्थान पर छापे मारे है। जांच एजेंसी की ओर से कहा गया हैं कि यह छापेमारी एनआईए द्वारा दर्ज एक मामले के तहत की गई है। एनआईए ने भारत में अराजकता फैलाने की कोशिश कर रहे विभिन्न आतंकवादी और कट्टरपंथी समूह और संगठनों को खत्म करने के अपने प्रयासों के तहत मामला दर्ज किया था। बयान में कहा गया है, युवाओं को भारत की लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकार को उखाड़ फेंकने और शरिया कानून द्वारा शासित इस्लामिक सरकार स्थापित करने के मकसद से हिंसा फैलाने के प्रेरित किया जा रहा था। बयान में कहा गया है कि एनआईए की टीमों ने तलाशी के दौरान डिजिटल उपकरण जब्त किए, जो फोरेंसिक विश्लेषण के लिए भेजे जाएंगे।

केदारनाथ धाम यात्रा मार्ग पर बारिश से बढ़ा ग्लेशियर टूटने का खतरा, सुरक्षा बल तैनात

रुद्रप्रयाग, (एजेंसी)। केदारनाथ धाम की तीर्थयात्रा के दौरान लगातार हो रही बारिश के कारण ग्लेशियर टूटने और भूस्खलन का खतरा मंडराने लगा है। प्रशासन ने हालात को गंभीरता से लेते हुए सभी संवेदनशील ग्लेशियर प्वाइंट पर सुरक्षा बलों की तैनाती कर दी है। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार, केदारनाथ पैदल मार्ग में स्थित कुबेर ग्लेशियर और भैरव ग्लेशियर वर्षा के दौरान विशेष रूप से खतरनाक हो जाते हैं। बीते कई दिनों से केदारनाथ क्षेत्र में भारी बारिश हो रही है, जिससे इन ग्लेशियर प्वाइंट्स पर स्थिति और भी अधिक संवेदनशील हो गई है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने पुलिस बल, वाइएमएफ(युवक मंगल दल फोर्स) और एसडीआरएफ (राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल) के जवानों को इन स्थानों पर तैनात किया है। ये जवान यात्रियों को सुरक्षित मार्ग से आगे बढ़ने में मदद कर रहे हैं और उन्हें सतर्कता बरतने की सलाह भी दी जा रही है। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने बताया कि यात्रियों से अनुरोध किया गया है कि वे ग्लेशियर प्वाइंट पर अतिरिक्त सावधानी बरतें और प्रशासन द्वारा जारी निर्देशों का पालन करें। उन्होंने कहा कि 'कुबेर और भैरव ग्लेशियर इलाके में बारिश के समय खतरा अधिक रहता है, इसलिए सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया गया है।' प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुरक्षा के लिए चौबीसों घंटे निगरानी रखी जा रही है, ताकि किसी भी आपात स्थिति में त्वरित सहायता उपलब्ध कराई जा सके।

जूडो कोच पर यौन उत्पीडन के आरोप- 16 जून को होगी सुनवाई

देहरादून (एजेंसी)। यहां की 19 वर्षीय प्रशिक्षु जूडो खिलाड़ी ने उत्तराखंड के हाईकोर्ट में लगाई अपनी याचिका में कहा है कि वह जूडो-कराटे की राष्ट्रीय स्तर की खिलाड़ी है और देहरादून में पिछले सात साल से सविता गुरूंग से प्रशिक्षण ले रही है। आरोप है कि प्रशिक्षक सतीश ने 12 मार्च 2023 को प्रशिक्षण के दौरान अपने फार्म हाउस ले गया, गेट को बंद कर दिया और एक संदेश देने के बहाने कथित तौर पर उसका यौन उत्पीड़न किया। इस मामले में अगली सुनवाई के लिए 16 जून की तारीख तय की है। इस मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति मनोज कुमार तिवारी तथा न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खंडपीठ ने की। मामले के अनुसार, देहरादून निवासी 19 वर्षीय प्रशिक्षु जूडो खिलाड़ी ने अपनी याचिका में कहा है कि वह जूडो-कराटे की राष्ट्रीय स्तर की खिलाड़ी है और देहरादून में पिछले सात साल से सविता गुरूंग से प्रशिक्षण ले रही है। आरोप लगाया गया है कि 2024 में उसे भोपाल में राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण के लिए चुना गया। हालांकि, जूडो खिलाड़ी ने कहा कि उसे भोपाल जाने की अनुमति देने की बजाय सविता गुरूंग ने उसे उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में एक अन्य प्रशिक्षक सतीश शर्मा के पास भेज दिया।याचिका में यह भी आरोप लगाया गया कि 12 मार्च 2023 को प्रशिक्षण के दौरान सतीश शर्मा उसे अपने फार्म हाउस ले गया, गेट को बंद कर दिया और एक संदेश देने के बहाने कथित तौर पर उसका यौन उत्पीड़न किया। जूडो खिलाड़ी ने कहा कि जब उसने इसका विरोध किया तो प्रशिक्षक ने उसे उसका करियर तबाह करने तथा राष्ट्रीय खेलों में भाग लेने की अनुमति न देने की धमकी दी।

पीएम मोदी 15 से 19 तक तीन देशों की करेंगे यात्रा, जी-7 में भी लेंगे भाग

नई दिल्ली(एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी 15 से 19 जून तक साइप्रस, कनाडा और क्रोएशिया के दौरे पर रहेंगे। विदेश मंत्रालय ने शनिवार को इसकी आधिकारिक घोषणा की। इस यात्रा में पीएम मोदी साइप्रस में द्विपक्षीय वार्ता करेंगे, कनाडा में जी-7 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे और क्रोएशिया में नेताओं से मुलाकात करेंगे।

पीएम मोदी 15 जून को साइप्रस की राजधानी निकोसिया पहुंचेंगे। यह दो दशकों में किसी भारतीय पीएम की साइप्रस की पहली यात्रा होगी। साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलाइड्स के निमंत्रण पर हो रही इस यात्रा में पीएम मोदी राष्ट्रपति के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। इसके अलावा वे लिमासोल में व्यापारिक नेताओं को संबोधित करेंगे। विदेश मंत्रालय के मुताबिक यह यात्रा भारत और साइप्रस के बीच संबंधों को गहरा करने और भूमध्यसागरीय क्षेत्र तथा यूरोपीय संघ के साथ भारत की भागीदारी को मजबूत करने की दिशा में अहम होगी।

साइप्रस की यात्रा को राजनीतिक और आर्थिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। 2023 में नई दिल्ली में आयोजित जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान शुरू किए गए भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे में साइप्रस को एक संभावित भागीदार के रूप में देखा जा रहा है। साइप्रस के बाद पीएम मोदी कनाडा के अल्बर्टा प्रांत में कनानास्किस में 16-17 जून को आयोजित जी-7 शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे।

कनाडा के पीएम मार्क कार्नी के निमंत्रण पर भारत को इस शिखर सम्मेलन में आमंत्रित किया गया है। यह भारत की लगातार छठी जी-7 भागीदारी होगी, जो देश की बढ़ती वैश्विक आर्थिक और राजनीतिक हैसियत को दर्शाता है। जी-7 शिखर सम्मेलन में ऊर्जा, एआई और अहम खनिज जैसे वैश्विक मुद्दों पर चर्चा होगी। पीएम मोदी शिखर सम्मेलन के आउटरीच सत्र में हिस्सा लेंगे और कई देशों के नेताओं के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। यह यात्रा भारत-कनाडा संबंधों में जो हाल के वर्षों में खालिस्तानी अलगाववादी नेता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के आरोपों के कारण तनावपूर्ण रहे हैं उसमें सुधार के लिए अहम साबित हो सकती है।

इसके बाद पीएम मोदी 18 जून को क्रोएशिया पहुंचेंगे। यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री की क्रोएशिया की पहली आधिकारिक यात्रा होगी, जो दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर होगी। इस यात्रा में पीएम मोदी उनके साथ द्विपक्षीय चर्चा करेंगे और राष्ट्रपति जोरान मिलानोविच से भी मुलाकात करेंगे। क्रोएशिया

की यात्रा भारत के यूरोपीय संघ के साथ संबंधों को मजबूत करने की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। यह यात्रा व्यापार और आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देने पर केंद्रित होगी।

सरकारी बयान के मुताबिक पीएम मोदी के इस दौरे के दौरान भारत और क्रोएशिया के बीच व्यापार, निवेश, विज्ञान, तकनीक, पर्यटन और सांस्कृतिक आदान-प्रदान जैसे क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत करने पर चर्चा होगी।

अहमदाबाद विमान हादसे में बाबा रामदेव को नजर आया तुर्की का कनेक्शन

नई दिल्ली । अहमदाबाद में प्लेन क्यों और कैसे क्रैश हुआ इस लेकर जांच शुरू हो गई है। इस बीच योग गुरु बाबा रामदेव ने साजिश की आशंका भी जाहिर की है। उन्होंने जांच की मांग की है कि कहीं तुर्की में इसकी साजिश नहीं रची गई और ऐसा करके दुश्मनी नहीं निकाली गई है। गौरतलब है कि हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर के बाद तुर्की के साथ तल्खी बढ़ गई थी। तुर्की इन दिनों पाकिस्तान का पक्का यार है। रामदेव ने शक जाहिर कर जांच की मांग की। उन्होंने कहा, विमान हादसे के पीछे इसकी दृष्टि होनी चाहिए, मुझे पता लगा है कि तुर्की की कोई एजेंसी मेंटिनेंस का काम देखती है। एविएशन सेक्टर पर भारत को और नजर रखनी पड़ेगी। तुर्की ने कहीं दुश्मनी नहीं निकाली है। क्योंकि

वहां की एजेंसी सर्विस मेंटिनेंस का काम करती थी। यह कहने पर कि उसका कांट्रैक्ट दो माह पहले खत्म कर दिया गया था, बाबा रामदेव ने कहा कि इसलिए भारत को 100 फीसदी इसतरह के संवेदनशील मामलों में विदेशी लोगों के हस्तक्षेप को खत्म करना पड़ेगा। करीब 265 लोगों की जान लेने वाले हादसे की जांच विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो, डीजीसीए, अहमदाबाद अपराध शाखा और स्थानीय पुलिस सहित अन्य एजेंसियां इस घटना की जांच में शामिल हैं। सूत्रों ने बताया कि राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) के अधिकारियों ने भी शुक्रवार को मेघाणीनगर में दुर्घटनास्थल का दौरा किया था।

पैनलिस्ट के बयान पर एंकर को क्यों गिरफ्तार किया गया?

सुप्रीम कोर्ट ने तेलुगु पत्रकार को जमानत देते हुए पुलिस से किया सवाल

नई दिल्ली(एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को तेलुगु पत्रकार कोमिनेनी श्रीनिवास राव को ज़मानत दे दी, जिन्हें आंध्र प्रदेश पुलिस ने अमरावती क्षेत्र की महिलाओं के बारे में कथित अपमानजनक टिप्पणी करने के आरोप में गिरफ़्तार किया था। ये टिप्पणियाँ इस महीने की शुरुआत में वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) के प्रमुख जगन मोहन रेड्डी के स्वामित्व वाले क्षेत्रीय समाचार चैनल साक्षी टीवी पर उनके डिबेट शो के दौरान की गई थीं।

न्यायालय ने राव द्वारा उनकी गिरफ़्तारी को चुनौती देने वाली याचिका के जवाब में यह आदेश पारित किया। न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति मनमोहन की एक आंशिक कार्य दिवस पीठ ने निर्देश दिया कि 70 वर्षीय पत्रकार, जिन्हें 9 जून को हिरासत में लिया गया था, को रिहा किया जाए। न्यायालय ने कहा कि यह राव नहीं थे, बल्कि कार्यक्रम के एक पैनलिस्ट ने विवादास्पद टिप्पणी की थी। याचिकाकर्ता ने खुद लाइव टीवी शो में बयान नहीं दिया और उसके पत्रकारिता अधिकारों की रक्षा की जानी चाहिए ताकि उसकी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता भी सुरक्षित रहे। पीठ ने कहा, 'हम निर्देश देते हैं कि याचिकाकर्ता को ट्रायल कोर्ट द्वारा लगाई गई शर्तों के अधीन एफआईआर में रिहा किया जाए।' पीठ ने राव को निर्देश दिया कि वह अपने शो में कोई अपमानजनक बयान न दें और न ही भविष्य के प्रसारणों में किसी अतिथि को ऐसा करने दें।

आंध्र प्रदेश सरकार की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए पीठ ने राव के पत्रकारिता अधिकारों को बरकरार रखने और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के उनके मौलिक अधिकार की रक्षा करने की आवश्यकता पर बल दिया। 6 जून को साक्षी टीवी पर लाइव प्रसारित ये टिप्पणियां कथित तौर पर पत्रकार वीवी कृष्णम राजू द्वारा की गई थीं, जिन्होंने अमरावती क्षेत्र को कथित तौर पर 'वेश्याओं की राजधानी'

कहा था। आंध्र प्रदेश पुलिस ने 9 जून को राजू और राव के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता, सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम और अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के कई प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया।

भारत में कोरोना को लेकर अच्छी खबर... सक्रिय मामलों में गिरावट आई

नई दिल्ली । भारत को कोविड-19 महामारी से जूझते हुए एक अहम और सकारात्मक मोड़ मिला है। लंबे समय से संक्रमण के बढ़ते आंकड़ों के बीच पहली बार राहत की खबर आई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा 13 जून को जारी आंकड़ों के मुताबिक, देश में कोविड के सक्रिय मामलों में गिरावट आई है। बीते 24 घंटे में जहां कुल 200 नए मामले सामने आए, वहीं 223 मरीज स्वस्थ होकर अस्पताल से घर पहुंचे है। इससे भारत में सक्रिय मामलों की कुल संख्या घटकर 7131 हो गई है, जो एक सकारात्मक संकेत है। इससे पहले 12 जून को यह आंकड़ा 7154 था। राज्यवार आंकड़ों के हिसाब से गुजरात में सबसे अधिक 77 नए मामले सामने आए हैं। इसके बाद राजस्थान में 32, उत्तर प्रदेश में 24, आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में 14-14, असम में 7, हरियाणा और झारखंड में 5-5, पुडुचेरी में 4, लद्दाख में 3, और ओडिशा में 1 मामला दर्ज हुआ है। हालांकि, कोरोना संक्रमण से होने वाली मौतों की संख्या अब भी चिंता का विषय बनी हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, अब तक नए वैरिएंट से 78 मौतें हुई हैं। बीते 24 घंटे में केरल में 82 वर्षीय बुजुर्ग की मौत हुई है। इससे पहले के दिन 3 लोगों की जान गई थी, जिसमें से महाराष्ट्र में 2, मध्य प्रदेश और पश्चिम बंगाल में 1-1 मौत हुई। अब तक सबसे अधिक मौतें महाराष्ट्र (21) और केरल (20) में दर्ज की गई हैं, जो दर्शाता है कि नए वैरिएंट का असर कुछ खास क्षेत्रों में अधिक है।

सरकारी नियंत्रण से मुक्त हों हमारे सारे हिंदू मंदिर एवं तीर्थ स्थल

-कथावचक देवकीनंदन ठाकुर महाराज की मांग

वृंदावन (एजेंसी)। बांके बिहारी मंदिर कॉरिडोर व न्यास गठन पर कथावचक देवकीनंदन ठाकुर महाराज ने कहा है कि वे शुरू से ही मंदिरों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त करने की मांग करते आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि सनातन बोर्ड बनाकर हिंदू मंदिर एवं तीर्थ स्थलों की व्यवस्था स्थानीय सनातनी भावनाओं के अनुरूप करनी चाहिए। वृंदावन में कांक्रीट का गलियारा न बने, बल्कि स्थानीय लोगों के सहयोग से तुलसी, लता-पता, वृक्षों से सजा मार्ग बने, जिसमें प्रवेश करते समय वास्तविक करोड़ों ठाकुरजी और लाड़ली जू के भक्तों को वृंदावन का आभास हो।

गंगोत्री धाम में भागवत कथा कह रहे देवकीनंदन ने कहा है कि बांके बिहारी मंदिर की परंपरागत सेवा-पूजा एवं व्यवस्था में बदलाव नहीं होना चाहिए। मुख्य मार्ग चौड़े होने चाहिए, लेकिन वृंदावन का सही मायने में विकास तभी माना जा सकता है, जब निर्मल यमुना की जलधारा आने लगे। स्वच्छ यमुनाजल से ठाकुरजी को स्नान कराकर सेवा पूजा की जा सके। ब्रज-वृंदावन मांस और मदिरा से मुक्त हो जाए। कथा के दौरान उन्होंने कहा कि तिरुपति मंदिर दूषित प्रसाद मामले के बाद से वह 'सनातन बोर्ड' की मांग इसलिए करते आ रहे हैं कि मंदिरों की पूजा पद्धिति एवं संस्कृति बची रहे।

देवकीनंदन ने कहा कि नमाज पढ़ने के लिए सरकार और प्रशासन सड़क पर भी व्यवस्था करवा देते हैं, इसके लिये ट्रैफिक को कंट्रोल कर डायवर्ट तक कर दिया जाता है। फिर बांके बिहारी जैसे मंदिरों में दर्शन को आने वाले यात्रियों के लिये उचित व्यवस्थाएं क्यों नहीं बना सकते है। उन्होंने कहा कि भगवान के दर्शन को पैदल चलकर जाने का शास्त्रीय विधान है। मंदिर से कुछ किलोमीटर दूर वाहन रोककर पैदल जाना चाहिये।

वोट बैंक को खुश करने में जुटी ममता, प्रस्ताव में ऑपरेशन सिंदूर का ज़िक्र नहीं

बीजेपी नेता सुवेंदु अधिकारी सरकार पर हमलावर

कोलकत्ता(एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सरकार द्वारा 10 जून 2025 को प्रस्ताव लाया गया। ममता सरकार का मुख्य मकसद पहलगाम में 22 अप्रैल 2025 को हुए आतंकी हमले की निंदा और भारतीय सेना के शौर्य की प्रशंसा करने था। लेकिन जहां भारतीय सेना के शौर्य की तारीफ होनी थी, वहां पाकिस्तान की तारीफ होने लगी। ममता सरकार के प्रस्ताव के साथ ही राज्य की मुख्य विपक्षी पार्टी बीजेपी ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। भारतीय जनता पार्टी ने ममता सरकार के प्रस्ताव की तीखी आलोचना की है।

बंगाल विधानसभा में रखे गए प्रस्ताव में जो प्रमुख बिंदु शामिल किए गए वे इस प्रकार के थे। प्रस्ताव में पहलगाम के बैसरन घाटी में हुए आतंकी हमले को क्रूर और अमानवीय करार दिया गया, जिसमें 26 लोग मारे गए, जिसमें से तीन पश्चिम बंगाल के थे।

इस प्रस्ताव में भारतीय सशस्त्र बलों की विभिन्न शाखाओं के समन्वित प्रयासों की प्रशंसा की गई, जिन्होंने पाकिस्तान और

पाकिस्तान-अधिकृत कश्मीर (पीओके) में आतंकी ढांचों को सटीकता के साथ नष्ट कर राष्ट्र की गरिमा की रक्षा की गई। लेकिन ममता सरकार के प्रस्ताव में स्पष्ट रूप से पाकिस्तान को हमले का जिम्मेदार नहीं ठहराया गया, बल्कि इस केवल अमानवीय हमला कहा गया। यह भारत सरकार के रुख के विपरीत है, जो हमले को लश्कर-ए-तैयबा जैसे पाकिस्तान-आधारित आतंकी संगठनों से जोड़ता है। सबसे अहम बात ये हैं प्रस्ताव में भारत की जवाबी कार्रवाई ऑपरेशन सिंदूर का कोई जिक्र नहीं था। दरअसल बीजेपी के दर्द का असली कारण यही है।

ममता सरकार के इस कृत्य के पीछे कहीं न कहीं राजनीतिक मंशा ही रही होगी, इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता है। बीजेपी विधायकों, विशेषकर विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी और विधायक अग्निमित्रा पॉल, ने प्रस्ताव की कमियों पर सवाल उठाए हैं। अधिकारी ने पूछा कि प्रस्ताव में ऑपरेशन सिंदूर का ज़िक्र क्यों नहीं किया गया, जो भारत की आतंकवाद विरोधी नीति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा था।

बीजेपी ने टीएमसी पर आरोप लगाया कि वह वोट बैंक की राजनीति के लिए पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराने से बच रही है। बीजेपी नेता पॉल ने कहा कि ममता बनर्जी ने 33 प्रतिशत मुस्लिम वोट बैंक को खुश करने के लिए जानबूझकर ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र नहीं किया।

दरअसल बंगाल में अगले साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। ममता बनर्जी के नेतृत्व में टीएमसी 3 बार से लगातार सरकार बना रही है। दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी ने भी राज्य में बहुत तेजी से अपनी पैठ बनाई है। इस बार बीजेपी भी अपनी पूरी शक्ति से पश्चिम बंगाल में लगी हुई है। जाहिर है कि ममता बनर्जी के लिए बहुत बड़ा चैलेंज है चौथी बार सत्ता में आना।

भीषण गर्मी से परेशान लोगों को मॉनसून का इंतजार, 17 जून से हो सकती है बारिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। भीषण गर्मी से परेशान लोगों के लिए राहत भरी खबर है। बंगाल की खाड़ी में बने चक्रवाती सिस्टम से अब पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़, ओडिशा और मध्य प्रदेश में बारिश की संभावना बढ़ रही है। आईएमडी के मुताबिक, बिहार में इस वर्ष मॉनसून 17 जून से शुरू हो सकता है, जो सामान्य से थोड़ी देर से आ रहा है। पटना, गया, मुजफ्फरपुर और पूर्णिया जैसे क्षेत्रों में बारिश की गतिविधि जोर पकड़ने की उम्मीद है। इससे लोगों को तो तपती गर्मी से राहत मिलेगी ही साथ की किसानों को खरीफ की फसल के लिए भी राहत होगी।

आईएमडी ने कहा है कि यह मौसम 25 जून तक दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान सहित उत्तर-पश्चिम राज्यों के अधिकांश हिस्सों में पहुंच सकता है। सामान्य से पहले आगमन होगा। इससे वर्तमान लू के हालात में जरूरी राहत मिलेगी। राष्ट्रीय राजधानी में लगातार चार दिनों तक भीषण गर्मी रहने के बाद शुक्रवार को तापमान में कुछ गिरावट दर्ज की गयी। इस बीच भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने 'ऑरेंज अलर्ट'जारी करते हुए शुक्रवार देर शाम को आंधी और बारिश का अनुमान जताया है। दिल्ली की आधिकारिक वेधशाला सफदरजंग में अधिकतम तापमान गिरकर 41.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 1.3 डिग्री सेल्सियस अधिक है, लेकिन बृहस्पतिवार के 43.9 डिग्री सेल्सियस से कम है। शहर के अन्य मौसम केंद्रों ने भी महत्वपूर्ण गिरावट दर्ज की। रिज क्षेत्र में दिन के तापमान में 4.9 डिग्री सेल्सियस की कमी दर्ज की गयी जबकि आयानगर, लोधी रोड और पालम में क्रमशः 3.6 डिग्री सेल्सियस, 3.7 डिग्री सेल्सियस और 3.3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गयी। शुक्रवार को न्यूनतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो मौसम के औसत से चार डिग्री अधिक है।ताजा पूर्वानुमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहने, हल्की बारिश तथा 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने का अनुमान है। अगले दो दिन भी ऐसी स्थितियां बनी रहने का अनुमान है और 16 से 18 जून के बीच बारिश की उम्मीद है। आईएमडी के अनुमान के अनुसार शनिवार को अधिकतम तापमान 39 से41 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। 14 जून के बाद से भीषण गर्मी की उम्मीद नहीं है।

अगले सप्ताह दक्षिण बंगाल की ओर बढ़ेगा मॉनसून

आईएमडी ने दक्षिण-पश्चिम मानसून के अगले सप्ताह के मध्य तक पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों में आगे बढ़ने के आसार के मद्देनजर के कई जिलों में भारी बारिश का शुक्रवार को पूर्वानुमान व्यक्त किया। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने 18 जून तक के अपने पूर्वानुमान में कहा कि दक्षिण-पश्चिम मॉनसून के आगे बढ़ने के लिए अनुकूल परिस्थितियों और बंगाल की खाड़ी से भारी नमी उत्पन्न होने के कारण राज्य के कुछ जिलों में भारी बारिश होने का अनुमान है। विभाग ने कहा कि 14 जून को उत्तर बंगाल के जलपाईगुड़ी और अलीपुरद्वार जिलों में भारी से बहुत भारी स्तर की बारिश होने का अनुमान है। मौसम विभाग ने कहा कि उत्तर बंगाल के अन्य जिलों में 18 जून तक भारी बारिश होने के आसार हैं।आईएमडी बुलेटिन में कहा गया है कि दक्षिण बंगाल के उत्तर 24 परगना, दक्षिण 24 परगना, पूर्वी मिदनापुर, पश्चिम मिदनापुर, कोलकाता, हावड़ा, हुगली, झारग्राम, पुरुलिया, बीरभूम और पश्चिम बर्धमान जिलों में 14 जून से 18 जून के बीच भारी बारिश होने का पूर्वानुमान है।

गुजरात और झारखंड का हाल

गुजरात और हिंदी पट्टी के अन्य कृषि प्रधान राज्यों में 2025 का पूरा मानसून सामान्य से बेहतर रहने की संभावना है। गुजरात को अपने औसत से 106प्रतिशत, जबकि पंजाब और हरियाणा को 114-115 प्रतिशत बारिश मिलने की उम्मीद है। झारखंड में भी मॉनसून 16-18 जून के बीच पहुंचने की संभावना जताई गई है। हाल ही में रांची और जमशेदपुर में उमस की वजह से गर्मी ज्यादा महसूस हो रही थी, लेकिन आने वाले दिनों में हल्की से मध्यम बारिश से राहत मिल सकती है।

प्राकृतिक आपदाओं के कारण बिजली कटौती को दुरुस्त करने के लिए भी त्वरित कार्यवाही की जाए : आशीष सूद

❍ पीएम सूर्य घर योजना के तहत दिल्ली में सोलर पैनल लगाने की योजना को प्रोत्साहित किया जाए : ऊर्जा मंत्री

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। दिल्ली के ऊर्जा मंत्री श्री आशीष सूद ने आज दिल्ली में बिजली की बढ़ती हुई मांग को देखते हुए बिजली कंपनी और ऊर्जा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक की। बैठक में तीनों बिजली कंपनी और विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

बैठक के बाद ऊर्जा मंत्री ने बताया कि आज की बैठक में दिल्ली में बढ़ते हुए बिजली के लोड को देखते हुए दिल्ली की सभी बिजली कंपनियों को अपने इंफ्रास्ट्रक्चर को और मजबूत करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में मौसम की भविष्यवाणी को देखते हुए दिल्ली में बिजली कंपनी अपनी पूरी तैयारी रखें। प्राकृतिक आपदाओं जैसे तेज आंधी, भारी बारिश, पेड़ गिरने तथा कुछ असामान्य कारणों से यदि बिजली कटौती की जाती है तो उसको ठीक करने के लिए समय सीमा को कम करने के भी निर्देश दिए ताकि उपभोक्ताओं को सुचारू और निर्बाध बिजली देने का प्रयास किया जा सके।

ऊर्जा मंत्री ने बताया की दिल्ली सरकार दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता के नेतृत्व में सभी नागरिकों को निर्बाध और सुचारू रूप से बिजली देने के लिए कटिबंध है इस दिशा में सरकार गंभीरता से काम कर रही है और किसी भी लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

ऊर्जा मंत्री ने सभी बिजली कंपनियों को निर्देश दिए कि वह अपने क्षेत्र में बिजली के पुराने ग्रिडों को बदलने नई केबल डालने तथा बिजली के उत्पादन और वितरण में नई तकनीक के इस्तेमाल पर जोर दें ऐसी व्यवस्था भी करें इससे फॉल्ट का तुरंत पता चल सके और रिस्पांस टीम तुरंत उसका समाधान भी कर सके साथ ही बिजली कंपनियां डाटा एनालाइज भी करें।

श्री सूद ने बैठक में उपस्थित बिजली कंपनियों को सोलर ऊर्जा के क्षेत्र में भी तेजी से काम करने के निर्देश भी दिए उन्होंने कहा कि दिल्ली में बिजली की बढ़ती हुई मांग को देखते हुए हमें सोलर ऊर्जा को अपनाने की जरूरत है। उन्होंने यह भी कहा कि सभी बिजली कंपनियों और ऊर्जा विभाग दिल्ली के हर बिजली उपभोक्ता को सोलर पैनल लगाने के लिए प्रोत्साहित करें और जिन क्षेत्र में बिजली के मीटर नहीं लग पा रहे हैं वहां पर सोलर पैनल से बिजली पहुंचाने की व्यवस्था के लिए भी गंभीर प्रयासों की जरूरत है। इसके साथ ही मंत्री महोदय ने बिजली कंपनियों को किलोकारी में लगाए गए बैटरी बैंक की तर्ज पर अन्य क्षेत्रों में भी बैटरी बैंक लगाने की हिदायत भी दी।

सांसद बिधूड़ी ने की फतेहपुर बेरी भाटी में छात्राओं का कॉलेज खोलने की मांग

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली से लोकसभा सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने शुक्रवार को गांव फतेहपुर बेरी भाटी में छात्राओं के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय का कॉलेज खोलने की मांग को लेकर दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.योगेश सिंह को पार्लियामेंट्री एनेक्सी में ज्ञापन सौंपा। उन्होंने बताया कि संसदीय समिति की बैठक में भी यह मामला उठाया।

रामवीर सिंह बिधूड़ी ने एक्स पर पोस्ट कर बताया कि आज दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह से मुलाकात कर के छात्राओं के लिए कॉलेज खोलने की मांग की। बिधूड़ी ने बताया कि प्रो. योगेश सिंह ने इस मामले में जल्द से जल्द कार्यवाही का आश्वासन दिया है। उन्होंने बताया कि दिल्ली में पिछले 30 वर्षों में डीयू का कोई नया कॉलेज नहीं खुला गया है। वहीं भाटी के आसपास के क्षेत्र में कोई कॉलेज नहीं है।

दिल्ली सरकार गांव फतेहपुर बेरी भाटी में छात्राओं के कॉलेज के लिए जमीन भी दे चुकी है। लेकिन कॉलेज नहीं खुल पाया है। इसके कारण छात्राओं को 12वीं के बाद दो से तीन घंटे का सफर कर कॉलेज जाना पड़ता है। बिधूड़ी ने कहा कि यह मामला लोकसभा में भी उठा चुका हूं। लेकिन इस पर अब तक ध्यान नहीं दिया गया है। इसलिए विश्वविद्यालय के कुलपति से मुलाकात कर के ज्ञापन सौंपा है। ताकि जल्द ही छात्राओं के हित के लिए काम किया जाए।

ज्वेलर के कर्मचारी पर चाकू से हमला कर लूटी 40 लाख की ज्वेलरी

नई दिल्ली, एजेंसी। सुभाष प्लेस थाना क्षेत्र में बदमाशों ने बृहस्पतिवार को दिनदहाड़े चांदनी चौक के एक ज्वेलर के कर्मचारी पर चाकू से हमला कर करीब 40 लाख मूल्य के सोने व चांदी के आभूषण की लूट की वारदात को अंजाम दिया। वारदात के बाद सभी आरोपित मौके से फरार हो गए। घायल कर्मचारी की पहचान सुभाष रामका के रूप में हुई है। घायल कर्मचारी को शालीमार बाग स्थित फोर्टिस अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पीड़ित के बयान पर पुलिस ने लूटपाट का मामला दर्ज कर आरोपितों का पता लगा रही है। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों से पुलिस आरोपितों का पता लगाने में जुटी हुई है। पुलिस अधिकारी का दावा है कि जल्द ही आरोपितों को पकड़ लेगी।

उत्तरी पश्चिमी जिला पुलिस उपायुक्त भीष्म सिंह ने बताया कि बृहस्पतिवार दोपहर साढ़े तीन बजे सुभाष प्लेस थाना पुलिस को फोर्टिस अस्पताल से एक शख्स को चाकू लगने के बाद भर्ती कराए जाने की जानकारी मिली। सूचना मिलते ही पुलिस अस्पताल पहुंची। जहां सुभाष रामका का इलाज चल रहा था। पूछताछ करने पर पता चला कि पीड़ित चांदनी चौक के ज्वेलर पंकज जैन की दुकान में काम करते हैं।

बृहस्पतिवार दोपहर करीब तीन बजे सुभाष रामका अपने साथी गोपाल के साथ गहने के नमूने लेकर ज्वेलरों को दिखाने के लिए कोहाट मेट्रो स्टेशन पहुंचे थे। कुछ देर बाद दो अज्ञात बदमाशों ने सुभाष से बैग छीनने लगे। विरोध करने पर बदमाशों ने उनपर चाकू से हमला कर दिया। घटना के समय गोपाल थोड़ी दूरी पर खड़ा था। हमला करने के बाद बदमाश बैग छीनकर रोहिणी की ओर भाग गए। बताया जा रहा है कि बैग में 357 ग्राम सोने की चेन और 7.50 किलो चांदी थे।

कैदियों की रिहाई पर मानवीय दृष्टिकोण जरूरी : दिल्ली हाईकोर्ट

कहा– सजा पूरी होने से पहले कैदी को रिहा करना हिंदू न्यायशास्त्र का भाग

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। सजा सुनाने के सुधारात्मक नीति के तत्वों के उल्लेख वाले चाणक्य के अर्थशास्त्र का हवाला देते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने सजा समीक्षा बोर्ड (एसआरबी) के पुनर्गठन का निर्देश दिया है। हत्या के मामले में 18 साल से जेल में बंद कैदी की अपील याचिका पर विचार करने के बाद अदालत ने कहा कि कैदी को आंकड़े के बजाय मानवीय आधार पर देखना चाहिए।

न्यायमूर्ति गिरीश कथपालिया की पीठ कहा कि एसआरबी का उद्देश्य कैदी के सुधार पर होना चाहिए, ऐसे मामले को सामान्य निपटारे के तौर पर नहीं देखा जाना चाहिए। पीठ ने यह भी कहा कि सजा पूरी होने से पहले कैदी को मानवीय आधार पर रिहा करना प्राचीन हिंदू न्यायशास्त्र का महत्वपूर्ण भाग था। उक्त टिप्पणी के साथ अदालत ने दिल्ली सरकार को आजीवन कारावास की सजा काट रहे एक दोषी की समयपूर्व रिहाई के आवेदन पर नए सिरे से विचार करने का निर्देश दिया।

अदालत ने नोट किया कि कैदी ने पैरोल की अवधि पार कर ली थी, लेकिन उसके आवेदन को एसआरबी ने ठुकरा दिया था। न्यायमूर्ति गिरीश कथपालिया की पीठ सम्राट अशोक के कथन का उल्लेख है कि उन्होंने 26 वर्षों की अवधि में 25 बार कैदियों को छोड़ा था। अदालत ने नोट किया कि अपीलकर्ता दोषी ने बिना किसी छूट के 18 साल से अधिक समय तक और छूट के साथ 21 साल से अधिक समय तक कारावास में रहा था।

उसने वर्ष 2004 में दिल्ली सरकार द्वारा बनाई गई नीति का लाभ मांगा था। अपीलकर्ता ने याचिका में तर्क दिया कि वर्ष 2010 में पैरोल से भागने की एक भी चूक को अब 15 साल बाद स्वतंत्रता से वंचित करने के लिए नहीं माना जाना चाहिए। पीठ ने कहा कि निश्चित तौर पर अपीलकर्ता द्वारा किया गया अपराध जघन्य था और उससे सख्ती से निपटने की आवश्यकता थी, लेकिन कोई यह भी अनदेखा नहीं कर सकता कि उक्त अपराध वर्ष 2001 में हुआ था।

याचिकाकर्ता को जेल अधिकारियों ने कई प्रशंसा पत्र भी दिए

पीठ ने कहा कि जहां तक पैरोल से भागने और दो अन्य आपराधिक मामलों में फिर से गिरफ्तार होने का सवाल है तो उक्त अपराध भी वर्ष 2015 में हुआ था। पीठ ने कहा कि वर्ष 2015 के बाद अपीलकर्ता की ओर से जेल में किसी भी तरह के कदाचार के आरोप सामने नहीं आया है, उल्टा याचिकाकर्ता को जेल अधिकारियों द्वारा कई प्रशंसा पत्र दिए गए। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि याचिकाकर्ता उन दो मामलों में बरी हो गया है।

फर्जी इमीग्रेशन रैकेट का भंडाफोड़, अमेरिका भेजने वाला हरियाणा का एजेंट गिरफ्तार

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। आईजीआई एयरपोर्ट थाना पुलिस ने फर्जी इमीग्रेशन रैकेट का पर्दाफाश करते हुए गिरोह के मुख्य सरगना अमित कुमार (35) को गिरफ्तार किया है। आरोपित कुरुक्षेत्र का रहने वाला है। जांच में पता चला है कि आरोपित अवैध रूप से यात्रियों को अमेरिका भेजने के लिए नकली इमीग्रेशन मुहरों और झूठे दस्तावेजों का इस्तेमाल करता था।

पुलिस अधिकारी के अनुसार 23-24 मई 2025 की रात अमेरिका से डिपोर्ट होकर लौटा एक 23 वर्षीय युवक जब दिल्ली एयरपोर्ट पर पहुंचा, तो इमीग्रेशन जांच में उसके पासपोर्ट के कई पन्ने गायब पाए गए। जांच में खुलासा हुआ कि युवक ने अमेरिका की यात्रा कई देश यूके, फ्रांस, स्पेन, निकारागुआ, होंडुरास, ग्वाटेमाला और मैक्सिको के जरिए अवैध तरीके से की थी। उसने एजेंटों के कहने पर पासपोर्ट से वे पन्ने फाड़ दिए थे, जिन पर फर्जी मुहरें लगी थीं।

आगे युवक ने पूछताछ में बताया कि वह हरियाणा के अंबाला का रहने वाला है और बेहतर भविष्य की तलाश में अमेरिका जाना चाहता था। इसी दौरान उसकी मुलाकात 'यस इमीग्रेशन' नाम की फर्जी एजेंसी से हुई, जो यमुनानगर, हरियाणा में संचालित होती थी। यहां अमित कुमार, राजत और हर्षबीर नामक एजेंटों ने उससे 35 लाख लिए और अवैध तरीके से उसकी यात्रा की व्यवस्था की। आईजीआई एयरपोर्ट पुलिस ने मुकदमा दर्ज करजांच शुरू की। पुलिस टीम ने तकनीकी निगरानी और स्थानीय सूचना के आधार पर कई ठिकानों पर छापे मारे। लगातार स्थान बदल रहे आरोपित अमित कुमार को अंततः कुरुक्षेत्र के एक ठिकाने से दबोच लिया।

पूछताछ में आरोपित अमित कुमार ने अपना अपराध स्वीकार किया। पूछताछ में उसने बताया कि वह स्नातक है और 2009 में अपने भाई को ऑस्ट्रेलिया भेजने के दौरान वह ऐसे एजेंटों के संपर्क में आया था। बाद में उसने खुद यह काम करना शुरू कर दिया। उसने बताया कि कैसे फर्जी दस्तावेजों और इमीग्रेशन मुहरों के जरिए लोगों को अमेरिका पहुंचाने का काम किया जाता था। वहीं दिल्ली पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि वे केवल मान्यता प्राप्त एजेंसियों के माध्यम से विदेश यात्रा के दस्तावेज बनवाएं और किसी भी सस्ते व अवैध प्रस्ताव से बचें।

फर्जी विदेश नौकरी रैकेट का मुख्य आरोपित दाऊद गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल (दक्षिण-पश्चिम रेंज) ने बहुचर्चित विदेश नौकरी घोटाले में वांछित चल रहे आरोपित जाकिर दाऊद खान को महाराष्ट्र के पाडघा गांव से गिरफ्तार किया है। आरोपित पर दिल्ली पुलिस ने 50 हजार का इनाम घोषित कर रखा था।

स्पेशल सेल के डीसीपी अमित कौशिक ने बताया कि जाकिर दाऊद खान ने फिजा प्लेसमेंट प्राइवेट लिमिटेड के साथ मिलकर बेरोजगार युवाओं को दुबई में नौकरी दिलाने का झांसा देकर 88 लाख से अधिक की ठगी की। कंपनी के खिलाफ 80 से ज्यादा शिकायतें दर्ज हुईं। जिनमें नकली वीजा, फर्जी एयर टिकट और पासपोर्ट जब्त करने के आरोप शामिल हैं।

डीसीपी के अनुसार वर्ष 2022 में दिल्ली की आर्थिक अपराध शाखा थाने में मुकदमा दर्ज कर इस मामले में पुलिस ने पहले ही अरशद, राम अनमोल ठाकुर, गुलभर अली, और श्रुति को गिरफ्तार कर लिया था। जबकि आरोपित जाकिर लंबे समय से फरार चल रहा था और फरवरी 2024 में उसे अदालत ने घोषित अपराधी घोषित कर दिया था। डीसीपी के अनुसार स्पेशल सेल की टीम ने तकनीकी निगरानी और खुफिया जानकारी के आधार पर आरोपित की लोकेशन महाराष्ट्र के पाडघा गांव में ट्रेस की। कुछ दिनों तक इलाके में निगरानी के बाद जाकिर को उसके ठिकाने से दबोच लिया।

जांच में पता चला है कि 38 वर्षीय जाकिर उप्र के देवरिया जिले का निवासी है और बचपन में ही पढ़ाई छोड़कर मुंबई के भिवंडी में हथकरघा उद्योग में काम करने लगा। वर्ष 2015 में वह खुद भी एक एजेंट के झांसे में आकर ठगी का शिकार हुआ था।

हनीट्रैप में फंसाकर लाजपत नगर में वकील से लूटपाट

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिणी दिल्ली में लाजपत नगर में तीन आरोपितों ने एक अधिवक्ता को हनी ट्रैप फंसाकर एक पार्क में बुलाकर उनकी जमकर पिटाई की। फिर आरोपितों ने पीड़ित से 50 हजार रुपये लूट लिये और मौके से फरार हो गए। इस संबंध में लाजपत नगर थाने में केस दर्ज किया गया है। पुलिस को दी शिकायत में भजनपुरा निवासी मनीष शर्मा ने बताया कि वह अपने परिवार वह जिला अदालत में वकील है। उन्होंने बताया कि करीब एक महीने पहले उनके पास एक नंबर से व्हाट्सएप काल आई। काल करने वाली युवती ने अपना नाम श्रुष्टि बताया।

महिला ने अधिवक्ता ने एक केस के बारे में बातचीत की। फिर उसे केस के सिलसिले में मिलने के लिए सात जून को साकेत कोर्ट में बुलाया। पीड़ित को भी उस दिन एक अन्य केस के सिलसिले में साकेत कोर्ट आना था। इसलिए, उन्होंने ने भी हामी भर दी। जब वकील साकेत कोर्ट पहुंच गए तो महिला ने उन्हें लाजपत नगर के एक पार्क में आने के लिए कहा।

वहीं, इस पर पीड़ित अधिवक्ता अपने क्लाइंट पंकज के साथ उसकी गाड़ी से लाजपत नगर पहुंच गया। वहां उसे महिला मिली। पंकज अपनी गाड़ी में बैठा रहा और अधिवक्ता युवती से पार्क के बाहर खड़ा होकर बात करने लगा। तभी श्रुष्टि ने उसे पार्क में चलने के लिए कहा तो वह उसके साथ चले गए। जब वह पार्क में बैठे तो तभी महिला के तीन साथी आ गए।

अधिवक्ता का आरोप है कि आरोपितों ने उन्हें पीछे से पकड़ लिया और मारपीट की।

दुबई में नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करने वाला वांछित अपराधी महाराष्ट्र से गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस ने विदेश, खास तौर पर दुबई में नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करने वाले 50,000 रुपये के इनामी वांछित अपराधी को महाराष्ट्र के पड़घा से गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

आरोपी जाकिर दाउद खान दो साल से अधिक समय से फरार था और उसे 2024 में भगोड़ा घोषित किया गया था। खान खुद 2015 में इसी तरह की ठगी का शिकार हो चुका है जब उसने दुबई के वीजा के लिए आवेदन किया था। इसके बाद वह रोजगार परामर्शदाता बन गया।

पुलिस ने बताया कि खान ने दिल्ली के जनकपुरी में 'फिजा प्लेसमेंट प्राइवेट लिमिटेड' कंपनी खोली जो गैर पंजीकृत थी और दुबई में नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को लुभाना शुरू कर दिया।

पुलिस उपायुक्त (विशेष प्रकोष्ठ) अमित कौशिक ने कहा, "इस गिरोह का खुलासा सितंबर 2022 में हुआ जब शिकायतकर्ता धर्मेंद्र कुमार ने आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) से संपर्क किया और आरोप लगाया कि एक कंपनी ने जाली वीजा, नकली हवाई टिकट के जरिए और पासपोर्ट अपने कब्जे में रखकर उससे 90,000 रुपये ठग लिए।"

उन्होंने बताया कि जांच आगे बढ़ी तो दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार और हरियाणा से 80 से अधिक शिकायतें सामने आईं, जिसके बाद 15 दिसंबर 2022 को मामला दर्ज किया गया।

अधिकारी ने बताया कि जांच से पता चला कि आरोपी और उसके सहयोगी विदेश मंत्रालय से किसी भी मंजूरी के बिना 'फिजा प्लेसमेंट प्राइवेट लिमिटेड' और 'मेसर्स एशियाटास कंसल्टिंग (ओपीसी) प्राइवेट लिमिटेड' के जरिए ठगी का यह धंधा कर रहे थे।

पुलिस ने बताया कि उन्होंने प्रति व्यक्ति कथित तौर पर 50,000 रुपये से 1,20,000 रुपये तक की वसूली की और पीड़ितों से 88.8 लाख रुपये से अधिक ठग लिये।

पुलिस उपायुक्त ने बताया कि 59 से अधिक फर्जी वीजा जारी किए गए और 364 पासपोर्ट अवैध रूप से अपने कब्जे रखे थे। उन्होंने बताया कि कुछ आरोपियों अरशद, राम अनमोल ठाकुर, गुलभर अली और श्रुति को दिसंबर 2022 में गिरफ्तार किया जा चुका है।

बाद में सह-आरोपी मोहम्मद सद्दाम और मोहम्मद तसलीम को भी गिरफ्तार कर लिया गया, लेकिन जाकिर दाउद खान गिरफ्तारी से बचने में कामयाब रहा और फरवरी 2024 में उसे भगोड़ा घोषित कर दिया गया।

मामला दर्ज होने के तुरंत बाद खान दुबई भाग गया और 2025 में भारत लौट आया। उसके वित्तीय लेन-देन की निगरानी और मुखबिरों से मिली जानकारी के जरिए, पुलिस ने उसे महाराष्ट्र के पड़घा के पास एक गांव में ढूंढ निकाला, जहां से उसे 10 जून में गिरफ्तार किया गया।

एक नजर

बदमाश अवैध हथियारों के साथ गिरफ्तार, चोरी की मोटरसाइकिल बरामद

नई दिल्ली, एजेंसी। आपराधिक वारदात को अंजाम देने से पहले एक बदमाश को बाहरी-उत्तरी जिला एटीएस की टीम ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपित के पास से एक पिस्टल, दो गोली, मैगजीन और एक चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की गई है। पुलिस ने यह कार्रवाई गुप्त सूचना के आधार पर की है। बाहरी-उत्तरी जिला पुलिस अधिकारी संदीप गुप्ता ने बताया कि 11 जून की रात 08:10 बजे पुलिस टीम को एक गुप्त मुखबिर से सूचना मिली कि एक व्यक्ति जिसके पास अवैध हथियार है, वह नीले रंग की बाइकसे गंदा नाला रोड सेक्टर-25 के रास्ते रोहिणी दिल्ली के सेक्टर-16 में अपने सहयोगी से मिलने आएगा। जिसके पास अवैध हथियार भी है। सूचना के आधार पर, इंस्पेक्टर प्रमोद तोमर के नेतृत्व में छापेमारी कर आरोपित व्यक्ति सागर उर्फ काला को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी के दौरान उसके कब्जे से एक सेमी आटोमेटिक पिस्तौल, दो कारतूस, एक मैगजीन और एक चोरी की मोटर साइकिल बरामद की गई। थाना शाहबाद डेरी पुलिस ने 25,54,59 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया। पूछताछ के दौरान सागर उर्फ काला ने बताया कि वह बरामद हथियार और कारतूस शकुरपुर इलाके में मोनी नामक व्यक्ति से अपराध करने के इरादे से खरीदता है। उसने आगे बताया कि उसने चोरी की मोटरसाइकिल अपने गांव के भूषण नामक व्यक्ति से खरीदी थी। पुलिस अब हथियार बेचने वाले का पा लगा रही है।

घरेलू सहायिका ने उड़ाए लाखों के गहने, गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। शाहदरा जिले के कृष्णा नगर इलाके में एक महिला द्वारा चोरी की वारदात को अंजाम देने के मामले में पुलिस ने आरोपित को उत्तराखंड के देहरादून से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपित महिला से चोरी गए जेवरात और नगदी का एक बड़ा हिस्सा बरामद किया है। शाहदरा जिले की एडिशनल डीसीपी नेहा यादव ने बताया कि पिछला 10 जून को सामने आई जब कृष्णा नगर निवासी करमजीत कौर ने पुलिस में ई-एफआईआर दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि उनकी घरेलू सहायिका रूबी ने सफाई के दौरान अलमारी से एक बैग चुरा लिया जिसमें बड़ी मात्रा में सोने-चांदी और हीरे के आभूषण तथा नकदी रखी थी। महिला की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया। एडिशनल डीसीपी के अनुसार मामलेको गंभीरता से लेते हुए एक टीम का गठन किया गया। टीम ने तत्काल मौके से सीसीटीवी फुटेज एकत्र कर जांच शुरू की। जिसमें साफ दिखा कि रूबी ने 26 मई को शिकायतकर्ता को साफ-सफाई के बहाने कमरे से बाहर भेज दिया और अलमारी से बैग चोरी कर लिया। प्राथमिक जांच में पता चला कि आरोपित पहले देहरादून में रहती थी। तकनीकी निगरानी के माध्यम से उसकी लोकेशन ट्रेस की गई और टीम ने स्थानीय पुलिस के सहयोग से देहरादून के भंडारी बाग क्षेत्र में छापा मारकर उसे गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपित महिला के कब्जे से 84,000 नकद, एक सोने की चेन, एक सोने की अंगूठी, दो चेनें और मेडिकल कार्ड बरामद किए। फिलहाल आरोपित महिला से पूछताछ जारी है ताकि बाकी जेवरात और नकदी का पता लगाया जा सके।

आईआईटी दिल्ली में डेटा साइंस और डिसीजन साइंस कोर्स के नए बैच के लिए एडमिशन शुरू

नई दिल्ली, एजेंसी। आईआईटी दिल्ली ने डेटा साइंस और डिसीजन साइंस में एडवांस्ड सर्टिफिकेट कोर्स के पांचवें बैच के लिए दाखिले शुरू कर दिए हैं। यह कोर्स आठ महीने का है और इसका मकसद प्रोफेशनल्स को डेटा से जुड़ी तकनीकों और सही फैसले लेने की समझ सिखाना है। इस कोर्स के जरिए छात्र आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, डीप लर्निंग, बिग डेटा और फैसला लेने के तरीकों के बारे में सीखेंगे। इसमें पढ़ाई के साथ-साथ प्रैक्टिकल प्रोजेक्ट, केस स्टडी और एक दिन का कैंपस विजिट भी शामिल है। इस कोर्स की पढ़ाई ऑनलाइन होगी और छात्रों को आईआईटी दिल्ली की ओर से डिजिटल सर्टिफिकेट भी मिलेगा। इस कोर्स में वही लोग अप्लाई कर सकते हैं, जिन्होंने एसटीईएम (साइंस, टेक, इंजीनियरिंग, मैथ्स) या मैनेजमेंट जैसे विषयों से ग्रेजुएशन या पोस्ट ग्रेजुएशन किया हो और जिन्हें गणित में अच्छी समझ हो।

पूर्वी दिल्ली में स्कूटी पर जा रहे कारोबारी का गला मांझे से कटा, गले पर आए 13 टांके

नई दिल्ली, एजेंसी। न्यू उस्मानपुर थाने के पास पांडुशिला रोड पर बृहस्पतिवार शाम स्कूटी सवार एक कारोबारी का तेज धार मांझे की चपेट में आकर गला कट गया। गले से खून बहने लगा। पीड़ित रिषभ गुप्ता किसी तरह से स्कूटी चलाकर जग प्रवेश चंद्र अस्पताल पहुंचे। खून अधिक बहने पर उन्हें किसी दूसरे अस्पताल रेफर करने के लिए कह दिया गया। पीड़ित ने अपने भाई को बुलाया और पटपड़गंज स्थित मैक्स अस्पताल गए। कारोबारी के गले पर 13 टांके आए हैं। न्यू उस्मानपुर थाना ने पीड़ित के बयान दर्ज कर लिए हैं। अभी केस दर्ज नहीं हुआ है। रिषभ गुप्ता परिवार के साथ पटपड़गंज में रहते हैं। उनका ई-कामर्स का कारोबार है। ब्रह्मपुरी क्षेत्र में उन्होंने अपना आफिस बनाया हुआ है। पीड़ित ने बताया कि वह बृहस्पतिवार शाम को स्कूटी से आफिस से घर लौट रहे थे। जब उस्मानपुर थाने के पास पांडुशिला रोड पर पहुंचे।

मध्य प्रदेश: देवास जिले में कालीसिंध नदी में मिला अज्ञात पुरुष का शव, शव देख इलाके में मची सनसनी

फूलचंद मालवीय

मध्य प्रदेश: देवास जिले के ग्राम पीर पाडल्या में कालीसिंध नदी में तैरता हुआ एक अज्ञात पुरुष का शव मिला है। पुलिस प्रशासन ने शव को अपने कब्जे में ले लिया है और इसकी पहचान के लिए प्रयास कर रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार, शव को नदी में तैरता हुआ देखा गया था, जिसके बाद इसकी सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में ले लिया और आगे की जांच शुरू कर दी

पुलिस अभी जांच में जुटी है और शव की पहचान के लिए विभिन्न तरीकों से प्रयास कर रही है। पुलिस प्रशासन का कहना है कि शव की पहचान के लिए सभी संभव प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आगे की जांच जारी है। पुलिस प्रशासन

आपसे अनुरोध करता है कि अगर आपको इस शव के बारे में कोई जानकारी है, तो आप थाना पीपलरावा से संपर्क करें।

शव की पहचान के लिए पुलिस की अपील पुलिस प्रशासन का कहना है कि अगर किसी व्यक्ति को इस शव के बारे में कोई जानकारी है, तो वह तुरंत थाना पीपलरावा से संपर्क कर सकता है। पुलिस प्रशासन आपसे अनुरोध करता है कि अगर आपको इस शव के बारे में कोई जानकारी है, तो आप पुलिस की मदद करें। पुलिस प्रशासन का कहना है कि वह इस मामले में किसी भी संभावित सुराग की जांच कर रही है, और जल्द ही शव की पहचान हो जाएगी। पुलिस प्रशासन की कोशिश है कि जल्द से जल्द शव की पहचान हो और उसके परिवार को सूचित किया जा सके।

पुलिस की जांच पुलिस ने इस मामले में जांच शुरू कर दी है और विभिन्न पहलुओं पर विचार कर रही है। पुलिस का कहना है कि वह इस मामले में किसी भी संभावित सुराग की जांच कर रही है और जल्द ही शव की पहचान हो जाएगी स्थानीय लोगों की प्रतिक्रिया स्थानीय लोगों ने इस घटना को लेकर चिंता जताई है और पुलिस से जल्द से जल्द शव की पहचान करने का अनुरोध किया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि वह पुलिस की मदद करने के लिए तैयार हैं और अगर उन्हें कोई जानकारी मिलती है, तो वह तुरंत पुलिस को सूचित करेंगे। आगे की कार्रवाई पुलिस प्रशासन ने आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है और जल्द ही शव की पहचान होने की उम्मीद है। पुलिस प्रशासन का कहना है कि वह इस मामले में किसी भी संभावित सुराग की जांच कर रही है और जल्द ही शव की पहचान हो जाएगी।

संपूर्ण समाधान दिवस पर सभी की प्रशाशन की और से मदद की गई, एवं सबकी समस्यायें सुनी गई

रामकेश विश्वकर्मा

उत्तर प्रदेश: जनपद गाजीपुर के थाना जंगीपुर में संपूर्ण समाधान दिवस पर नायब तहसीलदार विजयकांत पांडे एस एच ओ विवेक कुमार तिवारी चौकी इंचार्ज शिव प्रकाश पाठक दरोगा लल्लन राम राजस्व निरीक्षक शाहआलम धर्मेंद्र कुमार यादव लेखपाल ब्रजकिशोर, सुशील यादव, उमेश, शरद, तनवीर मसीह, भक्ति यादव. प्रभात कुमार राय.दीनदयाल यादव. रवि राजकुअर. और तमाम जनता जैसे मंगल व घूरभारी प्रधान चकबाकर व जेपी यादव प्रधान पहेतिया और बहुत सारी जनता द्वारा अपने अपनी समस्याओं का समाधान कराने के लिए थाना दिवस पर आवेदन दिया गया जिसमें किसी भी समस्याओ का समाधान नहीं हुआ जैसे नाली की समस्या किसी की पैतृक संपत्ति की पेमाएस की समस्या किसी के भाई-भाई के बंटवारे की समस्या किसी के द्वारा निजी जमीन में

मिट्टी.पटीदार गिरा कर कब्जा कर रहे है तो कोई पोखरी व रास्ता कब्जा करके आने जाने मै रूकावत पैदा कर दिया हैतो बहुत सारे अराजक गुंडागर्दी के बल पर पेमाएस कराकर खुटा निसान लगाया गया था।

उसे उखाड़कर दुबारा कब्जा कर लिए है और कोई सुनवाई नहीं हो रही है कही से ऐसी बहुत सारी समस्याएं आज थाना दिवस पर देखने को मिली जिसमें की जिसमें एक भी समस्याओं का समाधान नहीं हो पाया जनता हमेशा थाना दिवस और तहसील दिवस पर आकर परेशान होकर चली जाती है लेकिन गुणवत्ता पूर्वक किसी भी समस्या का निस्तार नहीं होता है और सरकार का आदेश है शासन का भी आदेश है कि जनता की समस्याओं का जल्द से जल्द निसान किया जाए ताकि कोई किसी भी समस्या से वंचित न हो सके लेकिन उसका पालन सभी अधिकारी कर्मचारी लोग नहीं कर रहे हैं।

महामृत्युंजय कराने से सभी प्रकार के रोगों से मुक्ति मिलेगी, भगवन पर रखे भरोसा सब कष्ट होंगे दूर

जगदीश चौबे

उत्तर प्रदेश: पश्चिमी चंपारण के मधुबनी बाजार अंतर्गत ग्राम पंचायत मधुबनी में चल रहा महामृत्युंजय यज्ञ अनुष्ठान यज्ञ आचार्य पंडित प्रसिद्ध नारायण तिवारी ने बताया कि महामृत्युंजय जप यज्ञ करने या कराने से सभी प्रकार के रोग मुक्त हो जाता है। महामृत्युंजय एक प्रकार की एंटीबायोटिक दवा है जो भूत भावन भगवान भोलेनाथ से प्राप्त हुई है महामृत्युंजय जप का प्रयोग विपरीत परिस्थितियों में कराया जाता है जब व्यक्ति दवाई और डॉक्टरों के परीक्षण से थक जाता है तब महामृत्युंजय मंत्र लाभ करता है जैसे की ग्रह दोश भूमि दोष पितृदोष वास्तु दोष भूत प्रेत पिसाचादी दोष से महामृत्युंजय मंत्र लाभ दिलाता है जो भी मनुष्य महामृत्युंजय भोलेनाथ की पूजा श्रद्धा भाव से

करता है।

उसके जीवन में कभी भी दुखों का सामना नहीं करना पड़ता वह व्यक्ति पुत्र पुत्र आदि धन संपदा से परिपूर्ण रहता है वहीं सहायक पंडित अवधेश पांडे ने बताया कि महामृत्युंजय जप अनुष्ठान में प्रतिदिन शिव रुद्राभिषेक करना सबसे उत्तम माना जाता है शिव रुद्राभिषेक संपुटित करके हो तो और भी लाभ देता है शिव को भांग धतूर मदार बेलपत्र दुध आदि से पूजन करना सबसे उत्तम माना जाता है भगवान भूत भावन भोलेनाथ प्रसन्न होकर अपने भक्तों को सुंदर-सुंदर बर प्रदान कर देते हैं और वह हमेशा के लिए सुख संपदा से परिपूर्ण हो जाता है यज्ञ आचार्य पंडित प्रसिद्ध नारायण तिवारी उप आचार्य अवधेश पांडे पंडित शंभू उपाध्याय पंडित आलोक मिश्रा पंडित योगेश मिश्रा यज्ञ यजमान कन्हैया मद्धेशिया स परिवार सहित मौजूद रहे।

उत्तर प्रदेश: हिंदू मॉडल इंटर कॉलेज मुरादाबाद में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया

अजय सक्सेना

उत्तर प्रदेश: जिसमें विद्यालय के सभी छात्र/छात्राओं, शिक्षकों, अभिभावकों और कर्मचारियों ने अहमदाबाद में हुए दर्दनाक विमान हादसे में मारे गए लोगों को मोमबत्ती जलाकर श्रद्धांजलि अर्पित की। समस्त विद्यालय परिवार ने इस हादसे के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि जिंदगी कितनी अनमोल है, यह हमें आज फिर से याद दिला दियगया। अहमदाबाद का विमान हादसा हमारे दिल को झकझोर देने वाला है। जिन लोगों ने अपनों को खोया है, उनके दर्द को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता।

कितने सपने थे, कितनी उम्मीदें थीं, कितनी खुशियाँ थीं जो अधूरी रह गईं। जिन हाथों ने अपनों को

पकड़ने का वादा किया था, वे अब नहीं हैं। जिन आँखों ने चमकते हुए भविष्य के सपने देखे थे, वे अब बंद हो चुकी हैं। लेकिन इस दुख की घड़ी में भी हमें यह याद रखना होगा कि जिंदगी कितनी अनिश्चित है। हमें अपने अपनों को और प्यार करना चाहिए, उन्हें और समय देना चाहिए। हमें हर पल को जीना चाहिए, जैसे कि वह आखिरी पल हो।

क्योंकि कल का कोई वादा नहीं है, इसलिए आज के पल को सार्थक बनाना होगा। अपनों के साथ बिताए हर लम्हे को यादगार बनाना होगा। जिंदगी की सच्चाई यही है कि हमें कभी भी कुछ भी नहीं पता होता कि आगे क्या होने वाला है। आइए, इस दुख की घड़ी में हम सभी एकजुट हों - चाहे किसी भी जाति, धर्म, या समुदाय के हों। हमें एक दूसरे का सहारा बनना होगा, एक दूसरे के साथ खड़े रहना होगा। हमें यह दिखाना होगा कि हम सब एक हैं, और इस मुश्किल समय में हम सब साथ हैं।

ईश्वर से प्रार्थना है कि जिन लोगों ने इस हादसे में अपनी जान गंवाई है, उनकी आत्मा को शांति दे और जिन परिवारों का सहारा छिन गया है, उन्हें इस दुख को सहन करने की शक्ति दे। इस सभा में छात्रा आरिफा और कनक प्रधान ने गमगीन भाव से एक गीत के माध्यम से दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित की। श्रद्धांजलि सभा के कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाचार्य नन्हें सिंह ने की और कार्यक्रम का संचालन विशाल वर्मा ने किया। कार्यक्रम में सुरेंद्र सिंह, कुशाग्र राज, डॉ बिजेंद्र सिंह, आयुष वर्मा, छत्रपाल सिंह, सरिता, सोनी, बीना सहित समस्त विद्यालय परिवार उपस्थित रहा।

श्री शनि देव महाराज के जन्मोत्सव पर जोशी समाज द्वारा दो दिवसीय धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया

मांगी लाल

राजस्थान: सूर्य व छाया पुत्र,नवग्रहो में सबसे श्रेष्ठ,न्याय के देवता के रूप में ख्याति प्राप्त पूजनीय श्री शनि देव महाराज के जन्मोत्सव पर हरियाढाणा जोधपुर मे भृगुवंशी जोशी समाज द्वारा दो दिवसीय धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन धूमधाम और बड़ी श्रद्धा, उल्लास के साथ आयोजित हुआ, जिसमें गांव और आसपास के गांव से बड़ी तादाद में श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

एक शाम शनिदेव के नाम भजन संध्या एंव विशाल जागरण का आयोजन रखा गया। जिसमें प्रसिद्ध कलाकार पूराराम मोकलपुर, महावीर, मारवाड़ी, स्वरूपराम इंदावड़और सोनू आसरलाई ने शनि महिमा से

संबंधित भजनों की प्रस्तुतियां दी गई।संपूर्ण पंडाल शनि देव के जयकारों से गूंजांयमान हो गया। जोधपुर के रमेश चौधरी की ओर से प्रस्तुत की गई शनि लीला झांकी एंव शानदार नृत्य की प्रस्तुति विशेष आकर्षण का केंद्र रही ।कार्यक्रम में शनि देव की दिव्यता और उनके जीवन की लीलाओं को भी प्रस्तुत किया गया।

श्रीशनि देव का तिलाभिषेक कर हवन किया गया। मंदिर शिखर पर ध्वजारोहण किया गया। शनि मंदिर से गांव के बस स्टैंड एवं रास्तों से होते हुए डीजे की धुन पर भगवान श्री शनि देव के भजनों की प्रस्तुति पर महिलाओं और युवकों द्वारा नृत्य करते हुए शोभायात्रा निकाली गई।कलश यात्रा में मातृशक्ति के रूप में महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में शीश पर मंगल कलश धारण करते हुए शोभायात्रा निकाली गई। मंगल कलश यात्रा शनि मंदिर से रवाना होकर बस स्टैंड तक जाकर वापस शनि मंदिर में प्रवेश किया। ग्रामीण सज्जनो द्वारा पुष्प वर्षा कर शोभा यात्रा कास्वागत किया गया। श्रद्धालुओं के लिए शीतल जल एवं शीतल जूस की व्यवस्था की गई। महाप्रसादी के बाद शनि देव के जयकारों द्वारा उनके गुणो का बखान किया गया।

राजस्थान: श्री शनि देव मंदिर विकास समिति का गठन

मांगी लाल

राजस्थान: गांव बरवाला में श्री रघुनाथ जी महाराज के मंदिर परिसर में नवनिर्मित श्री शनि देव मंदिर विकास समिति का गठन रघुनाथ जी मंदिर के महंत बालक दास जी महाराज व सरपंच महेश जांगिड़ की अध्यक्षता में हुई। इस दौरान मंदिर निर्माण व शनि देव महाराज की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम के आय व्यय का लेखा-जोखा मंदिर कमेटी के सदस्य हरीश भार्गव व सत्यवान भार्गव के द्वारा मंदिर निर्माण से लेकर मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम तक का संपूर्ण आय व्यय का लेखा जोखा शनि मंदिर कमेटी के समक्ष प्रस्तुत किया गया,जिसके लिए वहां उपस्थित सभी सदस्यों ने अपनी संतुष्टि जाहिर की।

मंदिर विकास को लेकर मीटिंग में उपस्थित सभी ग्रामीणों के द्वारा

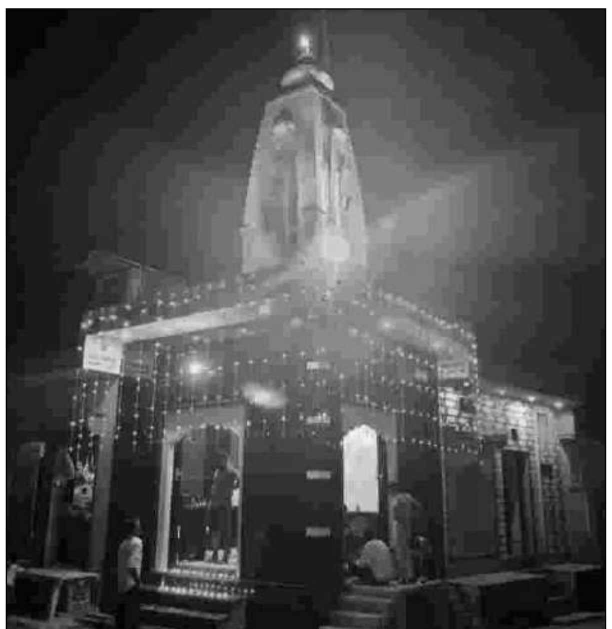

विचार विमर्श किया गया। जिसमें श्री शनि देव मंदिर विकास समिति बरवाला के गठन को लेकर के भार्गव समाज बरवाला के समाज बंधुओ को पदाधिकारी एवं सदस्यो की सर्व सम्मति से नियुक्ति की गई ।जिसमें हरीश भार्गव को अध्यक्ष, नाथूलाल भार्गव को उपाध्यक्ष सत्यवान भार्गव को सचिव ,भैरू प्रसाद भार्गव को कोषाध्यक्ष ,श्रवण लाल भार्गव को व्यवस्थापक नियुक्त किया गया। इस मीटिंग में बंसीलाल जांगिड़, ठाकुर श्री नरेंद्र सिंह राठौड़, अमरचंद शर्मा ,कैलाश भामू, रामावतार राजपुरोहित, रामपाल भार्गव ,गिरधारी भार्गव, विक्रांत, भरत ,समर, रमेश भार्गव व सभी भार्गव समाज बंधु उपस्थित थे ।मंदिर कमेटी के सभी सदस्यों का माला पहना करके स्वागत कर सम्मानित किया गया।

वडोदरा के मांजलपुर में लोगों के हंगामे के बाद हरकत में आए अधिकारी ट्रकों के ढेर और अवैध स्टॉल हटाए गए

विजय देवेन्द्रभाई मकवाना

गुजरात: मंजलपुर में धनलक्ष्मी कॉम्प्लेक्स के पास रहने वाली कल्पनाबेन प्रजापति की अहमदाबाद विमान दुर्घटना में दुखद मृत्यु हो गई। कल रात उनके घर पर कई लोग मिलने आ रहे थे,और बाहर खड़ी ट्रकों की टोली के कारण उन्हें परेशानी हो रही थी। इस पर मचे बवाल के चलते वडोदरा निगम प्रशासन को आज कार्रवाई करते हुए ट्रकों की टोली और अवैध दुकानों को हटाने पर मजबूर होना पड़ा।

वडोदरा मंजलपुर क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 18 में मॉल के पास धन लक्ष्मी कॉम्प्लेक्स के बाहर बेतरतीब ढंग से खड़े किए गए फूड ट्रक, स्टॉल, काउंटर, दो शेड और पार्किंग में बने पक्के आंगन पर बुलडोजर चलाया गया। फूड स्टॉल और खोखे रोजाना तोड़े जा रहे हैं और स्थानीय निवासियों को भी कॉम्प्लेक्स छोड़ने पर मजबूर किया जा रहा है

सोसायटियों में आने-जाने की

विकराल समस्या को लेकर बीती रात जमकर हंगामा हुआ। जिसके चलते आज नगर निगम प्रशासन में अवकाश होने के बावजूद भी प्रवर्तन शाखा की टीम तुरंत मौके पर पहुंच गई। जहां बुलडोजर की मदद से पार्किंग में बने कूड़े के ढेर सहित पूरे 10-12 ट्रक गोदाम के काउंटर और कागज के दो शेड को नगर निगम की प्रवर्तन शाखा ने तुरंत पलट दिया। प्रवर्तन शाखा की टीम ने मौके से एक ट्रक सामान जब्त किया। नगर निगम प्रशासन की कार्रवाई के दौरान स्थानीय लोगों की भीड़ लग गई, लेकिन स्थानीय पुलिस बल ने संयम दिखाते हुए भीड़ को वहां से हटा दिया।

उत्तर प्रदेश: भाजपा मण्डल अध्यक्ष मनोज सोनखर ने निर्दलीय सभासद के आरोपों का किया खंडन

अनूप कुमार

उत्तर प्रदेश: अहरौरा मण्डल अध्यक्ष मनोज सोनकर ने निर्दलीय सभासद के द्वारा लगाये गये मण्डल के गठन मे वैश्य समाज की अनदेखी का जो आरोप लगाया है वो निराधार है अभी समाचार पत्रों के माध्यम से उन्होंने जो आरोप लगाये है जबकि गठन मे सिर्फ मण्डल अध्यक्ष की ही नहीं चलती है। संगठन के कोर कमेटी के सहमति के उपरांत ही पदाधिकारीयों की घोषणा होती है चुकी आशीष अग्रहरी अभी दो वर्ष पूर्व पार्टी विरोधी गतिविधियों मे लिप्त होने के कारण 6 वर्ष के लिए निष्कासित हुए थे। इसलिए उनका आरोप लगाना लाजमी लगता है क्योंकि उन्हें संगठन के नियम की जानकारी ही नहीं है जबकि वैश्य समाज की 56 उपजातियां है और पद है,15 आप समझ सकते है की सबका समावेश संभव नहीं है, फिर भी वैश्य समाज से तीन बड़े पद उपाध्यक्ष उमेश केशरी. राजकुमारी देवी और मंत्री आशीष केशरी को दिया गया है बाकि वैश्य समाज को अभी मोर्चा का भी गठन होना है।

जो भी लोग पार्टी का काम करने के

इच्छुक हो वो आगे बढकर कार्य करें उनका भी समावेश किया जायेगा. नगर पालिका इंटर कालेज के जिस बूथ पर आशीष अग्रहरि निवास करते है वहां से 26 सक्रिय सदस्य है पिता.पुत्र.पत्नी सभी को सक्रिय सदस्य बनाया गया है और जब चुनाव आते है तो उस बूथ पर कोई भाजपा से सभासदी लड़ने को तैयार नहीं होता और पार्टी को वो बूथ खाली छोड़ना पड़ता है, बाकि पार्टी की गाइड लाइन है सक्रिय सदस्य ही भाजपा के पदाधिकारी बन सकते है, और 14 सेक्टर मे 5 सेक्टरो पर एक भी सक्रिय सदस्य नहीं है। फिर भी मेरी टीम मे सभी वर्गों का समावेश है, उपाध्यक्ष मे ठाकुर. प्रजापति. 2 वैश्य. अनुसूचित. पटेल. महामंत्री 1.ब्राम्हण. .पटेल मंत्री. मौर्या. कहार. चौहान. पासवान. पटेल. वैश्य और कोषाध्यक्ष भी पिछडी से है बाकि जो सक्रिय सदस्य नहीं है उनको पदाधिकारी नहीं बनाना है और कुछ बूथों पर जो सक्रिय सदस्य है।

उनपर नगर पालिका चुनाव मे पार्टी विरोधी कार्य करने का आरोप लगा है जिसकी लिखित शिकायत जिलाध्यक्ष और जनप्रतिनिधि से की गयी और उन लोगो के कृत्य की आडियो भी संगठन के पास दी गयी है और उनका भी नाम मैंने संगठन को दिया लेकिन साफ साफ ये कह दिया गया कि दागी और बागी को पदाधिकारी नहीं बना सकते हो तो मै क्या कर सकता हु पार्टी अपने कोर काडर को ही संगठन की जिम्मेदारी देती है गद्दारो को नहीं। अहरौरा 74 बूथों का मण्डल है, इसमें सभी जातियों की भागीदारी है सबका समावेश करने का प्रयास किया गया है. और जो भी इच्छुक लोग हो वो आये कार्य करें आगे मोर्चा मे भी उनको जगह दी जाएगी लेकिन उनकी निष्ठा भाजपा मे होनी चाहिए न की मौका परस्त हो आज पार्टी के साथ है कल पद नहीं मिला या टिकट नहीं मिला तो पार्टी छोड़कर भाग जायेंगे तो संगठन ऐसे लोगो को चिन्हित करके रखता है आप निश्चित रहे संगठन की निगाह सब पर है कौन क्या कर रहा है या क्या किया है उसको सब जानकारी है.जादा कुछ न कहते हुए सिर्फ इतना ही कहूंगा पूरी निष्ठा से संगठन का कार्य करिये संगठन स्वयं सज्ञान लेकर आपको कही न कही अर्जेस्ट करेगा।

राजस्थान: थाना किशनगंज ने लोहे के डंडे से पीटने वाले 5 आरोपी को किया गिरफ्तार

सागर शर्मा

राजस्थान: पुलिस थाना क्रिश्चनगंज अजमेर क्षेत्र में स्थित टायर कैफे पर मजरूब की हत्या करने की नियत से लोहे के पाईपो व डन्डो से मारपीट की घटना के दर्ज प्रकरण में आरोपीगणो की तलाश व गिरफ?तारी हेतु वन्दिता राणा (आई.पी.एस.) पुलिस अधीक्षक जिला अजमेर द्वारा हिमांशु जांगिड, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर एवं मुख्यालय अजमेर व रूद्रप्रकाश शर्मा, आरपीएस, पुलिस उप-अधीक्षक, वृत उत्तर नगर अजमेर के सुपरविजन में अरविन्द सिंह चारण, पुलिस निरीक्षक, थानाधिकारी थाना क्रिश्चियनगंज के नेतृत्व में थाना स्तर पर विशेष टीम का गठन किया गया।

परिवादी दीपक कनौजिया पुत्र तुलाराम कनौजिया निवासी तोपदड़ा स्कूल के पास सुभाष कॉलोनी तोपदड़ा अजमेर पुलिस थाना क्लॉक टॉवर जिला अजमेर ने दिनांक 10.06.2025 को उपस्थित थाना होकर एक लिखित रिपोर्ट इस आशय की पेश की कि मै उक्त पते का निवासी हूं मेरा लडका पंकज उर्फ कालू जनाना अस्पताल अजमेर में वार्ड बाऐ का काम करता है, आज दिनांक 10.06.25 को मेरा लडका रोज समय पर काम करने जा रहा रहा था। मेरे लडके की इस्टाग्राम आडी से फेंड का मैसेज आया कि टायर कैफे पर मिलना है तो मेरा लडका अपनी दोस्त से मिलन टायर कैफे गया तभी मेरा लडका अपने दोस्त से बात कर रहा था तो उसी बीच में सात से आठ लडके आऐ जिनहोने मुँह बाध रखे थे।

जिनके हाथों में सरिऐ, डंडे आदि ले कर आए तो मुझे जान से मारने की नियत और एक राऐ होकर आसये से आऐ और मुझे अंदर से मारते हुऐ बाहर लाऐ और मेरे लडके को बुरी तरह से मारा और जाति सुचक शब्द कहे जैसे तुम धोबी हो तुमहारी क्या ओखत हम से लडने कि नीचे जाति के हो और मेरे लड़के के सर में गहरी चोट आई है और दोनो पैरो में फेक्चर है और हाथ में भी चोट है उसका कहना है कि उनमे से में कुछ लडको को जानता हूं जिनका नाम नीतिन गुर्जर, दीपू नाकफनी व अन्य ने अपना मुँह बाध रखा था, मेरे लडके को जेएलएन हॉस्पिटल में भर्ती है। आदि मजमून पर प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान आरम्भ करते हुये आरोपीगणो की तलाश की गई।

प्रकरण में आरोपीगण की तलाश हेतु थाना स्तर पर गठित विशेष टीम द्वारा आसूचना संकलन कर प्रकरण की घटना में शरीक आरोपीगण के बारे में जानकारी प्राप्त की गई। घटना स्थल के आस-पास के सीसीटीवी कैमरो को चैक कर निरीक्षण किया गया। आरोपीगणो की तलाश हेतु अलग-अलग स्थानो पर दबीश दी गई परन्तु आरोपीगण अपनी सकूनत से रूहपोश रहे। आरोपीगण के मोबाईल नम्बरो की सीडीआर, घटना से उठाये गये बीटीएस, आईपीडीआर आदि की डिटेल प्राप्त कर विश्लेषण किया गया। आरोपीगण की तलाश हेतु मुखबीर मामूर किये गये। तदुपरान्त विशेष टीम द्वारा आसूचना तकनीकी सहायता प्राप्त कर प्रभावी कार्यवाही करते हुये आरोपीगण को डिटेन कर थाना क्रि०गंज लाया गया जिनसे विस्तृत अनुसंधान कर गिरफ?तार किया गया। प्रकरण हाजा में अनुसंधान जारी है।

दीपक बोहरा उर्फ दिपू उर्फ दिप्सा पुत्र मुकेश बोहरा, रेगर उम्र 21 वर्ष निवासी शीतला माताजी मन्दिर के पीछे बड़ी नागफणी बोराज रोड़ अजमेर पुलिस थाना गंज जिला अजमेर, नितिन गुर्जर पुत्र रामदेव गुर्जर उम्र 19 वर्ष निवासी गली न. 02 गांधी नगर चौरसियावास रोड़ अजमेर पुलिस थाना किश्चियनगंज जिला अजमेर , मोहित कुमावत पुत्र रामचन्द्र कुमावत उम्र 24 वर्ष निवासी राजश्री होटल के पीछे पॉवर हाउस के सामने वाली ढाणी बांसेली पुलिस थाना पुष्कर जिला अजमेर, विकास चौहान पुत्र श्रीकिशन चौहान, धानका उम्र 21 वर्ष निवासी राजश्री होटल के पीछे पॉवर हाउस के सामने वाली ढाणी बांसेली पुलिस थाना पुष्कर जिला अजमेर, मोहित सरकार पुत्र बुद्धिश्वर सरकार, भांभी उम्र 22 वर्ष निवासी लौहार मौहल्ला रामसर पुलिस थाना नसीराबाद सदर जिला अजमेर।

संजीव चारण, एएसआई, कार्यालय वृत उत्तर नगर अजमेर, पूसाराम हैड कानि0 1382 थाना क्रि०गंज अजमेर, मोतीराम हैड कानि 0 208 थाना क्रि०गंज अजमेर, अर्जुनराम हैड कानि० 08 थाना क्रि०गंज अजमेर, कुन्नाराम हैड कानि0 176 थाना क्रि०गंज अजमेर, किशोर कुमार हैड कानि0 2004 थाना क्रि०गंज अजमेर, करतार सिंह कानि० 1028 याना क्रि०गंज अजमेर, मोहन शेषमा कानि0 825 थाना क्रि०गंज अजमेर, महावीर बांगडा कानि0 1959 थाना क्रि० गंज अजमेर ,मुकेश बाना कानि 0 3160 थाना क्रि०गंज अजमेर ,तुलसीराम कानि0 423, कार्यालय वृत उत्तर नगर अजमेर।

उत्तर प्रदेश: हाईकोर्ट से हटा स्टे, म्योरपुर एयरपोर्ट निर्माण कार्य की कवायद हुई शुरू

आनंद कुमार

उत्तर प्रदेश: हाईकोर्ट से स्टे हटने के बाद सोनभद्र जिले के म्योरपुर एयरपोर्ट के निर्माण की कवायद तेज हो गई है. एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया से इसका निर्माण कराया जा रहा है. इसके साथ ही इस एयरपोर्ट पर उड़ान का प्रशिक्षण भी देने की तैयारी की जा रही है. इसकी जिम्मेदारी रेड रूल कंपनी को मिला है।

कंपनी के अधिकारियों ने पिछले दिनों एयरपोर्ट का निरीक्षण कर संभावनाएं भी देखीं हैं। सोनभद्र जिले के म्योरपुर में स्थित हवाई पट्टी का रिजिनल कनेक्टिविटी स्कीम के तहत एयरपोर्ट के रूप में विस्तार किया जा रहा है। यह कार्य पहले वर्ष 2022 तक पूरा करना था, लेकिन पार्किंग एरिया के कुछ हिस्से में जमीन विवाद के कारण हाईकोर्ट ने स्टे लगा दिया था. इसके बाद से लगातार सुनवाई हाईकोर्ट में चल रही थी। इससे निर्माण कार्य पूरी तरह ठप पड़ गया था, जिला प्रशासन की कोशिशों के बाद लगभग 2 महीने पहले हाईकोर्ट ने स्टे हटा दिया है।

इसके बाद फिर से एयरपोर्ट निर्माण का कार्य शुरू करने की कवायद शुरू हुई है। फिलहाल इसकी निगरानी लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा बाबतपुर के माध्यम से हो रही है, दोबारा काम शुरू कराने के लिए अधूरे कार्यों का आंकलन प्रस्ताव भेजा गया है, इस पर शीघ्र ही मंजूरी मिलने की उम्मीद जताई जा रही है इस बीच म्योरपुर एयरपोर्ट को फ्लाइंग ट्रेंनिंग सेंटर के रूप में भी विकसित करने की दिशा में पहल की गई है। इसके लिए शासन की ओर से संस्था नामित की गई है। पिछले दिनों संस्था के सदस्यों ने एयरपोर्ट का निरीक्षण भी किया है। शीघ्र ही इसमें कोई निर्माण होने की उम्मीद जताई जा रही है। इस एयरपोर्ट से उड़ान शुरू होने से आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र के लोगों के लिए बड़े शहरों का सफर आसान होगा।

पॉक्सो एक्ट के तहत आरोपी दो आरोपी भाई को किया गया गिरफ्तार

प्रवीण कुमार

उत्तर प्रदेश: पुलिस ने पॉक्सो एक्ट के दो वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान में यह कार्रवाई की गई। दोनों आरोपी सगे भाई हैं। इनकी पहचान नदीम और आरिफ के रूप में हुई है। दोनों सहाबुद्दीन उर्फ पेन्टर के पुत्र हैं। ये वार्ड नंबर 14, टोला खुशराजपुर गंगवल, सिद्धार्थनगर के रहने वाले हैं। पुलिस ने दोनों को पुरानी नौगढ़ बाईपास के पास से गिरफ्तार किया।

आरोपियों के खिलाफ मुकदमा संख्या 49/2025 के तहत धारा 137(2), 87, 61(2), 351(3) इठर और धारा 16/17 पॉक्सो एक्ट में मामला दर्ज है।

गिरफ्तारी में थाना प्रभारी निरीक्षक अनुज कुमार सिंह के नेतृत्व में उप निरीक्षक अशोक कुमार, हेड कांस्टेबल धर्मेन्द्र मौर्या और कांस्टेबल हरेन्द्र यादव की टीम शामिल रही। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है।

जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में हुई जिला स्तरीय सिलिकोसिस मॉनिटरिंग समिति की बैठक संपन्न

मनोज कुमार चोर्डिया

राजस्थान: जिला कलक्टर अरूण कुमार पुरोहित की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय सिलिकोसिस टास्क फोर्स की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सिलिकोसिस पीड़ितों को दिये जाने वाले लाभ एवं वंचित रह गये मरीजों की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की गई , साथ ही सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के अधिकारियों ने सिलिकोसिस पेंषन एवं पालनहार योजनाओं की प्रगति से भी अवगत करवाया। जिला कलक्टर ने रसद विभाग को सभी सिलिकोसिस पीड़ितों को खाद्य सुरक्षा योजना से लाभान्वि्त करने व उप निदेषक सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग को सिलिकोसिस पेंषन एवं पालनहार योजना से लाभान्वि्त करने हेतु निर्देष प्रदान किये।

पुरोहित ने खनिज विभाग और श्रम विभाग को सिलिकोसिस प्रभावित खनन क्षेत्रों में संयुक्त रूप से निरीक्षण कर खनिज विभाग और श्रम विभाग को सिलिकोसिस रोकथाम की कार्यवाही को अधिक तीव्र करने तथा खान मालिकों द्वारा श्रमिकों को बचाव उपकरण जैसे मास्त उपलब्ध कराने हेतु पाबंद करने

हेतु निर्देषित किया है।

बैठक में राजेष पारासर अति. मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, सहायक श्रम आयुक्त, खनि अभियन्ता, षिवराज भाटी, प्रबंधक राज. कौषल एवं आजीविका विकास निगम लि., षिवदयाल बरवड़, सुरेन्द्र सोनी, शर्मिला गुरू, पवनेष सोनी एवं सुखाराम चैधरी उपस्थित रहे।

मध्य प्रदेश: किसानों की समस्याओ को लेकर कांग्रेस नेता सोपान कोहले ने तहसील कार्यालय में किया धरना प्रदर्शन

राजेश

मध्य प्रदेश: तहसील कार्यालय सौसर में किसानों की निम्न मांगों को लेकर कांग्रेस नेता सोपान कोहले द्वारा किसानों के साथ सांकेतिक धरना देकर विरोध प्रदर्शन किया।सौसर विधानसभा में सेवा सहकारी समितियों द्वारा जिन किसानों का के,सी,सी खाता रनिंग है उन्हीं किसानों को खाद दिया जा रहा है हमारी मांग है समस्त किसानों को जिनके खाते ओवर डिव है उनको भी और जिनके खाते नहीं है उनको भी पर्याप्त रूप से नगद खाद उपलब्ध कराई जाए। 2 इस वर्ष रबी की फसल मूंग तथा मूंगफली का रकबा बढा है किसानों के हित मे तत्काल शासन द्वारा समर्थन मूल्य पर सौसर कृषि

उपज मंडी में शासकीय खरीदीं प्रारंभ की जाएं।

उक्त मांगों को लेकर सौसर विधानसभा के किसान भाईयों के साथ कांग्रेस नेता सोपान कोहले तहसील कार्यालय में धरने पर बैठे तत्पश्चात सौसर एस डी एम महोदय को ज्ञापन प्रस्तुत किया गया। एस डी एम महोदय द्वारा उक्त मांगों को लेकर मंडी इंस्पेक्टर तथा सेवा सहकारी समिति प्रबंधक महोदय से दुरभाष पर बात की तथा उक्त मांगो को सरकार को अवगत कराने का आश्वासन दिया तत्पश्चात धरना प्रदर्शन समाप्त हुआ। किसानों द्वारा एक सुर में कहा मांगे पुरी नहीं हुई तो हमें उग्र आंदोलन करने बाध्य होना पड़ेगा।

उक्त धरना प्रदर्शन में किसान नेता विक्की कालबाडे सामाजिक नेता विजय घाटौड निवृत्ति कोहले मेघराज उइके युवराज पराड़कर प्रेमराज गजभिए मानिक धुर्वे रामजी बनके महेश पगारे राजेन्द्र इगोले संजय धुर्वे आभिनय चौरे कोमल भालेराव रत्नाकर ठाकरे मयुर फोले सुरेश धुरबाडे रामदास इगोले योगेश बनाईत संदीप धान्डे संजय पावनकर मोतीलाल धुर्वे ज्ञानलाल कुमरे आदित्य फोले भुषण चौरे सुखलाल भलावी सुरेश पराड़कर संतोष सरयाम भाऊराव धुर्वे अशोक कोघे शरद इगोले विनायक किनकर इदल कोरडे विक्की मानकर सुनील सिलु मनिष सोमकुवर देवराव सेवतकर राजु सोमकुंवर एवं साथी उपस्थित थे।

उत्तर प्रदेश: आजादी के बाद से अपने गांव में पहले 10वीं पास किये छात्र को सीएम ने किया सम्मानित

आनंद कुमार

उत्तर प्रदेश: मेधावी छात्र सम्मान समारोह में बृहस्पतिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक ऐसे बच्चे का सम्मान किया जिसने अपने गांव में पहली बार हाईस्कूल पास करने का गौरव रचा। दसवीं में सफलता हासिल करने वाले बाराबंकी उत्तर प्रदेश के छात्र रामकेवल को मुख्यमंत्री ने स्मार्टफोन देकर सम्मानित किया है। रामकेवल अपने गांव में हाई स्कूल की परीक्षा पास करने वाला पहला छात्र है. सीएम ने कहा कि वंचित तबके का होने के बाद भी उसने हिम्मत नहीं हारी। सरयू किनारे रहता है।

सुविधाओं का अभाव है।

परिवार मजदूरी करके पेट पालता है, गांव में किसी ने पढ़ाई नहीं की, लेकिन अकेला छात्र अपना रास्ता तय करने निकल पड़ा। उसने लगन और मेहनत नहीं छोड़ी, मेधावी छात्र सम्मान के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्य ने कहा कि कल्याण सिंह की सरकार में वर्तमान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शिक्षा मंत्री थे, उन्होंने नकल रोकने के लिए सख्त कदम उठाए थे, जबकि प्रदेश में एक पार्टी ऐसी भी थी जिसने नकल करने की सार्वजनिक घोषणा कर दी थी। इसकी कीमत नौजवानों, नागरिकों और प्रदेश को भुगतनी पड़ी, नकल को जन्मसिद्ध अधिकार मान लिया गया था, बीते 8 वर्ष में नकल विहिन परीक्षा से अब यूपी के लोगों पर कोई प्रश्न चिन्ह नहीं खड़ा कर सकता है, सीएम ने कहा कि सरकार सेवा के लिए होती है,सरकार का मतलब सहभागी बनना है, राजा या मालिक नहीं, सेवा को अपने जीवन का संकल्प बनाएं, संवेदनशील बनें। इस दौरान उन्होंने अहमदाबाद मे एयर इंडिया का हवाई जहाज के दुर्घटनाग्रस्त होने पर हुई मौतों पर अपनी संवेदना व्यक्त की।

उत्तर प्रदेश: गोल्हौरा थाने की पुलिस ने बीएनएस से सम्बंधित अभियुक्त आरोपी को गिरफ्तार कर के भेजा न्यायालय

प्रवीण कुमार

उत्तर प्रदेश: जिले के गोल्हौरा थानाध्यक्ष राजेश गुप्ता के नेतृत्व में पुलिस ने शादी का झांसा देकर दुष्कर्म के आरोप में वांछित 01 नफर अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया , गिरफ्तारी के बाद आवश्यक कार्यवाही पूर्ण करते हुए न्यायालय भेजा गया।

डां. अभिषेक महाजन पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर के आदेश के क्रम में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत प्रशांत कुमार प्रसाद अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर के निर्देशन व शुभेंदु सिंह क्षेत्राधिकारी इटवा के कुशल

पर्यवेक्षण व राजेश कुमार गुप्ता प्रभारी निरीक्षक गोल्हौरा के नेतृत्व में थाना गोल्हौरा पुलिस द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0स0 60/2025 धारा 69

बीएनएस-2023 में वांछित अभियुक्त पंकज पुत्र चुनमुन साकिन पीपरा थाना गोल्हौरा जनपद सिद्धार्थनगर को महुआ खुर्द पुलिया के पास से गिरफ्तार किया गया । गिरफ्तार अभियुक्त को आवश्यक विधिक कार्यवाही पूर्ण करतेन्यायालय भेजा गया । पुलिस के अनुसार अभियुक्त को गिरफ्तार करने में पुलिस टीम में शामिल 01.उ0नि0 रणविजय सिंह थाना गोल्हौरा, 02. हे0का0 जयसिंह चौरसिया थाना गोल्हौरा जनपद सिद्धार्थनगर शामिल रहे।

परिवार के खिलाफ झूठी रिपोर्ट की जांच करने के लिए एस पी से लगाई गई न्याय की गुहार

संजयसिंह चौहान

मध्य प्रदेश: इंदौर गांधीनगर थाना स्थित नया बसेरा में रहने वाली रशीदा पठान ने एस पी को आवेदन देकर गुहार लगाई की 9 जून को रात्रि में दीपक व गणेश रात्रि 11:00 के बाद मयूर ऑटो गैरेज के बाहर लगे ताले तोड़ रहे थे। रशीदा पठान ने देखा और उनके खिलाफ थाने पर रिपोर्ट करने गई जिस पर 10 जून को थाना गांधीनगर में ताला तोड़ने की रिपोर्ट ना लिखते हुए साधारण धाराओं में महिला के साथ मारपीट

करने की लिखी गई जिसमें ताला तोड़ने की बात दर्ज नहीं की गई।

उसके बाद गफ्फार पठान शाहरुख पठान रशीदा पठान के खिलाफ 10 तारीख को आरोपी दीपक की ओर से रिपोर्ट दर्ज की गई जिसकी जांच की मांग को लेकर एसपी महोदय को आवेदन देकर जांच की मांग की गई। आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज होने के बाद भी महिला के साथ मारपीट करने वाले आरोपियों को थाना गांधीनगर द्वारा संरक्षण प्रदान करते हुए न्याय से वंचित रखा गया न्याय की गुहार लगाई गई है जांच कर रिपोर्ट को निरस्त किया जाए और महिला के साथ मारपीट करने वालो पर सही धाराओं सहित आरोपियों चोरी की नियत सहीत महिल से मारपीट करने की धाराएं लगाकर न्याय दिलाने की गुहार लगाई।

थाना सैदपुर क्षेत्र में अवैध कट्टा एवं लूटी हुई बाइक के साथ अधेड़ बदमाश को गिरफ्तार किया गया

रामकेश विश्वकर्मा

उत्तर प्रदेश: सूचना के आधार पर एसआई जितेंद्र उपाध्याय कां. प्रवीण सिंह, शुभम सिंह व संजय यादव के साथ जोगीवीर बाबा तिराहे पर चेकिंग कर रहे थे। उसी समय उचौरी की तरफ से बाइक आती देख उसे रोका तो वो भागने लगा। दौड़ाकर पकड़ने व उसकी तलाशी लेने पर उसके पास से अवैध कट्टा व कारतूस बरामद हुआ। उसे थाने लाकर पूछताछ की गई तो उसने अपना नाम राकेश राम पुत्र स्व. रामबचन राम निवासी

तियरा, अकबालपुर, मेहनाजपुर, आजमगढ़ बताया।

उसके पास से मिली बिना नंबर की बाइक के बाबत पूछा तो उसने बताया कि वो बाइक उसकी ही है। लेकिन संदेह होने पर एसआई ने नंबर से जांच की तो बाइक जेठमदपुर, देवगांव निवासिनी दीपा प्रजापति के नाम से निकली। उसके नंबर पर फोन कर पूछने पर उसके पिता ने कहा कि बाइक उसने अपनी बेटी को दहेज में दिया था। लेकिन 2 जून को मौधा बाजार से घर जाते समय लिफ्ट मांगकर बैठने के दौरान एक बदमाश ने बाइक को लूट लिया था। इसके बाद पुलिस ने बदमाश को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

संपादकीय

सदी का त्रासद विमान हादसा

अहमदाबाद विमान हादसा इस सदी की सबसे भयावह त्रासदी है। देश ही नहीं, दुनिया भी स्तब्ध है कि इतना खौफनाक हादसा कैसे हुआ? नियति का निर्णय था, लिहाजा एक यात्री, विश्वास कुमार रमेश, जिंदा भी बच गया। यह कुदरती चमत्कार ही है। अलबत्ता विमान में सवार सभी यात्री, दो पायलट और 10 क्रू मेंबर की हादसे में मौत हो गई। गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रुपाणी और कुछ उद्योगपति भी यात्रियों में शामिल थे। यात्रियों में 217 वयस्क, 11 बच्चे और 2 नवजात शिशु थे। यह नियति का बेहद क्रूर न्याय है। जीवन छीनना था, तो प्राण ही क्यों दिए? हैरत है कि नियति ने सभी की मौत एक साथ, एक ही विमान में, तय कर रखी थी! एयर इंडिया की उड़ान एआई-171 में 169 भारतीयों के अलावा 53 ब्रिटिश, 7 पुर्तगाली और 1 कनाडाई यात्री सवार थे। उड़ान को लंदन जाना था।

पल भर में ही तमाम ख्वाहिशें, सपने, परिवार चिंदी-चिंदी हो गए। जीवन राख बन गया। बहरहाल अब जांच का दायरा 'अंतरराष्ट्रीय' हो गया है। 'अंतरराष्ट्रीय नागरिक विमानन संगठन' को 30 दिनों के भीतर रपट सौंपनी होगी। बुनियादी जांच 'एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इनवेस्टिगेशन ब्यूरो' (एएआईबी) ही करेगा, जो भारत सरकार के नागरिक विमानन मंत्रालय से ही संबद्ध एक कार्यालय है। भारतीय वायुक्षेत्र में सभी गंभीर विमान हादसों की जांच यही ब्यूरो करता है। बहरहाल सभी रपटों को सार्वजनिक जरूर किया जाए, ताकि आम आदमी भी हादसे के कारण जान सके। यह विमान हादसा सबसे त्रासद इसलिए है, क्योंकि विमान एक मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल की इमारत से टकराया और उसका एक हिस्सा इमारत में ही फंसा रह गया। वह दोपहर का भोजन करने का समय था, लिहाजा मेस में कुछ डॉक्टर, एमबीबीएस छात्र, नर्सिंग छात्र और अन्य खाना खा रहे थे। विमान वज्रपात की तरह क्रैश हुआ और धडकती जिंदगियों को पल भर में ही लाश बना दिया। कुछ तो विमान की आग के तापमान में जल कर खाक हो गए। ऐसी मौतों की संख्या 27 बताई गई है और 20 डॉक्टर लापता बताए जा रहे हैं। कितनी भयावह त्रासदी है यह! मन चीत्कार कर रहा है। मौतों की पुष्टि के बाद ही अधिकृत आंकड़ा देना नैतिक होगा।

अब आजीविका और नौकरियों पर ध्यान केंद्रित हो

> विश्व बैंक के हाल के अनुमान में कहा गया है कि भारत में अत्यधिक गरीबी में रहने वाले लोगों की संख्या 2011-12 में 34.40 करोड़ से घटकर 2022-23 में 7.50 करोड़ हो गई। यानी 11 वर्षों में 26.90 करोड़ लोगों ने अत्यधिक गरीबी की दहलीज पार कर ली है। यह काफी प्रभावशाली और प्रशंसनीय है। गरीबी रेखा के संदर्भ में अत्यधिक गरीबी की क्रय शक्ति समायोजित एक तकनीकी परिभाषा है जिसे 2021 तक अपडेट किया गया है। अब यह 3 डॉलर प्रतिदिन है।

-डॉ.अजीत रानाडे-

इन सभी लक्ष्यों को अब नौकरियों पर खतरा पैदा कर रहे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स और ऑटोमेशन जैसी नई चुनौतियों के साथ हासिल करने होगें। कुल मिलाकर हमें जल्द ही सापेक्ष गरीबी व असमानता को कम करने पर भी ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता होगी क्योंकि उच्च आर्थिक विकास की लूट को शीर्ष पर बैठे कुछ लोगों को नहीं दिया जा सकता। अगले पांच वर्षों में अत्यधिक गरीबी का उन्मूलन एक अच्छा मौका है लेकिन एक विकसित राष्ट्र की ओर बढ़ने की यात्रा में हमें बहुत काम करना है।

विश्व बैंक के हाल के अनुमान में कहा गया है कि भारत में अत्यधिक गरीबी में रहने वाले लोगों की संख्या 2011-12 में 34.40 करोड़ से घटकर 2022-23 में 7.50 करोड़ हो गई। यानी 11 वर्षों में 26.90 करोड़ लोगों ने अत्यधिक गरीबी की दहलीज पार कर ली है। यह काफी प्रभावशाली और प्रशंसनीय है। गरीबी रेखा के संदर्भ में अत्यधिक गरीबी की क्रय शक्ति समायोजित एक तकनीकी परिभाषा है जिसे 2021 तक अपडेट किया गया है। अब यह 3 डॉलर प्रतिदिन है। गरीबी की एक अन्य संबंधित अवधारणा बहु-आयामी गरीबी सूचकांक (मल्टी डाईमेंशनल इंडेक्स-एमपीआई) के साथ घनिष्ठ संबंध रखने और उन्नत सर्वेक्षण के माध्यम से सटीक उपभोग आंकड़े एकत्र करने में भारत के लिए अपने सुधार का संज्ञान लेने के लिए भी इस अपडेट की आवश्यकता थी। गैर-तकनीकी शब्दों में विश्व बैंक की अत्यधिक गरीबी का अर्थ है ऐसे व्यक्तियों की आय इतनी कम होना है कि वह भोजन, स्वच्छ पानी, आश्रय और बुनियादी स्वास्थ्य देखभाल की अपनी बुनियादी जरूरतों को भी पूरा नहीं कर सकता है।

इस तरह की कम आय की अभिव्यक्ति दीर्घकालिक भूख या अल्पपोषण, स्वच्छता तक पहुंच की कमी व बुनियादी प्राथमिक शिक्षा या प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच का अभाव में होती है। चरम रूप में इसका अर्थ भुखमरी से होने वाली मौतों का विस्तार भी है। इन गंभीर मानदंडों के अनुसार, भारत की अत्यधिक गरीबी दर अब जनसंख्या का 5.3 प्रतिशत है। इस बात पर ध्यान देना चाहिए कि चूंकि भारत में 2011 से जनगणना नहीं हुई है इसलिए जनसंख्या के बारे में सटीक आंकड़ा या गरीबी अनुपात का भाजक अनुपलब्ध है। लेकिन कोई भी उचित अनुमान लगा सकता है। दुनिया में लगभग 83.80 करोड़ लोग अत्यधिक गरीबी में रहते हैं जिनमें से भारत के 7.50 करोड़ कुल आंकड़े का 9 प्रतिशत हैं। वैश्विक जनसंख्या में भारत की दोगुनी हिस्सेदारी को देखते हुए यह संतोषजनक है कि अत्यधिक गरीबी से निपटने के मामले में भारत वैश्विक औसत से आगे है। फिर भी कुल मिलाकर देखें तो भारत अत्यधिक गरीबी में रहने वाले लोगों की संख्या में नाइजीरिया के बाद केवल दूसरे स्थान पर है। भारत की आबादी को देखते हुए यह आश्चर्यजनक नहीं है लेकिन याद रखें कि चीन का अनुपात शून्य प्रतिशत के करीब है और चीनियों ने घोषणा की कि 2020 में ही उनके यहां अत्यधिक गरीबी समाप्त हो गई थी।

संयुक्त राष्ट्र ने 2015 में सतत विकास लक्ष्यों (सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स-एसडीजी) की घोषणा की थी जिनमें से पहला लक्ष्य 2030 तक अत्यधिक गरीबी का उन्मूलन था। इस प्रकार हमारे पास यह सुनिश्चित करने के लिए पांच साल बचे हैं कि हम एसडीजी के अनुसार अत्यधिक गरीबी से नीचे के लोगों के शून्य प्रतिशत के करीब पहुंचें। उल्लेखनीय है कि अत्यधिक गरीबी को मापने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली गरीबी रेखा 2017-18 में इस्तेमाल किए गए पहले के 2.15 डॉलर से 3 डॉलर में स्थानांतरित हो गई है। उस निचली सीमा के अनुसार भारत में 2023 तक केवल 33.70 करोड़ लोग अत्यधिक गरीबी में रह रहे हैं। लेकिन 3 डॉलर की उच्च रेखा अधिक उपयुक्त है क्योंकि यह सभी कम आय वाले देशों की औसत गरीबी रेखाओं से ली गई है जिससे अंतरराष्ट्रीय तुलना अधिक वैध हो जाती है। यह राष्ट्रीय सर्वेक्षण डेटा और कार्यप्रणाली को भी ध्यान में रखता है।

यूएनडीपी और ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय की गरीबी और मानव विकास पहल (ओपीएचआई) द्वारा संयुक्त रूप से विकसित एमपीआई एक अधिक व्यापक उपाय है। यह स्वास्थ्य, शिक्षा और जीवन स्तर को कवर करने वाले दस मैट्रिक्स का उपयोग करता है। इनमें बाल मृत्यु दर, खाना पकाने के ईंधन का उपयोग, स्वच्छता एवं पीने के पानी तक पहुंच आदि जैसे विशिष्ट संकेतक शामिल हैं। एमपीआई को मापने के लिए नीति आयोग 10 के बजाय 12 संकेतकों का उपयोग करते हुए मातृ स्वास्थ्य तथा बैंक खाते तक पहुंच को भी जोड़ता है।

नीति आयोग के शोध के अनुसार भारत का एमपीआई 2013-14 में 29 प्रतिशत से घटकर 2022-23 में 11.3 फीसदी हो गया। इस विश्लेषण के अनुसार (और एक अनुपलब्ध जनगणना संख्या की चेतावनी के साथ) लगभग 24.80 करोड़ लोग एमपीआई गरीबी से बच गए। यूएनडीपी द्वारा दस संकेतकों के साथ गणना की गई एमपीआई जिसका उपयोग अंतरराष्ट्रीय तुलना के लिए किया जाता है, के अनुसार 2019-21 के दौरान भारत की एमपीआई गरीबी दर 15 फीसदी थी जो नीति आयोग द्वारा गणना की गई तुलना में लगभग 4 प्रति सैकड़ा अधिक थी। चूंकि 2017-18 के लिए व्यापक उपभोग सर्वेक्षण डेटा गायब है इसलिए इस विसंगति को हल करना संभव नहीं है। वर्ष 2021-22 में यूएनडीपी एमपीआई हेडकाउंट अनुपात के अनुसार वैश्विक रैंक में 109 देशों में भारत 66 क्रमांक पर था। विश्व बैंक ने अत्यधिक गरीबी पर अपने नवीनतम आंकड़ों के लिए एक सुसंगत वैश्विक रैंकिंग जारी नहीं की है। एमपीआई गरीबी दर के लिए नीति आयोग के आंकड़ों के मुकाबले यूएनडीपी द्वारा दिखाए गए उच्च एमपीआई ने विवाद पैदा कर दिया। बिजली या बैंक खातों जैसे अतिरिक्त संकेतकों का उपयोग जो सार्वभौमिक पहुंच के करीब हैं इस सूचकांक को तोड़ते-मरोड़ते हैं और इसे अधिक आशावादी बनाते हैं। दूसरी ओर, राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षणों जैसे गहन सर्वेक्षणों से पुष्टि होने से पता चला है कि एनीमिया और कुपोषण जैसे संकेतकों में गिरावट आई है जो निश्चित रूप से एमपीआई को प्रभावित करते हैं।

बहरहाल हम संख्याओं और विवादों से परे जाएं जिनमें से कुछ छोटे-छोटे दोष जान-बूझकर निकालने की तरह लग सकते हैं। यह स्पष्ट है कि उच्च आर्थिक विकास सभी लोगों के जीवन की बेहतरी की ओर अग्रसर है।

लगातार आ रहा है निवेश, मोहन के नेतृत्व में तेजी से आगे बढ़ता मध्यप्रदेश

-हर्षवर्धन पान्डे-

देश का हृदयस्थल कहा जाने वाला मध्यप्रदेश मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के नेतृत्व में निवेश और विकास के क्षेत्र में नित नई ऊंचाइयों को छू रहा है। बीते डेढ़ बरस के छोटे से समय में उनकी दूरदर्शी नीतियों, स्पष्ट प्रशासनिक दृष्टिकोण और निवेशक-अनुकूल रणनीतियों ने प्रदेश को औद्योगिक और आर्थिक प्रगति के पथ पर अग्रसर किया है। डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश में निवेश की गति धुआंधार रही है और विकास तेजी से हो रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने मध्यप्रदेश को निवेश के लिए आदर्श गंतव्य बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। भोपाल में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट इसका जीता जागता उदाहरण रहा जहाँ मोहन का मैजिक इस कदर चला कि इस समिट में 30 लाख 77 हजार करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए जो प्रदेश के आर्थिक विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। इससे पहले भी एमपी में निवेशक सम्मेलन आयोजित होते रहे लेकिन बड़े निवेश के प्रस्ताव राज्य को नहीं मिल पाए। डॉ. मोहन यादव की मजबूत इच्छा शक्ति का परिणाम है कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के माध्यम से उन्होंने देश और दुनिया में एमपी की पताका फहरा दी। इन निवेश प्रस्तावों से लगभग 21 लाख रोजगार के अवसर सृजित होने की संभावना है,जो एक रिकार्ड है। इस समिट में विभिन्न क्षेत्रों जैसे एविएशन, आईटी, कृषि और शहरी विकास में निवेश के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। मोहन के नेतृत्व में मध्यप्रदेश अब केवल स्थानीय स्तर पर ही नहीं, बल्कि वैश्विक निवेशकों के लिए भी एक आकर्षक गंतव्य बन रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने निवेश को बढ़ावा देने के लिए क्षेत्रीय स्तर पर इंडस्ट्री कॉन्क्लेव की शुरूआत की, जिसका उद्देश्य प्रदेश के हर कोने में औद्योगिक विकास को गति देना है। उज्जैन, जबलपुर, ग्वालियर, रीवा, सागर, नर्मदापुरम जैसे शहरों में आयोजित इन कॉन्क्लेव्स ने स्थानीय स्तर पर निवेशकों को आकर्षित किया है। ये कॉन्क्लेव न केवल राज्य में व्यापक निवेश को प्रोत्साहित कर रहे हैं, बल्कि इससे स्थानीय उद्यमियों और छोटे-मध्यम उद्योगों को भी प्रोत्साहन मिल रहा है। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने एमएसएमई सेक्टर के लिए 5000 करोड़ रुपये के अनुदान की घोषणा की है, जिससे छोटे निवेशकों की बांछे खिल गई हैं। मोहन सरकार ने अपने कार्यकाल में औद्योगिक विकास के लिए एक विस्तृत रोडमैप तैयार कर लिया है जिसमें औद्योगिक पार्कों को बढ़ावा देने के साथ स्मार्ट औद्योगिक टाउनशिप विकसित करने पर जोर दिया गया है। इस पहल से रोजगार के नए अवसर न केवल मिलेंगे बल्कि राज्य की अर्थव्यवस्था भी मजबूत होगी।

मध्यप्रदेश बहुत जल्द ड्रोन निर्माण का बड़ा हब भी बनने जा रहा है। इस लक्ष्य को पाने के लिए मोहन सरकार ने पिछले दिनों मध्यप्रदेश ड्रोन संवर्धन एवं उपयोग नीति 2025 को मंजूरी दी है जिससे नए स्टार्ट अप कंपनियों और उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा। सरकार ने ड्रोन स्कूल खोने की बड़ी कार्ययोजना भी तैयार की है जिसके माध्यम से युवाओं को ड्रोन तकनीक का प्रशिक्षण दिया जाएगा जिससे राज्य में रोजगार के नए अवसर बढ़ेंगे।

डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश को न केवल औद्योगिक, बल्कि आध्यात्मिक और वेलनेस हब के रूप में भी स्थापित करने की दिशा में ठोस कदम उठाए हैं। पिछले दिनों उज्जैन में आयोजित स्पिरिचुअल एंड वेलनेस समिट 2025 में 1950 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। इस समिट ने मध्यप्रदेश को भारत के वेलनेस मिशन का नेतृत्व करने वाला राज्य बनाने की दिशा में एक मजबूत कदम उठाया। बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन में मेडिसिटी की स्थापना और नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च के साथ समझौता इस दिशा में उनकी एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उत्तराखंड के ऋषिकेश स्थित परमार्थ निकेतन जैसे आध्यात्मिक संगठनों ने भी उज्जैन में केंद्र स्थापित करने के लिए पत्र सौंपा है जो प्रदेश की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को और समृद्ध करेगा।

मध्यप्रदेश शहरी विकास के क्षेत्र में भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। स्मार्ट सिटी मिशन के तहत सात स्मार्ट सिटी, 80% पाइप जलापूर्ति और 6000 किलोमीटर शहरी सड़कों का विकास इसकी गवाही देता है। शहरी विकास में 88 हजार करोड़ रुपये की परियोजनाएं पाइपलाइन में हैं जिनमें 50 हजार करोड़ रुपये से 10 लाख नए आवासों की योजना शामिल है। ये प्रयास मध्यप्रदेश को निवेशकों और डेवलपर्स के लिए एक आकर्षक गंतव्य बनाते हैं।मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने निवेशकों के लिए अनुकूल वातावरण बनाने पर पहले से ही विशेष जोर दिया है। आज मध्यप्रदेश में सरप्लस बिजली, उत्कृष्ट बुनियादी ढांचा और कुशल मानव संसाधन उपलब्ध हैं। अब प्रदेश में उद्योग-अनुकूल नीतियां निवेशकों को इन दिनों खूब लुभा रही हैं। इसके अतिरिक्त 100 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्तावों के लिए कस्टमाइज्ड नीतियां, सिंगल विंडो सिस्टम को प्रोत्साहन और विभिन्न विभागों की तरफ से विशेष सहयोग उपलब्ध कराया जा रहा है, जो निवेशकों के लिए अतिरिक्त बूस्टर डोज का काम कर रहा है। नीति आयोग ने भी मध्यप्रदेश को तेजी से प्रगति करने वाले राज्यों में अग्रणी माना है जो मुख्यमंत्री डॉ. यादव के दूरदर्शी नेतृत्व की व्यापक प्रभावशीलता को दिखा रहा है।

मध्यप्रदेश अब नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में भी नई ऊंचाइयों को छूने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। सूर्य मित्र कृषि फीडर योजना प्रदेश सरकार की एक महत्वाकांक्षी पहल है जो केंद्र सरकार की पीएम कुसुम योजना के तहत संचालित की जा रही है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य प्रदेश के कृषि फीडरों को सौर ऊर्जा से जोड़ना है ताकि किसानों को दिन के समय सस्ती और स्थायी बिजली उपलब्ध हो सके। यह योजना न केवल किसानों को सिंचाई के लिए निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करती है बल्कि उन्हें सौर ऊर्जा के उत्पादक के रूप में भी सशक्त बनाती है। मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य बनने की ओर अग्रसर है जो अपने सभी कृषि फीडरों को सौर ऊर्जा से जोड़ेगा। आज प्रदेश की नवकरणीय ऊर्जा क्षमता 15 गुना बढ़ चुकी है जिसमें सौर ऊर्जा में 48 प्रतिशत और पवन ऊर्जा के क्षेत्र में 19 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। अब तक प्रदेश में 80 मेगावाट क्षमता की सौर परियोजनाएं स्थापित हो चुकी हैं जिनसे 16,000 से अधिक कृषि पंप सौर ऊर्जा से संचालित हो रहे हैं। इसके अतिरिक्त 240 मेगावाट की परियोजनाएं स्थापना के चरण में हैं और 200 मेगावाट की परियोजनाएं प्रक्रियाधीन हैं। कुल मिलाकर, 520 मेगावाट की परियोजनाओं से 1 लाख से अधिक पंपों को सौर ऊर्जा से जोड़ा जाएगा।

10 जून 2025 को भोपाल में आयोजित पहली सूर्य मित्र कृषि फीडर योजना समिट का उद्घाटन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने किया। इस समिट में देश और प्रदेश के 350 से अधिक निवेशकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया जो प्रदेश के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। समिट में सौर ऊर्जा क्षेत्र में निवेश की संभावनाओं को प्रदर्शित किया जिसमें छोटे और बड़े दोनों प्रकार के निवेशकों ने उत्साह दिखाया।

विश्व व्यापार संगठन का अस्तित्व

-सत्यपाल वशिष्ठ-

हाल ही में अमरीका के वर्तमान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बहुत से देशों के आयात पर रेसिप्रोकल टैरिफ लगाकर एक व्यापार युद्ध शुरू कर दिया है। डोनाल्ड ट्रंप के रेसिप्रोकल टैरिफ के जवाब में कनाडा, मैक्सिको, यूरोपियन यूनियन देशों, चीन, जापान आदि देशों ने भी रेसिप्रोकल टैरिफ अमरीका की वस्तुओं पर लगाने की घोषणा कर दी है। परंतु अब अमरीका रेसिप्रोकल टैरिफ के नकारात्मक प्रभावों को भांपते हुए और अपने देश का हित ऊपर रखते हुए, रेसिप्रोकल टैरिफ पर इन देशों के साथ बातचीत कर रहा है। भारत ने अमरीकी वस्तुओं पर कोई जवाबी टैरिफ नहीं लगाया है और बातचीत का रास्ता अख्तियार किया है। पहले भी अमरीका और चीन के बीच में ट्रेड वॉर हो चुका है। इससे दोनों देशों के बीच व्यापार को बड़ा नुकसान हुआ था। 1930 में अमरीका ने स्मूट हाले टैरिफ कानून के तहत अमरीका के व्यापार और किसानों के संरक्षण के लिए आयात शुल्क लगाया था। डोनाल्ड ट्रंप का कहना है कि रेसिप्रोकल टैरिफ लगाने से अमरीका के उद्योगों को संरक्षण मिलेगा और अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। परंतु विश्व के अर्थशास्त्रियों का कहना है कि ट्रंप द्वारा भारी टैरिफ लगाने से अमरीका में महंगाई बढ? और मंदी का खतरा है।

इससे ग्रोथ धीमी हो सकती है। अमरीका के साथ-साथ ट्रेड वॉर से पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर मंदी का खतरा मंडराने लगेगा। टैरिफ से वस्तुओं की कीमत बढ़ेगी, जिससे महंगाई बढ़ेगी, मांग कम होगी और मंदी के दौर के आने का खतरा पैदा होगा। टैरिफ, व्यापार और डंपिंग पर सामान्य समझौते के लिए जीएटीटी (गैट) बना था। गैट की स्थापना इस उद्देश्य से की थी कि कमजोर अर्थव्यवस्थाओं को मजबूत किया जा सके और वैश्विक अर्थव्यवस्था को स्थापित किया जा सके। जीएटीटी अंतरराष्ट्रीय व्यापार के संचालन के लिए टैरिफ, व्यापार और डंपिंग पर बने नियम हैं। ये ही नियम डब्ल्यूटीओ की नींव हैं। 1994 के मारकेश समझौते के अनुसरण में एक जनवरी 1995 को जीएटीटी के स्थान पर डब्ल्यूटीओ ने जगह ली। डब्ल्यूटीओ ने ग्लोबलाइजेशन से सूचना, विचार, प्रौद्योगिकी, माल, सेवा, पूंजी, वित्त और लोगों के प्रवाह के माध्यम से अर्थव्यवस्थाओं और समाजों का एकीकरण करने में सहायता की है। इससे भारत जैसे विकासशील देशों को आगे बढ? में सहायता मिली है। परंतु विकसित देश, जिसमें अमरीका भी शामिल है, हमेशा व्यापार के जरिए विश्व पर अपना नियंत्रण करना चाहते हैं। सभी देशों के बीच सही व्यापार नीति का निर्धारण करने के लिए डब्ल्यूटीओ अभी भी वस्तुओं के व्यापार को तय किए हुए नियमों से निपटता है। ट्रेड वॉर को रोकने के लिए वर्तमान में डब्ल्यूटीओ की स्थापना की गई थी। डब्ल्यूटीओ व्यापार समझौतों पर बातचीत के लिए एक ढांचा प्रदान करके, भाग लेने वाले देशों के बीच वस्तुओं, सेवाओं और बौद्धिक संपदा में व्यापार की सुविधा प्रदान करता है। इसका उद्देश्य आम तौर पर टैरिफ कोटा और अन्य प्रतिबंधों को कम करना या खत्म करना होता है। संगठन, व्यापारिक सांझेदारों के बीच भेदभाव को प्रतिबंधित करता है। इसके 166 सदस्य (162 संयुक्त राष्ट्र सदस्य देश, यूरोपीय संघ, हांगकांग, मकाउ और ताइवान) हैं।

डब्ल्यूटीओ ने व्यापार बढ़ाया है और व्यापार बाधाओं को कम किया है। अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की रेसिप्रोकल टैरिफ की घोषणा से विश्व व्यापार संगठन और एमएफएन का जैसे अंत ही हो गया है। अमरीका ने इससे अपनी अर्थव्यवस्था को एक बंद अर्थव्यस्था बना दिया है। अंतरराष्ट्रीय संगठनों, जैसे अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष एवं विश्व बैंक और जाने-माने अर्थशास्त्रियों ने भी पूर्ण विश्व में टैरिफ मुक्त व्यापार की वकालत की है। भारत ने भी अपनी अर्थव्यवस्था को 1991 में इन अंतरराष्ट्रीय संगठनों के दबाव में संरक्षण की नीति से आजाद किया था। ट्रंप का कहना है कि भारत का आयात शुल्क ज्यादा है जिसे भारत को कम करना चाहिए। खासकर विनिर्माण और कृषि वस्तुओं पर, ताकि अमरीका अपने उत्पादों का आधार भारत में बढ़ा सके। भारत इसका विरोध कर रहा है और करना भी चाहिए, क्योंकि भारत एक कृषि प्रधान देश है। इसकी 70 प्रतिशत जनता की आजीविका का प्रश्न है। भारत को अपने उद्योगों एवं कृषि, डेयरी, टैक्सटाइल आदि क्षेत्र, जो श्रम गहन हैं, को संरक्षण देने की आवश्यकता है तथा व्यापार संतुलन को भारत के पक्ष में रखने की कोशिश करनी होगी।

भारत को अपने निर्यात के प्रतिस्पर्धियों पर लगे टैरिफ तथा उनके द्वारा जवाबी कार्रवाई का अध्ययन कर, आगामी रणनीति को अपनाना होगा। साथ में भारत को अमरीका के साथ तय द्विपक्षीय कारोबार की सीमा को 2030 तक 500 अरब डॉलर तक ले जाने की जो बात हुई है, उसको प्राप्त करने की कोशिश करनी चाहिए। भारत को अमरीका के साथ व्यापार करने से पहले अतीत में भी जाना होगा। 1956-66 के बीच में पी एल-480 के तहत किए गए कुछ खाद्य पदार्थों के आयात के समय राष्ट्रपति जॉनसन ने भारत को प्रतिबंधों पर रखा।

विवाह जैसे पवित्र और विश्वास भरे रिश्ते अब खून से सने

-चैतन्य भट्ट-

इंदौर निवासी व्यवसायी राजा रघुवंशी के पूर्वोत्तर राज्य मेघालय में हुए नृशंस हत्याकांड ने देश के जनमानस को झकझोर कर रख दिया है। हत्या की प्रमुख आरोपी राजा रघुवंशी की पत्नी सोनम बताई जा रही है जिसने अपने तथाकथित प्रेमी राज कुशवाहा और उसके तीन दोस्तों के साथ मिलकर इस हत्या को अंजाम दिया। समूचे घटनाक्रम की परतें एक एक कर खुल रही हैं मगर जो भी अब तक सामने आया है, अविश्वसनीय है। भरोसा नहीं होता कि विवाह जैसे पवित्र और विश्वास भरे रिश्ते का गला इतनी निर्ममता से घोंटा जा सकता है।

इस जघन्य हत्याकांड और क्या हुआ कैसे हुआ पर इतना परोसा जा रहा है कि कुछ कहने की जरूरत नहीं है। रोज नए खुलासे हो रहे हैं। ढूंढ ढूंढ कर हत्याकांड से प्रभावित परिवारों के संबंधियों के इंटरव्यू हो रहे हैं। मृतक राजा रघुवंशी परिवार के पुरोहित की गणना कह रही है कि षडयंत्र में और भी लोग शामिल हैं। कोई उनसे यह नहीं पूछ रहा कि गणना की यह प्रतिभा जब कहां गई थी जब वे विवाह का मुहूर्त निकाल रहे थे ? टीआरपी, व्यूज और लाइक्स की ललक जो न कराए सो कम है। यह सब क्यों हुआ के मर्म में जाने की जरूरत किसी को महसूस नहीं हो रही। जबकि यही वह मर्म है जिस पर ध्यान देकर ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सकती है।

खबरें हैं कि सोनम पहले से ही राज कुशवाहा के साथ रिलेशनशिप में थी। उसने अपने परिवारजनों को इसके बारे में बताया भी था। मगर परिवारजनों ने इस संबंध का विरोध किया। सोनम और राज में आयु और जाति का फर्क तो था ही, जितेन्द्र की सामाजिक और आर्थिक हैसियत भी सोनम के परिवार के आगे कहीं नहीं टिकती थी। वह उनके पारिवारिक व्यवसाय में कर्मचारी की हैसियत से ही तो शामिल था। समाज क्या कहेगा ? का प्रश्न थोथा भले कितना भी हो, अभी भी शास्वत है। सोनम के परिवार ने इसे प्राथमिकता दी और जल्द से जल्द उसके समाज में ही विवाह की कोशिशों में जुट गए। कहा जाता है कि सोनम ने विरोध किया, यहां तक कहा कि अंजाम अच्छा नहीं होगा। मगर कोई सुनने तैयार नहीं हुआ। आनन फानम शादी तय हुई और सोनम ब्याह कर राजा रघुवंशी के परिवार में शामिल हो गई। बेटी की इच्छा के सम्मान के बजाय थोथे सामाजिक सम्मान को प्राथमिकता देकर सोनम के मातृ पक्ष ने तात्कालिक हल तो ढूंढ लिया मगर आज की परिस्थितियां देखकर उन्हें यकीनन पछतावा हो रहा होगा। सौदा महंगा पड़ा। दबाव में बना रिश्ता यूं भी ज्यादा नहीं टिकता। जिस सामाजिक प्रतिष्ठा की खातिर उन्होंने यह कदम उठाया था उससे लाख गुनी बदनामी अब झेलनी पड़ रही है। और दाग ऐसा है कि ताउम्र नहीं धुलेगा।

बेटियों को समान अधिकार का सरकारी नारा अपेक्षित सामाजिक बदलाव के बिना नारा ही बना रहने वाला है। उन्हें आर्थिक और सांस्कारिक समेत अन्य सभी पहलुओं पर आत्मनिर्भर बनाना आज की जरूरत है जिसके लिए उन्हें अच्छी परवरिश, शिक्षा दिया जाना चाहिए। उनमें निर्णय लेने की क्षमता विकसित करना चाहिए। मगर सर्वाधिक महत्वपूर्ण है कि उनके निर्णय का सम्मान भी किया जाना चाहिए। अगर कोई निर्णय गलत लग रहा है तो सही राह दिखाना परिवार का दायित्व है। मगर थोथी सामाजिक प्रतिष्ठा के दबाव में उन्हें अपना निर्णय बदलने के लिए मजबूर करना पंछी को उड़ना सिखाकर उसे पिंजरे में बंद रहने पर मजबूर करने जैसा है। समाज के कई वर्गों ने इस बदलाव को स्वीकार किया है मगर कुछ अभी भी वही पुरानी लीक पीटने पर उतारू हैं। इस जघन्य हत्याकांड ने प्रमाणित कर दिया है कि परिणाम कितने भयावह हो सकते हैं।

बढ़ते अपराधों के लिए अध्यात्मवादी भौतिकता को दोष देते हैं। कम्युनिज्म पूंजीवाद पर दोष मढ़ता है। राजनीति में एक पार्टी दूसरी को दोषी मानती है। समाज तेजी से बदल रहा है, और समलैंगिकता, लिव-इन रिलेशन, गर्भपात अब कानूनन अपराध नहीं रहे। सिर्फ कानून के सहारे अपराध को खत्म करना संभव नहीं है, इसके लिए व्यापक सामाजिक विमर्श जरूरी है। बदलते समय और दिन प्रतिदिन उदार होतीं सामाजिक मान्यताओं के साथ परिवारों की आपसी समझ भी बदलना जरूरी है। अगर सोनम के माता-पिता ने उसकी प्रेम और विवाह संबंधी प्राथमिकताओं को मान लिया होता तो यह सब नहीं घटता और निरपराध राजा रघुवंशी की जान बच जाती। थोथी सामाजिक मान्यताओं के दबाव के चलते उन्होंने बेटी पर दबाव बनाया। जो हुआ वह उससे कई गुना भयावह साबित हुआ जिसका दंश रघुवंशी समेत अपराध में शामिल अन्य लोगों के परिवार ताउम्र महसूस करेंगे।

मेघालय पूर्वोत्तर भारत का बेहद खूबसूरत और शांत राज्य है। पड़ौसी मणिपुर की तरह जनजातियां इसका भी मूल आधार हैं मगर मणिपुर में पसरी जातीय अशांति और हिंसा मेघालय को छू भी नहीं सकी है। पर्यटन इसकी अर्थव्यवस्था का प्रमुख आधार है। इस पूरे घटनाक्रम ने इस राज्य की साख पर कई सवाल खड़े कर दिए थे। मेघालय पुलिस बधाई की पात्र है जिसने तत्परता से इस घिनौने हत्याकांड की परतें खोलीं और साबित किया कि इससे मेघालय और उसके नागरिकों का कोई लेना-देना नहीं है। अपराध कैसी भी योजना बनाकर किया जाए, छुपता नहीं है। इकबाल अजीम का शेर है : कातिल ने किस सफाई से धोई है आस्तीन, उस को खबर नहीं कि लहू बोल उठेगा। इस समूचे घटनाक्रम ने इस अखंड सत्य पर एक बार फिर मोहर लगा दी है।

NCR समाचार

संपादकीय कार्यालय

जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062. सोमवार से शनिवार प्रात: 9:00 से सायं 9:00

फोन: 8888883968, 9811111715

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार के समस्त पाठकों तथा पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षो से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टरजी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृत्व में हो रहा हैं। अत: भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नये कार्यालय जी 12/276, संगम विहार, नई दिल्ली - 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 से सम्पर्क करें

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मानवीय पहल : अब अज्ञात, बेसहारा और अनाथ रोगियों को मिल सकेगा निःशुल्क इलाज

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मानवीय पहल एवं मार्गदर्शन में चिकित्सा शिक्षा विभाग ने असहाय, वंचित, मानसिक रूप से अक्षम, लावारिस और अज्ञात रोगियों को निःशुल्क चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए संवेदनशील कदम उठाया है। अब इन रोगियों को राजस्थान मेडिकल रिलीफ सोसायटी के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाएं निःशुल्क उपलब्ध करवाई जाएंगी। इसके लिए सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग और चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा एक संयुक्त एमओयू किया गया है। इसके तहत रजिस्टर्ड धर्मार्थ ट्रस्ट या एनजीओ के माध्यम से चिकित्सालयों में लाए जाने वाले रोगियों को निःशुल्क चिकित्सा सुविधा प्रदान की जाएगी।

इसलिए नहीं मिल पाता था योजनाओं का लाभ–

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव कुलदीप रांका एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के शासन सचिव अम्बरीष कुमार के संयुक्त हस्ताक्षर से इस संबंध में दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। चिकित्सा शिक्षा सचिव ने बताया कि प्रायः यह देखने में आता था कि रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, धार्मिक स्थल और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर असहाय, मानसिक रूप से अक्षम, लावारिस या अज्ञात रोगी बेसहारा स्थिति में पाए जाते थे और ऐसे व्यक्तियों को धर्मार्थ ट्रस्ट या एनजीओ द्वारा चिकित्सालयों में लाया जाता था, लेकिन पहचान पत्र (आधार/जन आधार/अन्य) के अभाव में उन्हें मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना या अन्य योजनाओं में निःशुल्क इलाज, ऑपरेशन या इंप्लांट लगाया जाना संभव नहीं हो पाता था। इन योजनाओं का लाभ लेने के लिए राजस्थान का निवासी होना एवं कोई पहचान पत्र होना आवश्यक है। ऐसे लोगों की पहचान या पता

नहीं होने अथवा राजस्थान के निवासी होने का पहचान पत्र नहीं होने के कारण उपचार नहीं मिल पाता था।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर यूं निकली जीवन रक्षा की राह

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस स्थिति को दृष्टिगत रखते हुए ऐसे रोगियों को निःशुल्क चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए थे। इसके बाद चिकित्सा शिक्षा विभाग तथा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग ने ऐसे रोगियों के समुचित उपचार के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

इनके अनुसार सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग या देवस्थान विभाग में रजिस्टर्ड ट्रस्ट या एनजीओ द्वारा लाए गए रोगियों को चिकित्सा शिक्षा विभाग के चिकित्सालयों में मुफ्त इलाज मिलेगा। ऐसे ट्रस्ट या एनजीओ को केवल यह प्रमाण पत्र जारी करना होगा कि लाया गया रोगी असहाय, वंचित, लावारिस या अज्ञात है। यह प्रमाण पत्र निःशुल्क इलाज के लिए पर्याप्त होगा। चिकित्सा शिक्षा और सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा एक संयुक्त समिति का गठन किया गया है, जो ट्रस्ट/एनजीओ को अधिकृत करेगी और एमओयू के आधार पर सहयोग सुनिश्चित करेगी। योजना के तहत होने वाला व्यय आरएमआरएस के माध्यम से वहन किया जाएगा।

मानवता की दिशा में बड़ा कदम

उल्लेखनीय है कि प्रदेश के राजकीय चिकित्सा संस्थानों में प्रदेशवासियों के लिए स्वास्थ्य सेवाएं पूरी तरह निःशुल्क हैं। अब इस एमओयू से इन निःशुल्क सेवाओं का दायरा और बढ़ेगा। गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन करने वालों, विधवा/अनाथ /लावारिस व्यक्तियों, दुर्घटनाग्रस्त रोगियों और 65 वर्ष से अधिक आयु के वृद्धजनों को इससे उपचार लेने में और सुगमता होगी। जरूरतमंद एवं बेसहारा रोगियों को आसानी से उपचार उपलब्ध हो सकेगा। राजस्थान सरकार का यह कदम मानवता की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

सड़क हादसाः सिकंदरा में कार की टक्कर से 2 बाइक सवारों की मौत, परिजनों ने शव उठाने से किया इनकार

दौसा। जिले के सिकंदरा थाना क्षेत्र में दौसा-लालसोट रोड पर शेखपुरा मोड़ के पास बुधवार रात एक भीषण सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य घायल हो गया। इस घटना के बाद गुस्साए परिजनों ने गुरुवार सुबह जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया और पहले टक्कर मारने वाले वाहन को जब्त करने की मांग की।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, यह दर्दनाक हादसा बुधवार रात उस समय हुआ जब गढ़ गांव निवासी अनिल (19) और जतिन महावर (15) अपनी बाइक पर गढ़ से सामान लेने के लिए सराय की ओर जा रहे थे। रास्ते में शेखपुरा मोड़ के पास एक तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि अनिल और जतिन की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, बाइक पर सवार तीसरा व्यक्ति हेमराज महावर गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मृतक अनिल और जतिन दोनों कलर-पेंट का काम करते थे। हादसे की सूचना मिलते ही दोनों परिवारों में मातम पसर गया और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। गुरुवार सुबह जब शवों को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल लाया गया, तो मृतकों के परिजनों ने पोस्टमार्टम करवाने से साफ इनकार कर दिया।

उनका कहना था कि जब तक टक्कर मारने वाले वाहन को जब्त नहीं किया जाता, तब तक वे पोस्टमार्टम नहीं करवाएंगे। इस मांग पर पुलिस और परिजनों के बीच गतिरोध बना हुआ है। पुलिस ने परिजनों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन वे अपनी मांग पर अड़े हुए हैं।

साइबर अपराधों पर पुलिस का शिकंजा, गांव-गांव में चलाया जा रहा जन-जागरूकता अभियान

कोटपूतली-बहरोड़। उप-महानिरीक्षक पुलिस सह-जिला पुलिस अधीक्षक राजन दुष्यंत के निर्देशानुसार जिलेभर में साइबर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है, जिसके अंतर्गत आमजन को साइबर अपराधों से बचाव के उपाय बताए जा रहे हैं। अभियान के तहत थाना सरुण्ड और थाना पनियाला पुलिस टीमों ने अपने-अपने थाना क्षेत्रों में ग्रामीणों, स्कूली छात्रों, व्यापारियों और महिलाओं से संवाद कर उन्हें साइबर सुरक्षा संबंधी जरूरी जानकारियाँ दीं। अभियान के दौरान पुलिस टीम ने बताया कि कैसे अनजान कॉल्स, ओटीपी धोखाधड़ी, फर्जी मोबाइल एप्लिकेशन, इंस्टाग्राम/फेसबुक हैकिंग और लुभावने लॉटरी मैसेज के जरिए आमजन को शिकार बनाया जा रहा है। इसके साथ ही बैंकिंग धोखाधड़ी, फर्जी कस्टमर केयर नंबर, क्यूआर कोड स्कैम, और फिशिंग मेल्स से बचने के लिए नागरिकों को सतर्क रहने की सलाह दी गई। थानाधिकारियों ने बताया कि अधिकतर साइबर अपराध लालच, जल्दबाजी और जानकारी के अभाव के कारण होते हैं। इसलिए हर व्यक्ति को अपने मोबाइल, सोशल मीडिया और बैंकिंग डिटेल्स को लेकर सावधान रहना चाहिए। इस मौके पर लोगों को राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 और cyber-crime.gov.in पोर्टल के बारे में जानकारी दी गई, जहाँ वे किसी भी साइबर अपराध की शिकायत दर्ज कर सकते हैं। उपस्थित जनसमूह को ब्रोशर और पेम्फलेट भी वितरित किए गए, जिनमें सरल भाषा में साइबर सुरक्षा के टिप्स दिए गए थे। अभियान को स्थानीय नागरिकों और विद्यार्थियों से उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली। कई स्थानों पर इंटरएक्टिव प्रश्नोत्तर सत्र भी आयोजित किए गए, जिनमें लोगों ने खुलकर अपनी शंकाएँ रखीं और पुलिस अधिकारियों ने उनका समाधान किया। जिला पुलिस अधीक्षक राजन दुष्यंत ने बताया कि साइबर अपराध एक अदृश्य अपराध है, जिससे निपटने के लिए जन-जागरूकता ही सबसे बड़ा हथियार है। पुलिस का यह अभियान भविष्य में और अधिक गांवों और स्कूलों में भी चलाया जाएगा।

जम्मू-कश्मीर में शहीद सेना के जवान की देह पंचतत्व में विलीन

सरदारशहर। जम्मू-कश्मीर में सरदार शहर के जवान भंवरलाल सारण की पार्थिव देह लेकर सेना के जवान सरदारशहर पहुंचे। उनका पैतृक गांव में बुधवार को सैन्य सम्मान के साथ अंतिम संस्कार कर दिया गया। इससे पूर्व सेना के जवानों ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इससे पूर्व प्रात~ लगभग 8 बजे तिरंगा यात्रा लूणासर के लिए रवाना हुई। सरदारशहर से लूणासर के बीच हरियासर, भोजरासर, मालकसर, मालसर गांवों में बड़ी संख्या में ग्रामीण सड़क के दोनो तरफ हाथों में तिरंगा लहराते पुष्प वर्षा कर शहीद भंवरलाल अमर रहे के नारे लगा रहे थे। शहीद की पार्थिव देह घर पहुंचने पर परिवार जनों ने अंतिम दर्शन किए और उसके बाद पार्थिव देह गांव के मुख्य मार्ग से होते मुक्ति धाम पहुंची। शहीद की बेटी और भाई ने पुष्पचक्र अर्पित किया।

सेना के जवानों ने दी सलामी~ शहीद के पार्थिव देह को चीता पर रखने के बाद सैना के जवानों ने सशस्त्र सलामी दी। इसके बाद सेना के अधिकारी ने शहीद की बेटी और भाई को तिरंगा भेंट किया। शहीद की बेटी और शहीद के भाई ने मुखाग्नि दी।

'नशा करने वालों को नशे के सौदागर मिल जाते हैं, फिर पुलिस को क्यों नहीं मिलते'

झुंझुनू । प्रयागराज महाकुम्भ में किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर बनी साध्वी ईश्वरी नंद गिरी महाराज ने कहा कि वे नशे के खिलाफ दो साल की यात्रा पर निकली हैं। इसकी शुरुआत मेवाड़ के चारभुजा नाथ क्षेत्र से की है। नशा नाश का कारण है। मेरा पुलिस से सवाल है कि नशे वालों को नशे के सौदागर मिल जाते हैं तो फिर पुलिसवालों को क्यों नहीं मिलते? लोग मुझे कहते हैं पुलिस की मिलीभगत इसमें है ? क्या यह सच है? पुलिस व प्रशासन को नशे के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए। जो व्यक्ति साधु की ड्रेस पहनकर बच्चों व बड़ों को नशा करवाते हैं, मैं उनकी भी विरोधी हूं।

बुधवार को झुंझुनूं आई महामंडलेश्वर ने सुनारों की बगीची में हुए कार्यक्रम में कहा कि मैं जहां-जहां गई हूं, वहां पुलिस व प्रशासन ने नशे के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की है। उन्होंने गो माता को राज्य माता का दर्जा दिलाने तथा देश को हिन्दू राष्ट्र बनाने पर भी जोर दिया।

ममता कुलकर्णी का पक्ष लिया – ममता कुलकर्णी के महामंडलेश्वर बनने के बाद हुए विवाद पर कहा कि विरोध तो अच्छा काम करने वालों का होता ही है। ममता कुलकर्णी अगर धर्म के प्रचार के लिए आगे आई तो विरोधियों को क्यों दिक्कत हो रही है। वह सनातन का ही प्रचार कर रही है। विधर्मी लोगों को यह नहीं पच रहा।

संस्कारों पर दिया जोर – उन्होंने समाज में हो रही घटनाओं पर चिंता जताई। उन्होंने कहा आजकल देखने व सुनने में आ रहा है, पति के टुकड़े फ्रीज में मिल रहे हैं तो कहीं नीले ड्रम में मिल रहे हैं। कहीं शादी के कुछ दिन बाद ही पति की हत्या करवाई जा रही है। मेरा मानना है कि संस्कारों की कमी के कारण ऐसा हो रहा है। मैं माताओं से कहना चाहूंगी वे अपने बच्चों को श्रेष्ठ संस्कार दें।

राजसमंद में देलवाड़ा थाना क्षेत्र में हादसा : तीन भारी वाहनों में भिड़ने के बाद लगी आग, जिंदा जला चालक

उदयपुर। राजसमंद में देलवाड़ा थाना सर्कल में अनन्ता हॉस्पिटल के पास दो कंटेनर व ट्रक के बीच भिड़ंत हो गई, जिसके बाद तीनों वाहनों में आग लग गई। एक ड्राइवर की झुलसने से मौत हो गई। देखते ही देखते वाहनों में आग ने भीषण रूप ले लिया और एक तरफ का रास्ता जाम हो गया। जानकारी के अनुसार कार को बचाने के प्रयास में 2 कंटेनर व ट्रक की भिड़ंत हुई। हादसा राजसमंद की सीमा पर अनंता हॉस्पिटल के पास हुआ। फोरलेन पर दोनों ओर वाहनों की लम्बी कतारे लग गई। सूचना पर देलवाड़ा पुलिस मय जाब्ते के पहुंची और आग को बुझाने के लिए राजसमंद व उदयपुर से फायर ब्रिगेड मंगवाई। दुर्घटना इतनी भीषण हुई कि ट्रक व कंटेनर के केबिन पूरी तरह से चकनाचूर हो गए।

ललित मोदी की पारिवारिक कंपनी के गोदाम पर छापा : कृषि मंत्री ने किया खुलासा, नकली पेस्टिसाइड जब्त

जयपुर। राजस्थान के कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने राजधानी जयपुर और आसपास के क्षेत्रों में बुधवार देर शाम छापेमारी कर पेस्टिसाइड उत्पादक कंपनियों की पोल खोल दी। मंत्री मीणा ने आरोप लगाया कि कई प्रतिष्ठित कंपनियों के नाम पर नकली और अमानक स्तर के कीटनाशकों का भंडारण और बिक्री हो रही थी, जिससे किसानों की लाखों बीघा फसलें बर्बाद हो गईं।

इंडोफिल के गोदाम सील, ललित मोदी का नाम आया सामने

छापेमारी के दौरान जयपुर के महादेव नगर और चौमूं इलाके में स्थित इंडोफिल इंडस्ट्री लिमिटेड का गोदाम सील किया गया। मंत्री ने दावा किया कि यह कंपनी आईपीएल के पूर्व कमिश्नर ललित मोदी के परिवार से जुड़ी है। कंपनी में रुचिर मोदी, चारू मोदी और पारुल मोदी बतौर डायरेक्टर दर्ज हैं।

किसानों ने सफेद मक्खी से बचाव के लिए इस कंपनी का पेस्टिसाइड 10,000 रुपये प्रति किलो तक खरीदा। इसके बावजूद कपास की फसल बर्बाद हो गई। यह गंभीर मामला है,÷ – कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा

नकली कीटनाशक और अवैध गोदाम

राज्य सरकार की टीम ने इंडोफिल समेत 6 कंपनियों की जांच की जिनमें श्रीराम कृषि रसायन लिमिटेड, उदित ओवरसीज लिमिटेड और अन्य शामिल थीं।

जांच में सामने आया कि~

कई गोदाम बिना अनुमति के चल रहे थे।

उत्पाद नकली थे या गुणवत्ता मानकों से नीचे।

फर्जी लेबलिंग कर प्रतिष्ठित ब्रांड के नाम पर पेस्टिसाइड बेचे जा रहे थे।

कड़ी कार्रवाई के आदेश

डॉ. मीणा ने कहा कि पेस्टिसाइड रूल्स 1968 के तहत सख्त कानूनी कार्यवाही शुरू की जा रही है।

नकली उत्पादों की बिक्री पर तत्काल रोक लगाई गई है और कई गोदामों को सील कर दिया गया है। साथ ही दोषी अधिकारियों पर भी कार्रवाई होगी।

कृषि मंत्री पिछले 15 दिनों से नकली खाद, बीज और कीटनाशकों के खिलाफ अभियान चला रहे हैं। श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ में भी बड़े स्तर पर छापे मारे गए हैं। इस मुहिम से जहां किसानों को राहत मिलने की उम्मीद है, वहीं व्यापारिक संगठनों में नाराजगी भी देखी जा रही है।

नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी और दो सहयोगियों को बीस साल की सजा

जयपुर। जिले की पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत ने नाबालिग के साथ कई बार दुष्कर्म करने वाले आरोपी राकेश कुमार को बीस साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही आरोपी पर 3.25 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। अदालत ने अपराध में सहयोग करने वाले अभियुक्त दीन दयाल और गौरीशंकर को भी बीस साल की सजा सुनाई है। अदालत ने इन दोनों आरोपियों पर कुल 3.50 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। पीठासीन अधिकारी कैलाश चन्द अटवासिया ने अपने आदेश में कहा कि वर्तमान में नाबालिगों के साथ लैंगिक अपराध बढ़ते जा रहे हैं। ऐसे में अदालत का कर्तव्य है कि वह अभियुक्त को उनकी ओर से किए गए अपराध की प्रकृति और गंभीरता के अनुसार उचित दंड दे।

राजस्थान को 4000 MWh बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली का आवंटन, मुख्यमंत्री ने जताया आभार

जयपुर। राजस्थान को केंद्रीय विद्युत मंत्रालय की VGF योजना के तहत 4000 मेगावाट प्रति घंटा (MWh) की बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली का आवंटन मिला है। इस महत्वपूर्ण कदम के लिए मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल का आभार प्रकट किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह निर्णय राज्य में ऊर्जा क्षेत्र को नई दिशा देगा और ग्रीन एनर्जी के लक्ष्यों को हासिल करने में अहम भूमिका निभाएगा। उन्होंने इसे केंद्र सरकार की दूरदर्शी पहल बताते हुए कहा कि यह परियोजना न केवल राज्य की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करेगी, बल्कि अक्षय ऊर्जा को बढ़ावा देने में भी मददगार साबित होगी।

यह परियोजना राज्य के ग्रीन एनर्जी

मिशन को बल देने के साथ ऊर्जा भंडारण की दक्षता में सुधार करेगी। बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली से सौर और पवन ऊर्जा का बेहतर उपयोग संभव होगा। इससे नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र को गति मिलेगी और राज्य को स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में अग्रणी बनाने में सहायता मिलेगी। इस आवंटन के बाद राजस्थान ग्रीन एनर्जी के क्षेत्र में एक नया इतिहास लिखने की दिशा में अग्रसर है।

बाढ़ नियंत्रण एवं राहत के समस्त इंतजाम समय रहते हो सुनिश्चित, जलभराव से निपटने के लिए आवश्यक उपकरणों की उपलब्धता रखी जाए : किरोड़ी

जयपुर। राजस्थान के आपदा प्रबंधन मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीना ने मानसून से पूर्व प्रदेश में सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर लेने एवं विभागीय अधिकारियों को अलर्ट मोड पर रहते हुए आपसी समन्वय स्थापित कर बाढ़ नियंत्रण एवं बचाव कार्यों को समय रहते सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। डॉ. मीना को शासन सचिवालय में मानसून पूर्व तैयारियों के संबंध में आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अतिवृष्टि होने पर भूमि कटाव और जलभराव से निपटने एवं बचाव अभियान के लिए आवश्यक उपकरणों की उपलब्धता रखी जाए। उन्होंने वज्रपात के खतरे से निपटने के लिए आवश्यक इंतजाम करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि अधिकारी भारतीय मौसम विज्ञान विभाग से निरंतर समन्वय स्थापित करना सुनिश्चित करें। बैठक में आपदाओं से निपटने के लिए की जा रही तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की गई। उन्होंने थल सेना, वायू सेना, पुलिस, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, गृह सुरक्षा, सिविल डिफेंस, जल संसाधन, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, बिजली, पशुपालन, रसद विभाग, स्वायत्त शासन, पंचायती राज तथा अन्य कई विभागों के अधिकारियों को भी मॉनसून के दौरान विभागीय स्तर पर अपेक्षित समस्त इंतजाम दुरुस्त रखने के निर्देश दिए।

इस दौरान उन्होंने फ्लड प्लान 2025 की विस्तार से समीक्षा की। बैठक में बताया कि एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, नागरिक सुरक्षा एवं भारतीय सेना के साथ 14 जून को कोटा में मॉक ड्रिल आयोजित की जाएगी। बैठक में बताया गया कि राज्य में प्राकृतिक आपदाओं के मध्यनजर आगामी 15 जून से राज्य स्तरीय हेल्पडेस्क नम्बर 1070, 112 तथा जिला स्तरीय हेल्पडेस्क के लिए 1077 नम्बर जारी किए गए हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बीजेपी कार्यालय में की पीसी

भारत दुनिया की उभरती हुई शक्ति बन रहा, कहा- चुनौतियों से जूझ रहे भारत को मोदी ने आगे बढ़ाया

जयपुर। केंद्र की मोदी सरकार के 11 साल पूरे होने के मौके पर भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में मुख्यमंत्री के भजन लाल शर्मा ने मीडिया से बातचीत करते हुए उनके 11 साल की उपलब्धियां की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी जब 2014 में प्रधानमंत्री बने थे, उससे पहले भारत के चुनौतियों से जूझ रहा था । भारत दुनिया में अर्थव्यवस्था के मामले में 11 नंबर पर था लेकिन उसके बाद मोदी ने कड़ी मेहनत और बुलंद हौसलों से भारत को न केवल चुनौतियों से देश को उभारा बल्कि भारत को दुनिया की उभरती हुई शक्ति बनाया है। भारत अब दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था की राह पर चल पड़ा है। वर्तमान में चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था है। वैश्विक मंच पर भारत ताकतवर पहचान बनी है। भारत की आवाज अब आदर और सम्मान से दुनिया में सुनी जाती है। मोदी ने

भारत का समावेशी विकास किया है और गरीब, युवा, अन्नदाता को ध्यान में रखकर काम किया है। कमजोर वर्ग का सशक्तिकरण किया गया है। उन्होंने मोदी सरकार की उपलब्धियां बताते हुए कहा कि राजस्थान को 11 सालों में 2,11000 करोड़ रुपए केंद्रीय योजनाओं में मिले हैं। 4 करोड़ 50 लाख लोगों को पीएम गरीब कल्याण योजना में अनाज दिया गया है। वही 9~30 लाख महिलाओं को लखपति दीदी ,23 लाख को पीएम आवास ,87 लाख को शौचालय और एक करोड़ 16 लाख लोगों को आयुष्मान योजना में निशुल्क इलाज दिया गया है। राजस्थान में 23 नए मेडिकल कॉलेज खोले गए हैं । वहीं 76 लाख किसानों को 24 लाख करोड़ से अधिक की सम्मान निधि बांटी गई ।

सीएम ने कहा कि भारत अब विश्व गुरु बनने के सपने की ओर बढ़ रहा है। भारत का आर्थिक और तकनीकी विकास हुआ है। आम जनता समृद्ध हुई है। 25 करोड लोग बीपीएल रेखा से बाहर आए हैं। भारत आत्मनिर्भर बनाने की ओर है। 2047 तक भारत को विकसित देश बनाने का लक्ष्य रखा गया है।

आतंकवाद पर जीरो टॉलरेंस अपनाया : भजनलाल

भजन लाल शर्मा ने कहा कि मोदी सरकार ने आतंकवाद पर जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए कार्रवाई की है । चाहे उरी हो या पुलवामा हमला हो या फिर पहलगाम में आतंकी घटना हुई हो, मोदी सरकार ने आतंकवादियों पर कड़ी कार्रवाई की है । ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान में घुसकर 150 आतंकवादियों को मारा है।

संक्षिप्त समाचार

फ्रांस दौरे पर जयशंकर की मैक्रों से मुलाकात, आतंकवाद के खिलाफ समर्थन पर जताया आभार

पेरिस, एजेंसी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गुरुवार को फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से पेरिस में मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की शुभकामनाएं राष्ट्रपति मैक्रों को पहुंचाईं और आतंकवाद के खिलाफ भारत को मिले फ्रांस के मजबूत समर्थन के लिए उनका आभार जताया। सोशल मीडिया पर जयशंकर ने दी जानकारी जयशंकर ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि राष्ट्रपति मैक्रों से मिलकर सम्मानित महसूस किया। पीएम मोदी की ओर से शुभकामनाएं दीं और आतंकवाद के खिलाफ फ्रांस के मजबूत समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच बातचीत में आपसी विश्वास, सहजता और रणनीतिक साझेदारी की महत्वाकांक्षा स्पष्ट रूप से दिखी। बता दें कि जयशंकर इन दिनों अपने यूरोप दौरे पर हैं, जहां वे भारत और यूरोपीय देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने और आतंकवाद के खिलाफ भारत की जीरो टॉलरेंस नीति को दोहराने में जुटे हैं, खासकर 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद से। इसके साथ ही जयशंकर ने फ्रांस के मार्से शहर में आर्मेनिया के विदेश मंत्री अरारत मिर्जोयान से भी मुलाकात की। जयशंकर ने इसे महत्वपूर्ण बातचीत बताया, जिसमें दोनों देशों के बीच सहयोग और क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा हुई। इससे पहले जयशंकर ने ब्रुसेल्स में यूरोपीय संघ के शीर्ष नेताओं से मुलाकात की थी और भारत-ईयू रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने पर चर्चा की थी।

इजराइल को ''कड़ी सजा'' दी जाएगी: खामनेई

तेहरान, एजेंसी। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामनेई ने शुक्रवार को कहा कि उनके देश पर हमले के लिए इजराइल को ''कड़ी सज़ा'' दी जाएगी। ईरान की सरकारी सामाचार एजेंसी 'आईआरएनए' ने खामनेई के बयान को जारी किया। इसने पुष्टि की कि हमले में सेना के शीर्ष अधिकारी और वैज्ञानिक मारे गए हैं। खामनेई ने कहा कि उनके देश में हुए इस अपराध में ''इजराइल के शैतानी और रक्त-रंजित हाथ शामिल हैं''। उन्होंने कहा कि इजराइल ने आवासीय इलाकों पर हमला करके अपनी दुर्भावनापूर्ण प्रकृति को उजागर किया है।

ईरान का इजराइल पर जवाबी हमला :100 से ज्यादा ड्रोन दागे

तेहरान/तेल अवीव, एजेंसी। ईरान ने इजराइल पर जवाबी हमले में 100 से ज्यादा ड्रोन दागे हैं। इजराइल डिफेंस फोर्सेस ने कहा है कि ये ड्रोन अगले 1 से 2 घंटे में इजराइल पहुंच सकते हैं। टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक ढ्ढष्टस्न ने चेतावनी दी है कि ईरान जल्द ही एक बड़ा मिसाइल हमला कर सकता है। इससे पहले आज सुबह इजराइल ने ईरान पर 200 फाइटर जेट्स से हमला किया था। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, इजराइली सेना ने तेहरान के आसपास कम से कम 6 सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है। इन 6 में से 4 जगहों पर परमाणु ठिकाने भी मौजूद हैं। ईरान के सरकारी मीडिया ने पुष्टि की है कि इजराइली हमले में इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के कमांडर हुसैन सलामी की मौत हो गई है। अल-जजीरा के मुताबिक हमले में ईरान के दो प्रमुख परमाणु वैज्ञानिक मोहम्मद मेहदी तेहरांची और फरदून अब्बासी भी मारे गए हैं। इजराइल ने यह दावा किया है कि हमले में ईरान के आर्मी चीफ मोहम्मद बाघेरी, सेना के अन्य बड़े अधिकारी और कुछ वरिष्ठ परमाणु वैज्ञानिक भी मारे गए हैं। इस बीच, ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खामनेई ने कहा कि हमारी सेना इजराइल को सजा दिए बिना नहीं जाने देगी।

उत्तर-पश्चिमी कांगो में नौका डूबने से 30 लोगों की मौत

किंशासा , एजेंसी। मध्य अफ्रीकी देश कांगो के उत्तर-पश्चिमी इक्वेटर प्रांत में खराब मौसम के कारण एक नौका के डूब जाने से कई छात्रों सहित कम से कम 30 यात्रियों की मौत हो गई। स्थानीय लोगों और मीडिया ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। कई लोग अभी भी लापता हैं, जिनकी तलाश जारी है। क्षेत्रीय प्रशासक जस्टिन मपुतु ने स्थानीय मीडिया को बताया कि नौका बिकोरो क्षेत्र में टुम्बा झील के किनारे ग्रामीणों और सामान को ले जा रही थी, जब बुधवार देर रात यह डूब गई। उन्होंने बताया कि 30 शव बरामद कर लिए गए हैं, जबकि कई अन्य लोग लापता हैं।

अमेरिकी सांसदों ने एअर इंडिया विमान दुर्घटना पर शोक व्यक्त किया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सांसदों ने बृहस्पतिवार को हुई एअर इंडिया विमान दुर्घटना पर संवेदना व्यक्त की है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि वाशिंगटन इस घटनाक्रम पर नजर बनाए हुए है और प्रभावित लोगों की मदद के लिए काम कर रहे आपातकालीन कर्मियों के साथ खड़ा है। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की सदस्य ग्रेस मेंग ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि वह भारत में हुए घातक विमान हादसे के बारे में जानकर बहुत दुखी हैं। सांसद ब्रायन फिट्जपैट्रिक, न्यूयॉर्क राज्य से सीनेटर जेरेमी कूनी और सांसद राजा कृष्णमूर्ति समेत अमेरिका के कई सांसदों एवं संस्थाओं ने भी इस दुर्घटना पर दुख व्यक्त किया। लंदन के गैटविक जा रहा एअर इंडिया का विमान बृहस्पतिवार दोपहर अहमदाबाद हवाई अड्डे से उड़ान भरने के कुछ ही मिनट बाद एक आवासीय इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

ईरान पर हमले के बाद पीएम बेंजामिन नेतन्याहू की दो टूक, कहा- हमने सबक सिखाया, खतरे को कम किया

तेल अवीव, एजेंसी। ईरान पर किए गए हमले की इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि हमारे हमले का उद्देश्य ईरान के परमाणु और बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम के खतरे को कम करना है। हमें उम्मीद है कि ईरान को करारा सबक सिखाया गया है। उम्मीद है कि यह अब दोबारा नहीं होगा।

खतरे के खत्म न होने तक जारी रहेगा ऑपरेशन राइजिंग लायन : इस्राइल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने ऑपरेशन राइजिंग लायन शुरू करने का एलान किया। उन्होंने कहा कि इस्राइल ने ईरानी ठिकानों पर हमला किया है। कुछ ही समय पहले इस्राइल ने ऑपरेशन राइजिंग लॉयन शुरू किया, जो इस्राइल के अस्तित्व के लिए ईरानी खतरे को कम करने के लिए सैन्य अभियान था। उन्होंने कहा कि यह मिशन खतरे को खत्म करने के लिए जितने दिन लगेंगे, उतने दिन तक जारी रहेगा।

वैश्विक चेतावनियों को नजरअंदाज कर रहा ईरान : उन्होंने ईरान पर वैश्विक चेतावनियों को दरकिनार करते हुए परमाणु हथियार कार्यक्रम को आगे बढ़ाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों में ईरान ने नौ परमाणु बमों के लिए पर्याप्त संवर्धित यूरेनियम का उत्पादन किया है। उन्होंने चेतावनी दी कि तेहरान ने यूरेनियम को हथियार बनाने के लिए कदम उठाए हैं। और कुछ ही महीनों में परमाणु हथियार विकसित कर सकता है। उन्होंने मौजूदा हालात की तुलना द्वितीय विश्व युद्ध की प्रस्तावना से

की। नेतन्याहू ने कहा कि अस्सी साल पहले यहूदी लोग नाजी शासन द्वारा किए गए नरसंहार के शिकार थे। आज यहूदी राज्य ईरानी शासन द्वारा किए गए परमाणु नरसंहार का शिकार होने से इनकार करता है।

परमाणु ठिकानों पर किया हमला : नेतन्याहू ने घोषणा की कि प्रधानमंत्री के रूप में मैंने इसे बार-बार स्पष्ट कर दिया है। इस्राइल उन लोगों को कभी भी यह लक्ष्य हासिल करने के साधन विकसित करने की अनुमति नहीं देगा जो हमारे विनाश का आह्वान करते हैं। इस्राइल उन शब्दों को कार्रवाई के साथ समर्थन देता है। हमने ईरान के परमाणु संवर्धन कार्यक्रम के केंद्र पर हमला किया। हमने ईरान के परमाणु हथियारीकरण कार्यक्रम के केंद्र पर हमला किया। हमने नतांज़ में ईरान की मुख्य संवर्धन सुविधा को निशाना बनाया। हमने ईरानी बम पर काम कर रहे ईरान के प्रमुख परमाणु वैज्ञानिकों को निशाना बनाया। हमने ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम के केंद्र पर भी हमला किया।

ईरान के मिसाइल विकास को लेकर चेताया : इस्राइल के पीएम ने ईरान के मिसाइल विकास से बढ़ते खतरों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि पिछले साल ईरान ने इस्राइल पर 300 बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। इनमें से प्रत्येक मिसाइल में एक टन विस्फोटक होता है और इससे सैकड़ों लोगों की जान को खतरा है। ये मिसाइलें परमाणु पेलोड ले जा सकती हैं, जिससे सैकड़ों नहीं, बल्कि लाखों लोगों की जान को खतरा हो सकता है। ईरान तीन साल के भीतर 10,000 बैलिस्टिक मिसाइलें बनाने की तैयारी कर रहा है। अगर न्यूजर्सी के आकार के देश पर 10,000 टन टीएनटी गिरे। यह एक असहनीय खतरा है। इसे रोका जाना चाहिए।

हमारे लोग और सैनिक शेर की तरह : नेतन्याहू ने कहा कि ईरान की इस्राइल को नष्ट करने की नई योजना में देश को क्षेत्रीय प्रॉक्सी के साथ घेरना और सीधे हमले करना शामिल है। लेकिन इस्राइल के लोग और सैनिक हमारे देश की रक्षा के लिए शेरों की तरह उठ खड़े हुए। हमने हमास को कुचल दिया। हमने हिजबुल्ला को तबाह कर दिया। हमने सीरिया और यमन में ईरानी प्रॉक्सी को मारा। जब ईरान ने पिछले साल दो बार हम पर सीधा हमला किया, तो हमने ईरान के अंदर ही जवाबी हमला किया। फिर भी खुद की रक्षा करते हुए हम दूसरों की भी रक्षा करते हैं।

हिजबुल्ला को खत्म किया, सीरिया में असद शासन का अंत किया : उन्होंने कहा कि इस्राइल की कार्रवाई उसकी सीमाओं से परे तक फैली हुई है। हम अपने अरब पड़ोसियों की रक्षा करते हैं। वे भी ईरान के अराजकता और नरसंहार के अभियान से पीड़ित हैं। ईरान के प्रॉक्सी हिजबुल्ला के खिलाफ हमारी कार्रवाई से लेबनान में एक नई सरकार की स्थापना हुई और सीरिया में असद के हत्यारे शासन का पतन हुआ। उन दोनों देशों के लोगों के पास अब एक अलग और बेहतर भविष्य का मौका है।

ईरानियों से बोलेः हमारी लड़ाई आपसे नहीं : ईरानियों को संबोधित करते हुए नेतन्याहू ने कहा कि हमारी लड़ाई आपसे नहीं है। हमारी लड़ाई उस क्रूर तानाशाही से है जिसने 46 वर्षों तक आप पर अत्याचार किया है। मेरा मानना है कि आपकी मुक्ति का दिन निकट है। जब ऐसा होगा तो हमारे दो प्राचीन लोगों के बीच महान मित्रता एक बार फिर पनपेगी। हम दुनिया के सबसे खतरनाक शासन को दुनिया के सबसे खतरनाक हथियार नहीं मिलने देंगे। ईरान उन परमाणु हथियारों को अपने आतंकवादी सहयोगियों को देने की योजना बना रहा है। इससे परमाणु आतंकवाद का दुःस्वप्न और भी वास्तविक हो जाएगा। ईरान की बैलिस्टिक मिसाइलों की बढ़ती रेंज उस परमाणु दुःस्वप्न को यूरोप के शहरों और अंततः अमेरिका तक ले आएगी। नेतन्याहू ने कहा कि ईरान इस्राइल को छोटा शैतान कहता है। वह अमेरिका को बड़ा शैतान कहता है। इसलिए दशकों से उसने लाखों लोगों को इस्राइल और अमेरिका के लिए मौत के नारे लगाने के लिए प्रेरित किया है।

किसी भी समस्या का समाधान कर सकता हूं, भारत और पाकिस्तान को एक साथ ले आऊंगाः ट्रंप

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बृहस्पतिवार को कहा कि कश्मीर को लेकर भारत और पाकिस्तान के बीच लंबे समय से दुश्मनी रही है और वह दोनों देशों को एक साथ ले आएंगे। ट्रंप ने दावा किया कि वह किसी भी समस्या का समाधान कर सकते हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस' में एक विधेयक पर हस्ताक्षर के लिए आयोजित समारोह में ट्रंप ने एक सवाल के जवाब में कहा, हम उन दोनों (भारत और पाकिस्तान) को एक साथ लाने जा रहे हैं। मैंने उनसे-भारत और पाकिस्तान से कहा कि कश्मीर को लेकर दोनों देशों के बीच लंबे समय से दुश्मनी है और मैं कुछ भी हल कर सकता हूं। भारत लगातार यह कहता रहा है कि कश्मीर एक द्विपक्षीय मुद्दा है और इसमें किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता की कोई गुंजाइश नहीं है। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने दोनों देशों से पूछा कि यह दुश्मनी कब से चली आ रही है, तो उन्होंने कहा 2,000 साल से, जिस पर उन्होंने (ट्रंप ने) मुस्कुराते हुए जवाब दिया, ओह, यह एक बड़ी समस्या है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने फोन पर बातचीत और व्यापार के जरिये भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष रुकवाने का अपना दावा दोहराया। उन्होंने कहा, मैंने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध रोका, मैंने इसे व्यापार के जरिये रोका। मुझे नहीं लगता कि मैंने इसके बारे में कभी कोई खबर लिखी हुई देखी है, लेकिन यह बहुत, बहुत बढ़िया था। वे तैयारी कर रहे थे। ट्रंप ने कहा कि हमला करने की बारी पाकिस्तान की थी और अंततः वे परमाणु हथियारों का रुख करते। उन्होंने कहा, लेकिन मैंने इसे रोक दिया। मैंने दोनों से बात की, मैं दोनों देशों के नेताओं का बहुत सम्मान करता हूं। मैं उन्हें जानता हूं और मैंने उनसे बात की। मैंने व्यापार के बारे में बात की। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के नेताओं से कहा कि अगर आप युद्ध में उलझेंगे, एक-दूसरे पर परमाणु हथियार दागेंगे, तो आप अमेरिका के साथ व्यापार नहीं कर पाएंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, मैंने यह बात उन दोनों (भारत और पाकिस्तान के नेताओं) से कही। उन्होंने मेरी बात को बखूबी समझ लिया और (संघर्ष) रोक दिया।

कैलिफोर्निया से तकरार तेजः ट्रंप ने रोका गैस संचालित कारों पर बैन, इलेक्ट्रिक कारों की क्षमता पर भी उठाए सवाल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और कैलिफोर्निया की सरकार के बीच तकरार दिन-प्रतिदिन और गहराता ही जा रहा है। इसी बीच ट्रंप ने गुरुवार को एक ऐसा प्रस्ताव साइन किया, जिससे कैलिफोर्निया में 2035 तक नई गैस से चलने वाली कारों की बिक्री पर बैन लगाने का कानून रुक गया। ट्रंप ने इस कानून को पागलपन भरा और देश के लिए विनाशकारी बताया। बता दें कि राष्ट्रपति ट्रंप ने व्हाइट हाउस में एक कार्यक्रम के दौरान तीन अहम प्रस्तावों पर हस्ताक्षर किए, जिसमें कैलिफोर्निया के गैस कारों पर बैन को रोकना, भारी ट्रकों से निकलने वाले धुएं पर लगाम के नियम हटाना और टेलपाइप से होने वाले प्रदूषण को कम करने वाली नीतियों को खत्म करना शामिल है। इतना ही नहीं व्हाइट हाउस में ट्रंप ने इलेक्ट्रिक कारों की क्षमता और भरोसे पर सवाल उठाए, लेकिन एलन मस्क की कंपनी के लिए कुछ सकारात्मक बातें भी कहीं, हालांकि दोनों के रिश्ते हाल में तनावपूर्ण रहे हैं। ट्रंप के प्रस्ताव पर दस्तखत होने से पहले ही कैलिफोर्निया के अटॉर्नी जनरल रॉब बॉन्टा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि राज्य इस कदम को अदालत में चुनौती देगा। उन्होंने कहा कि ये फैसले न सिर्फ अवैध हैं, बल्कि राजनीतिक बदले की भावना से भरे हुए हैं।

हेगसेथ बोले- जरूरत पड़ने पर ग्रीनलैंड-पनामा पर कब्जा करेंगे, सिग्नल चैट के इस्तेमाल पर जवाब देने से इनकार

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कहा कि जरूरत पड़ने पर पेंटागन ने ग्रीनलैंड और पनामा पर बलपूर्वक कब्जा करने की योजना बनाई है। कांग्रेस की तीखी बहस के दौरान बृहस्पतिवार (स्थानीय समयानुसार) को जब उनसे सिग्नल चैट के इस्तेमाल के बारे में पूछा गया तो उन्होंने जवाब देने से इनकार कर दिया। अमेरिकी संसदीय समिति- हाउस आर्म्ड सर्विसेज कमेटी की बैठक के दौरान डेमोक्रेटिक सदस्यों ने हेगसेथ से कई तीखे सवाल पूछे। सबसे कठिन सवाल सैन्य दिग्गजों की ओर से पूछे गए। इस दौरान हेगसेथ ने पेंटागन प्रमुख के रूप में अपने कार्यों के बारे में पूछे गए कई सवालों के सीधे जवाब देने से बचने की कोशिश की, जिससे बहस और तेज हो गई। हमारा काम संभावित स्थिति के लिए योजना बनानाः हेगसेथ प्रतिनिधि एडम स्मिथ ने हेगसेथ से जब पूछा कि क्या पेंटागन ने ग्रीनलैंड या पनामा पर जबरन कब्जा करने की कोई योजना बनाई है, तो उन्होंने जवाब दिया, हमारा काम हर संभावित स्थिति के लिए योजना बनाना होता है। हेगसेथ के गोलमोल जवाब पर सांसद टर्नर ने किया हस्तक्षेप यह सामान्य बात है कि पेंटागन कई ऐसे संघर्षों की योजना बनाता है जो हो भी सकते हैं और नहीं भी। लेकिन जब हेगसेथ ने इस पर बार-बार गोलमोल जवाब दिए, तो एक

रिपब्लिकन सांसद माइक टर्नर ने हस्तक्षेप किया। उन्होंने कहा, आपकी गवाही का मतलब यह नहीं है कि पेंटागन ग्रीनलैंड पर हमला करने की तैयारी कर रहा है, सही है? हम ग्रीनलैंड के साथ मिलकर काम करना चाहते हैंः हेगसेथ जैसे ही हेगसेथ ने आकस्मिक योजनाओं के बारे में फिर से वही जवाब दोहराया, तो टर्नर ने जोर देकर कहा, मुझे उम्मीद है कि आप ऐसा ही कहेंगे। इस पर हेगसेथ ने जवाब दिया, हम ग्रीनलैंड के साथ मिलकर काम करना चाहते हैं ताकि वो किसी भी संभावित खतरे से सुरक्षित रहे। डेमोक्रेट्स की नाराजगी और तीखे आरोप बार-बार सांसदों ने हेगसेथ पर कई सवालों के जवाब नहीं देने का आरोप लगाया, खासकर कैपिटल हिल परपिछले दो दिनों की सुनवाई में। इस दौरान सांसद सालुद कार्बाजल इतने नाराज हो गए कि उन्होंने कहा, आप इस देश के लिए शर्म की बात हैं। आप नेतृत्व के लायक नहीं हैं। आपको तुरंत इस्तीफा दे देना चाहिए।

सिग्नल चैट पर गोपनीय जानकारी के सवाल तीखी बहस

हेगसेथ पर आरोप है कि उन्होंने दो सिग्नल चैट का इस्तेमाल कर यमन में किए जाने वाले अमेरिकी हमलों की जानकारी अपने परिवार और कुछ अधिकारियों के साथ साझा की। इस पर सवाल उठे कि क्या उन्होंने गोपनीय जानकारी लीक की है? इस पर हेगसेथ ने जवाब दिया कि उन्होंने जो भी जानकारी साझा की, वह गोपनीय नहीं थी। लेकिन सांसद सेठ मौलटन (जो खुद मरीन सेना में रह चुके हैं) ने कहा, आपको अच्छी तरह पता होना चाहिए कि कौन-सी जानकारी गोपनीय है। हेगसेथ ने अपने जवाब में कहा कि जो बात साफ है वो ये कि ये एक सफल सैन्य अभियान था।

दुख की घड़ी में हैं भारत के साथ, अहमदाबाद में हुए विमान हादसे पर दुनिया भर के नेताओं ने जताया शोक

वाशिंगटन, एजेंसी। गुजरात के अहमदाबाद में गुरुवार को हुए विमान हादसे ने पूरी दुनिया को झकझोर कर रख दिया है। दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा और इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी सहित कई देशों के राष्ट्राध्यक्षों ने शोक व्यक्त किया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर रामफोसा ने लिखा, दक्षिण अफ्रीका की संवेदनाएं भारत, ब्रिटेन, पुर्तगाल और कनाडा की सरकारों और लोगों के साथ हैं, जिन्होंने अहमदाबाद में आज (गुरुवार को) हुए हृदय विदारक हवाई हादसे में अपने नागरिकों को खो दिया। हम आपके दुख में शामिल हैं और शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हैं। जॉर्जिया मेलोनी ने एक्स पर लिखा, अहमदाबाद में हुए दुखद विमान हादसे से बहुत दुखी हूं। इटली सरकार और अपनी ओर से मैं पीड़ितों के परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करती हूं और इस दुख की घड़ी में भारतीय लोगों के साथ अपनी पूरी एकजुटता व्यक्त करती हूं। यूरोपियन

कमीशन के अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने कहा, भारत से अहमदाबाद में विमान दुर्घटना की दुखद खबर आई है। इस भयानक क्षति के पीड़ित परिवारों और प्रियजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदना है। हम आपके दर्द को साझा करते हैं। यूरोप इस दुख की घड़ी में भारत के लोगों के साथ एकजुटता से खड़ा है। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने भी हादसे पर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा, अहमदाबाद में 242 यात्रियों को ले जा रहे एयर इंडिया विमान की दुखद दुर्घटना से स्तब्ध हूं। हम सभी शोक संतप्त लोगों और उनके परिवारों के लिए प्रार्थना में शामिल हैं। बांग्लादेश इस कठिन समय में भारत के लोगों और सरकार के साथ एकजुटता में खड़ा है। श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमरा दिसानायके ने कहा, अहमदाबाद के पास एयर इंडिया की उड़ान एआई171 के दुर्घटनाग्रस्त होने से बहुत दुखी हूं। हम विमान में सवार सभी प्रभावित लोगों के परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हैं। नागरिक का हताहत होना भी उतना ही दुखद है, जिनमें युवा मेडिकल छात्र भी शामिल हैं, जिनका जीवन और भविष्य इस त्रासदी से प्रभावित हुआ है। इस गहरे दुख की घड़ी में, श्रीलंका के लोग भारत के साथ एकजुटता में खड़े हैं। भारत स्थित ईरानी दूतावास में विमान हादसे में जान गंवाने वाले लोगों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई। दूतावास के बयान में कहा गया, इस्लामी गणराज्य ईरान यात्री विमान की दुखद दुर्घटना पर अपना गहरा दुख और हार्दिक संवेदना व्यक्त करता है। हम भारत सरकार और भारत के लोगों, विशेष रूप से पीड़ितों के शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हैं।

लॉस एंजिलिस में विरोध प्रदर्शन के दौरान नेशनल गार्ड की तैनाती अवैध; संघीय जज का आदेश

सैन फ्रांसिस्को, एजेंसी। लॉस एंजिलिस में आव्रजन के विरोध में चल रहे प्रदर्शनों के दौरान नेशनल गार्ड की तैनाती के फैसले को संघीय अदालत ने खारिज कर दिया है। संघीय न्यायाधीश ने एक आदेश में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को कैलिफोर्निया से नेशनल गार्ड हटाने के लिए कहा है। आदेश में कहा गया कि गार्ड की तैनाती अवैध है। यह 10वें संशोधन का उल्लंघन है तथा ट्रंप के वैधानिक अधिकार का अतिक्रमण है। अमेरिकी जिला न्यायाधीश चार्ल्स ब्रेयर ने कहा कि आव्रजन दमन के विरोध में शुरू हुए विरोध प्रदर्शनों के बाद ट्रंप ने लॉस एंजिलिस में करीब चार हजार नेशनल गार्ड की तैनाती का आदेश देकर अपनी सीमा का अतिक्रमण किया है। कोर्ट ने कहा कि ट्रंप ने पहले ही गार्ड को उचित तरीके से नहीं बुलाया था। जज ने कहा कि इस देश की स्थापना एक राजा के प्रति सम्मान के रूप में की गई थी, और संविधान सीमाओं का एक दस्तावेज है। मैं यह पता लगाने का प्रयास कर रहा हूं कि सीमाएं कहां खींची गई हैं? कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसम ने नेशनल गार्ड की तैनाती को रोकने के लिए मुकदमा दायर किया था। उन्होंने आपातकालीन याचिका दायर कर जज से गार्ड को आव्रजन छापों में सहायता करने से रोकने का अनुरोध किया। गवर्नर ने तर्क दिया कि सैनिकों को संघीय भवनों की सुरक्षा के लिए तैनात किया गया था। कोर्ट से अपील की गई थी

कि सैनिकों को छापों के दौरान आव्रजन एजेंटों की सुरक्षा करने से रोके। उन्होंने कहा कि गार्ड को शामिल करने से केवल तनाव बढ़ेगा और नागरिक अशांति को बढ़ावा मिलेगा। मेजर जनरल स्कॉट शेरमैन ने कहा कि बुधवार तक लगभग 500 गार्ड सैनिकों को आव्रजन अभियानों में एजेंटों के साथ जाने के लिए प्रशिक्षित किया गया है। एजेंटों को सुरक्षा प्रदान करने वाले गार्ड सैनिकों की तस्वीरें आव्रजन अधिकारियों द्वारा पहले ही प्रसारित की जा चुकी हैं। शेरमैन टास्क फोर्स 51 के कमांडर हैं, जो लॉस एंजिलिस में भेजे गए गार्ड सैनिकों और मरीन की देखरेख कर रहे हैं। बता दें कि ट्रंप प्रशासन ने हालिया विरोध प्रदर्शनों के बाद लॉस एंजिलिस में 4,000 नेशनल गार्ड और 700 मरीन तैनात किए हैं। मामले में ट्रंप प्रशासन का कहना है कि ये तैनाती फेडरल इमारतों और कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए है।

इजराइल ने ईरान के 4 एटमी ठिकाने तबाह किएः 2 सैन्य अड्डे भी बर्बाद, सेना प्रमुख, स्पेशल फोर्स चीफ और दो परमाणु वैज्ञानिकों की मौत

तेहरान, एजेंसी। इजराइल ने शुक्रवार सुबह ईरान के एटमी और दूसरे सैन्य ठिकानों पर बड़ा हमला किया है। इसमें ईरान के 2 बड़े सैन्य अधिकारी और 2 परमाणु वैज्ञानिक मारे गए हैं। एक सीनियर ईरानी अधिकारी ने न्यूयॉर्क टाइम्स को बताया कि राजधानी तेहरान में शाहरक शाहिद महालती नामक जगह पर हमला हुआ। यहां पर हाई रैंक वाले ईरानी सैन्य अफसर रहते हैं। हमले में 3 इमारतें तबाह हो गई हैं। एक इजराइली सैन्य अधिकारी ने दावा किया कि ईरान गुपचुप तरीके से परमाणु हथियार बना रहा है और उसके पास कुछ ही दिनों में 15 परमाणु बम बनाने लायक सामग्री है। इसे रोकने के लिए यह हमला किया गया। इजराइल के हमले में ईरान के अर्धसैनिक बल 'रिवोल्यूशनरी गार्ड' के प्रमुख जनरल हुसैन सलामी की मौत हो गई। देश के सरकारी टेलीविजन ने अपनी खबर में यह जानकारी दी। टेलीविजन में समाचार प्रस्तोता ने एक बयान पढ़ा जिसमें कहा गया, ''जनरल हुसैन सलामी की हत्या कर दी गई है।'' हालांकि बयान में इसके अलावा कोई जानकारी नहीं दी गई। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि इजराइल ने ईरान के परमाणु और सैन्य स्थलों, उसके परमाणु कार्यक्रम का नेतृत्व करने वाले अधिकारियों और उसके बैलिस्टिक मिसाइल शस्त्रागार को निशाना बनाया है।

उन 6 जगहों के बारे में जानिए जहां हमला हुआ

1. नतांज- ईरान का मेन परमाणु फैसिलिटी सेंटर : हमला क्यों हुआ- यहां एडवांस सेंट्रीफ्यूज लगे हैं जो यूरेनियम को हथियार-योग्य स्तर तक ले जा सकते हैं। इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने इसे ईरान का सबसे बड़ा परमाणु खतरा बताया। आईएईए रिपोर्ट- साइट को भूमिगत 7.6 मीटर मोटी दीवार से ढका गया था, लेकिन फिर भी हमले में मुख्य ट्रांसफॉर्मर को नुकसान हुआ।

2. तेहरान- ईरान की राजधानी, कई अहम मिलिट्री ठिकाने : ईरान की राजधानी, जहां प्रमुख सैन्य और परमाणु अधिकारी रहते हैं। यहां पर आईआरजीसीकमांडर हुसैन सलामी, सेनाध्यक्ष मोहम्मद बघेरी और परमाणु वैज्ञानिकों के ठिकानों पर हमला किया गया। हमला क्यों हुआ- इजराइल ने नेतृत्व पर सीधा हमला कर यह जताया कि वो ईरान के सबसे सुरक्षित केंद्रों तक पहुंच सकता है।

3. इस्फहान- परमाणु टेक्नोलॉजी सेंटर : इस शहर में यूरेनियम कन्वर्जन फैसिलिटी है, जहां कच्चे यूरेनियम को गैस में बदला जाता है। यहां न्यूक्लियर फैसिलिटी की शुरुआत साल 1999 में हुई। इस शहर में ईरान का एक बड़ा एयरबेस भी है, यहां पुराने अमेरिकी स्न-14 टॉमकैट फाइटर जेट रखे गए हैं, जो ईरान ने 1979 की क्रांति से पहले खरीदे थे। माना जा रहा है कि इस बार के हमले में एयरबेस पर स्थित एक रडार केंद्र को निशाना बनाया गया था। इस्फहान में हथियार बनाने वाली फैक्ट्रियां भी हैं, जिनमें से एक पर पिछले साल भी इजराइल ने हमला किया था। इस बार 3 ड्रोन से यहां हमला हुआ। ईरानी अधिकारियों ने कहा कि दो ड्रोन मार गिराए गए और एक ने फैक्ट्री की छत को थोड़ा नुकसान पहुंचाया।

हमला क्यों हुआ- ईरान की वायुसेना और रक्षा सिस्टम को कमजोर करना और हिजबुल्लाह जैसे संगठनों को हथियार मिलने से रोकना।

4. अराक- हैवी वाटर रिएक्टर : अराक में हैवी वाटर रिएक्टर है। इससे प्लूटोनियम बन सकता है। यह परमाणु हथियार बनाने का एक और तरीका है। हमला क्यों हुआ- ईरान के एटमी प्रोग्राम के दूसरे रास्ते को भी रोकना।

5. तबरीज- न्यूक्लियर रिसर्च सेंटर, सैन्य बेस और एक बड़ा तेल रिफाइनरी : ईरान के अजरबैजान प्रांत की राजधानी है। यहां कई मिलिट्री वेयरहाउस, मिसाइल प्रोडक्शन यूनिट और ढ्ढक्रत्रष्ट से जुड़े ठिकाने हैं। हमला क्यों हुआ- सैन्य और आर्थिक ढांचे को कमजोर करना।

6. करमनशाह- यूरेनियम कन्वर्जन फैसिलिटी : ईरान के मिसाइल बेस और औद्योगिक कॉम्प्लेक्स इराक सीमा के पास हैं।

हमला क्यों हुआ- अक्टूबर 2024 के ईरानी मिसाइल हमलों के बाद, करमनशाह से संभावित जवाबी हमलों को रोकना।

मुकेश अंबानी से क्या टक्कर ले पाएंगे एलन मस्क?

स्टारलिंक की इंटरनेट सर्विस के दाम से लग जाएगा अंदाजा

नई दिल्ली, एजेंसी। एलन मस्क की कंपनी स्टारलिंक भारत में जल्द ही अपनी सेवाएं शुरू करने वाली है। स्टारलिंक को भारत सरकार से लाइसेंस मिल गया है। अगले दो महीनों में कंपनी भारत में काम शुरू कर देगी। स्टारलिंक भारत के दूरदराज के इलाकों में इंटरनेट पहुंचाएगी। कंपनी ग्राहकों को एक महीने का फ्री ट्रायल भी देगी। कंपनी का लक्ष्य उन क्षेत्रों में कनेक्टिविटी को बेहतर बनाना है जहां अभी तक इंटरनेट नहीं है। हालांकि, जिस कीमत पर मुकेश अंबानी की जियो भारत में अभी इंटरनेट सेवाएं दे रही है, उसके मुकाबले में मस्क की सिर्विसेज बहुत महंगी दिख रही हैं। दोनों के डिवाइस कॉस्ट और मंथली सब्सक्रिप्शन प्लान में भी जमीन आसमान का अंतर है।

स्टारलिंक तीसरी कंपनी है जिसे दूरसंचार विभाग से सैटेलाइट इंटरनेट सेवा के लिए लाइसेंस मिला है। इससे पहले यूटेलसैट की

वनवेब और रिलायंस जियो को भी भारत में सेवाएं देने की मंजूरी मिल चुकी है। मस्क की कंपनी ग्राहकों को लुभाने के लिए एक खास ऑफर लेकर आ रही है। कंपनी हर डिवाइस की खरीद पर एक महीने का फ्री ट्रायल देगी। इससे ग्राहक सेवा शुरू करने से पहले उसे इस्तेमाल करके देख सकेंगे। अगर ग्राहकों को सेवा पसंद आती है तो वे हर महीने का प्लान ले सकते हैं। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, स्टारलिंक ने भारत में अपने प्लान की कीमत भी तय कर दी है। सैटेलाइट डिश डिवाइस की कीमत लगभग 33,000 रुपये होगी। ग्राहकों को हर महीने अनलिमिटेड डेटा के लिए 3,000 रुपये देने होंगे। स्टारलिंक का मुख्य उद्देश्य भारत के उन दूरदराज के इलाकों में इंटरनेट पहुंचाना है जहां अभी तक पारंपरिक ब्रॉडबैंड नहीं पहुंच पाया है। स्टारलिंक के सैटेलाइट पृथ्वी की कक्षा में घूमते हैं। ये सैटेलाइट उन इलाकों में भी हाई-स्पीड इंटरनेट पहुंचा सकते हैं जहां अभी तक इंटरनेट नहीं है। स्टारलिंक की कीमत पड़ोसी देशों के बराबर ही है। बांग्लादेश और भूटान में भी स्टारलिंक डिवाइस की कीमत 33,000 रुपये है। एलन मस्क की कंपनी अभी 100 से ज्यादा देशों में काम कर रही है। यह घरों और घूमने वाले लोगों, दोनों के लिए प्लान पेश करती है। फाइनेंशियल एक्सप्रेस के अनुसार, ज्यादातर जगहों पर घरों के लिए दो तरह के प्लान हैं: रेजिडेंशियल लाइट और रेजिडेंशियल। रेजिडेंशियल लाइट उन लोगों के लिए है जो कम इंटरनेट इस्तेमाल करते हैं। रेजिडेंशियल उन लोगों के लिए है जो ज्यादा इंटरनेट इस्तेमाल करते हैं।

काफी महंगी दिख रही हैं मस्क की सर्विसेज

स्टारलिंक की 33,000 रुपये की डिवाइस और 3,000 रुपये का मासिक सब्सक्रिप्शन इसे जियो की मौजूदा इंटरनेट सर्विसेज से बहुत महंगा बनाता है। भारत में मौजूदा ब्रॉडबैंड और 5जी नेटवर्क बहुत व्यापक और किफायती हैं। मुकेश अंबानी की जियो फाइबर-टू-द-होम (एफटीटीएच) तकनीक घरों तक ऑप्टिकल फाइबर केबल बिछाकर इंटरनेट पहुंचाती है। यह बहुत स्थिर और हाई-स्पीड इंटरनेट प्रदान करती है। जियोफाइबर के प्लान 399 रुपये से 1,499 रुपये प्रति माह तक शुरू होते हैं, जो स्टारलिंक से काफी सस्ते हैं। अक्सर इंस्टॉलेशन चार्ज सिक्योरिटी डिपॉजिट के तौर पर लिया जाता है या प्लान के साथ बंडल किया जाता है। यह स्टारलिंक की 33,000 रुपये के डिवाइस कॉस्ट से काफी कम है।

टाटा के शेयर पर एनालिस्ट चिंतित, दे दी चेतावनी

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा मोटर्स लिमिटेड के शेयर में आज गुरुवार को गिरावट देखी गई। कंपनी के शेयर आज 1.5 प्रतिशत तक की गिरावट के साथ 726.50 रुपये के इंट्रा डे लो पर आ गए। शेयरों में इस गिरावट के पीछे कुछ निगेटिव खबर है। दरअसल, ब्रोकरेज फर्म एचएसबीसी ने पैसेंजर और कमर्शियल वाहन निर्माताओं पर अपने लेटेस्ट नोट में चेतावनी दी है कि टाटा मोटर्स लिमिटेड को चार निगेटिव जोखिमों का सामना

करना पड़ सकता है, जिसमें स्थानीय मुद्रा में मजबूती से लेकर अधिक छूट तक शामिल है। **क्या है डिटेल-** एचएसबीसी ने टाटा मोटर्स पर 770 के टारगेट प्राइस के साथ होल्ड करने की सिफारिश की है, जो सोमवार के समापन स्तर से 5 प्रतिशत की संभावित बढ़त दिखाता है। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले ब्रिटिश पाउंड में तेजी। स्टर्लिंग में हर 1 प्रतिशत की तेजी के लिए, जगुआर लैंड रोवर के मार्जिन में 20 आधार अंकों की गिरावट आ सकती है। नए मॉडलों में अप्रत्याशित डिजाइन दोष ब्रांड की धारणा और बिक्री को नुकसान पहुंचा सकते हैं। अमेरिका, मेनलैंड चीन और यूरोप जैसे प्रमुख बाजारों में उम्मीद से अधिक प्रोत्साहन भी छूट के मार्जिन को नुकसान पहुंचा सकते हैं। टाटा मोटर्स की यूके इकाई, जगुआर लैंड रोवर, चालू वर्ष के लिए अपने दृष्टिकोण को साझा करने के लिए 16 जून को अपना निवेशक दिवस आयोजित करेगी। अंत में, रेंज रोवर के भीतर आगामी बैटरी इलेक्ट्रिक वाहनों की कम स्वीकृति, विशेष रूप से जगुआर ब्रांडों में, वॉल्यूम को नुकसान पहुंचा सकती है।

विजय केडिया ने लगाया अब इस कंपनी पर दांव, खरीद डाले 100000 शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। स्मॉलकैप कंपनी अद्वैत एनर्जी के शेयरों में तूफानी तेजी आई है। अद्वैत एनर्जी के शेयर गुरुवार को इंट्रा में 20 पर्सेंट की तेजी के साथ 1996 रुपये पर पहुंच गए हैं। दिग्गज निवेशक विजय केडिया ने कंपनी पर बड़ा दांव लगाया है। केडिया ने 1725 रुपये प्रति शेयर के भाव पर अद्वैत एनर्जी के 100000 शेयर खरीदे हैं। विजय केडिया ने अद्वैत एनर्जी के शेयर अपनी इनवेस्टमेंट फर्म केडिया सिक्योरिटीज प्राइवेट लिमिटेड के जरिए खरीदे हैं और यह हिस्सेदारी 17.25 करोड़ रुपये में खरीदी है। अद्वैत एनर्जी के 1 लाख शेयर खरीदने के साथ ही कंपनी में केडिया की

हिस्सेदारी 0.92 पर्सेंट हो गई है।

7200 प्रतिशत से ज्यादा उछले अद्वैत एनर्जी के शेयर- स्मॉलकैप कंपनी अद्वैत एनर्जी के शेयर पिछले पांच साल से भी कम में 7200 पर्सेंट से अधिक चढ़ गए हैं। कंपनी के शेयर 1 अक्टूबर 2020 को 25.68 रुपये पर थे। अद्वैत एनर्जी के शेयर 12 जून 2025 को 1996 रुपये पर पहुंच गए हैं। वहीं, पिछले चार साल में कंपनी के शेयरों में 700 पर्सेंट से अधिक की तेजी देखने को मिली है। कंपनी के शेयर 3 साल में 2000 पर्सेंट से अधिक उछल गए हैं। अद्वैत एनर्जी के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 2260 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 1020 रुपये है।

कंपनी का कारोबार- इलेक्ट्रिकल कंपनी अद्वैत एनर्जी का मार्केट कैप गुरुवार 12 जून 2025 को 2000 करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है।

5 मिनट में अमेरिका का कर्ज खत्म!

वॉरेन बफे ने बनाया खास प्लान? एलन मस्क ने भी किया सपोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका की सरकार लगातार बजट घाटे से जूझ रही है। सरकार हर साल अपनी कमाई से ज्यादा खर्च कर रही है। दोनों पार्टियों की कोशिशों के बावजूद, जून 2025 तक अमेरिका पर कर्ज बढ़कर 33.8 ट्रिलियन डॉलर हो गया है। और यह कर्ज कम होने का नाम नहीं ले रहा है। इस

आर्थिक संकट के बीच, मशहूर निवेशक वॉरेन बफे का एक सुझाव फिर से चर्चा में है। कई बड़े लोग इस सुझाव का समर्थन कर रहे हैं। बफे ने अमेरिका के घाटे को कम करने का एक आसान तरीका बताया था। उन्होंने कहा था, मैं 5 मिनट में घाटा खत्म कर सकता हूं। बस एक कानून पास कर दीजिए कि जब भी जीडीपी का 3 प्रतिशत से ज्यादा घाटा होगा, तो संसद के सभी सदस्य दोबारा चुनाव नहीं लड़ पाएंगे। यह पुराना इंटरव्यू फिर से वायरल हो गया है। वॉशिंगटन में जवाबदेही को लेकर बहस छिड़ गई है। टेस्ला के सीईओ और दुनिया के सबसे अमीर शख्स एलन मस्क ने भी इस पर अपनी सहमति जताई है।

क्यों बढ़ रहा कर्ज?

अर्थशास्त्रियों ने लंबे समय से घाटे और महंगाई के बीच के संबंध के बारे में चेतावनी दी है। नोबेल पुरस्कार विजेता मिल्टन फ्रीडमैन ने कहा था, महंगाई की वजह ज्यादा सरकारी खर्च और सरकार द्वारा ज्यादा पैसा छापना है, और कुछ नहीं। हाल के आंकड़े भी यही बताते हैं। साल 2024 में महंगाई 3.2 प्रतिशत तक पहुंच गई, जो फेडरल रिजर्व के 2 प्रतिशत के लक्ष्य से ज्यादा है। इसकी एक वजह सरकार की खर्चीली नीतियां भी हैं।

बुरे दौर में अमेरिकी अर्थव्यवस्था

इस समय अमेरिकी अर्थव्यवस्था बुरे दौर से गुजर रही है। वित्तीय वर्ष 2024 में, अमेरिका की जीडीपी 28.83 ट्रिलियन डॉलर थी।

वहीं, सरकार का खर्च 6.75 ट्रिलियन डॉलर था, जबकि कमाई 4.92 ट्रिलियन डॉलर थी। इस वजह से 1.83 ट्रिलियन डॉलर का घाटा हुआ, जो तकरीबन 6.3 प्रतिशत है। यह बफे के बताए गए 3 प्रतिशत के दोगुने से भी ज्यादा है।

सीनेटर ने शेयर किया वीडियो

यूटा के सीनेटर माइक ली ने इस वीडियो को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर करते हुए पूछा, क्या आप इस संशोधन का समर्थन करेंगे? इस पोस्ट पर बहुत से लोगों ने अपनी राय दी। एलन मस्क ने भी इसका समर्थन किया। उन्होंने लिखा, 100 प्रतिशत, यही सही तरीका है। अर्थशास्त्री पीटर शिफ ने भी इस पर अपनी राय दी। उन्होंने ट्वीट किया, बफे का प्लान सख्त है, लेकिन शानदार है। कांग्रेस को आखिरकार अपनी आर्थिक गलतियों का एहसास होगा। सीनेटर ली सिर्फ ऑनलाइन बातें नहीं कर रहे हैं, बल्कि वे इस पर काम भी कर रहे हैं। उन्होंने एक्स पर लिखा, मैं एक संवैधानिक संशोधन का मसौदा तैयार कर रहा हूं। इसके तहत जब भी महंगाई 3 प्रतिशत से ज्यादा होगी तो कांग्रेस के सभी सदस्यों को हटा दिया जाएगा।

स्टर्लाइट टेक्नोलॉजीज को बीएसएनएल से मिला बहुत बड़ा ठेका

नई दिल्ली, एजेंसी। गिरावट भरे मार्केट में स्टर्लाइट टेक्नोलॉजीज के शेयर आज बहुत तेजी से चढ़े। गुरुवार, 12 जून को स्टर्लाइट के शेयरों में दिन के भीतर ही 15.2 प्रतिशत की जबरदस्त बढ़त देखी गई। शेयर का भाव 88.70 प्रति शेयर तक पहुंच गया, जो पिछले 4 हफ्तों का सबसे ऊंचा स्तर है।

शेयर में तेजी की वजह- इसकी बड़ी वजह है कंपनी का एक बहुत बड़ा ठेका हासिल करना। कंपनी ने 11 जून को बताया कि उसने भारत संचार निगम लिमिटेड के साथ 2,631 करोड़ के एक टेलीकॉम प्रोजेक्ट का करार किया है। यह ठेका स्टर्लाइट ने दिलीप बिल्डकॉन के साथ मिलकर जीता है।

क्या काम करेगी कंपनी- यह प्रोजेक्ट भारतनेट के लिए है, और काम जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में होगा। स्टर्लाइट की अलग हुई कंपनी स्त्रारूनेटवर्क्स इस काम को संभालेगी। कंपनी को यहां पर एक मजबूत नेटवर्क बनाना है। इसे मिडिल-माइल नेटवर्क कहते हैं। इसमें डिजाइन करना, सामान पहुंचाना, निर्माण करना, लगाना, अपग्रेड करना और फिर उसे चलाना व मेनटेन करना शामिल है।

प्रोजेक्ट की अवधि

निर्माण काम पूरा होने में 3 साल लगेंगे। फिर उस नेटवर्क को 10 साल तक चलाने और देखभाल की जिम्मेदारी भी कंपनी की होगी। नए नेटवर्क के निर्माण पर लगभग 1,620 करोड़ खर्च होंगे। इस नए नेटवर्क को चलाने में 972 करोड़ का खर्च आएगा। पुराने मौजूदा नेटवर्क की देखभाल पर 38 करोड़ खर्च होंगे।

कच्चे तेल की कीमतें बढ़ी तो क्यों उछलने लगे इन ऑयल कंपनियों के शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। गिरावट भरे शेयर मार्केट में ओएनजीसी और आइल इंडिया के शेयरों में 4 प्रतिशत तक की तेजी आई। ऐसा कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों की वजह से हुआ। जब कच्चे तेल के दाम बढ़ते हैं, तो ओएनजीसी और ऑयल इंडिया जैसी कंपनियों को तेल बेचकर होने वाली कमाई बेहतर होने की उम्मीद बढ़ जाती है। ओएनजीसी का शेयर आज ?251.05 पर खुला और सुबह में ही ?255.15 के उच्चस्तर तक पहुंच गया।

क्यों बढ़े कच्चे तेल के दाम- हाल ही में मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव और सुरक्षा खतरों के कारण कच्चे तेल के दाम उछले हैं। अप्रैल में ब्रेंट क्रूड तेल की कीमत लगभग 61 डॉलर प्रति बैरल थी, जो अब बढ़कर 69 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई हैं। जियोजीत के एक्सपर्ट डॉ. वी.के. विजयकुमार ने कहा,तेल की कीमतों में यह उछाल मध्य पूर्व में खतरों की वजह से आया है। ओएनजीसी और आइल इंडिया के शेयरों पर इसका सकारात्मक असर दिख सकता है।

कमाते हैं 50 लाख.. फिर भी गरीबों जैसी क्यों जिंदगी?

बेंगलुरु के रहन-सहन पर सोशल मीडिया पर खूब बहस

बेंगलुरु, एजेंसी। यूं तो देश भर में महंगाई बढ़ ही रही है। सब्जी लेने के लिए भी बाजार निकलिए तो 500 का नोट मिनटों में उड़ जाते हैं।भारत की सिलिकॉन वैली के नाम से विख्यात बेंगलुरु में इन दिनों रहने का खर्च कुछ ज्यादा ही हो गया है। इस बीच बेंगलुरु में रहने-खाने का बढ़ा खर्च सोशल मीडिया पर बहस का विषय बन गया है। कभी यहां के टेक इंडस्ट्री में 50 लाख रुपये सालाना की सैलरी को बहुत अच्छा माना जाता था। लेकिन बढ़ती खर्च की वजह से कई लोग सोचने लगे हैं कि क्या इस सैलरी की वैल्यू पहले जैसी है भी या नहीं। एक व्यक्ति तो कह रहे हैं कि 50 लाख का वेतन अभी 10 लाख रुपये के बराबर लग रहा है।

एक्स पर आया पोस्ट- नेटीजन सौरव

दत्ता ने एक्स (पहले ट्विटर) पर एक पोस्ट किया। यह पोस्ट बहुत वायरल हो गया है। उन्होंने अपने पोस्ट में पूछा है कि क्या 50 एलपीए आज के समय में 25 एलपीए के बराबर है। उन्होंने लिखा, मैंने सुना है कि बेंगलुरु के आईटी सेक्टर में बहुत से लोग 50 एलपीए कमा रहे हैं। या तो वे अपनी सीटीसी को बढ़ा-चढ़ाकर बता रहे हैं, या फिर 50 एलपीए अब 25 एलपीए के बराबर हो गया है। क्या कोई टेक एक्सपर्ट इसकी पुष्टि कर सकता है?

लोगों की राय जुदा-जुदा- इस पोस्ट पर बहुत से लोगों ने अपनी राय दी। कई लोगों ने कहा कि अब इस सैलरी की उतनी वैल्यू नहीं रही जितनी पहले थी। एक यूजर ने कमेंट किया, 50 लाख तो अब 10 लाख के बराबर है। ज्यादातर लोग 1 करोड़ से ज्यादा कमा रहे हैं। एक अन्य यूजर ने कहा, अगर आप बेंगलुरु में 1 करोड़ से ज्यादा नहीं कमा रहे हैं तो यह समय बर्बाद करना है। बेहतर है कि आप यहां से चले जाएं। कुछ लोगों ने इस पर अलग राय दी। उन्होंने कहा कि 50 एलपीए की सैलरी अब ज्यादा देखने को मिलती है। लेकिन यह ज्यादातर अनुभवी या टॉप लेवल के प्रोफेशनल्स को ही मिलती है। एक यूजर ने कहा, एक तरह से हां, लेकिन यह सिर्फ टॉप लेवल के प्रोफेशनल्स के लिए है। कुछ लोगों ने यह भी कहा कि तुलना करते समय समय का ध्यान रखना जरूरी है। उन्होंने पूछा कि क्या हम 2005, 2015 या 2020 की बात कर रहे हैं।

इन-हैंड सैलरी बहत कम- कई लोगों ने सैलरी के अलग-अलग हिस्सों के बारे में बताया। एक यूजर ने कहा कि ज्यादा सैलरी में अक्सर स्टॉक ऑप्शंस या रेस्ट्रिक्टेड स्टॉक यूनिट्स शामिल होते हैं। ये कुछ समय बाद मिलते हैं। उन्होंने कहा, माइक्रोसॉफ्ट 50 एलपीए ऑफर करता है, लेकिन बेस सैलरी सिर्फ 16 लाख होती है। बाकी आरएसयू होते हैं जो 3-4 सालों में मिलते हैं।

भर्ती के तरीके भी बदले

भर्ती के तरीके में भी बदलाव आया है। एक यूजर ने कहा, इसे सामान्य नहीं माना जा सकता। इंफोसिस और टीसीएस जैसी कंपनियों में ज्यादातर एंट्री-लेवल सॉफ्टवेयर इंजीनियर 3-6 लाख रुपये सालाना से शुरुआत करते हैं। जीसीसी में यह नंबर 10-25 लाख रुपये सालाना तक जाती है। स्किल होने पर यह 30 लाख से 90 लाख तक पहुंच जाती है। अब इंडस्ट्री अनुभव के बजाय स्किल पर ज्यादा ध्यान दे रही है। जिसके पास एजेंटिक एआई का अनुभव है, वह इंडस्ट्री में 1 करोड़ से ज्यादा मांग सकता है।

पति-पत्नी की जोड़ी ने कर दिया कमाल

सिर्फ 2,000 रुपये से शुरू किया काम, अब करोड़ों का साम्राज्य

नई दिल्ली, एजेंसी। चेन्नई में एक दंपति ने मिलकर बड़ा काम किया है। उन्होंने सिर्फ 2,000 रुपये से शुरुआत करके बड़ा स्नैक का कारोबार खड़ा कर दिया है। इस कारोबार का नाम है स्वीट करम कॉफी। साल 2015 में नलिनी पार्थिबन और आनंद भारद्वाज ने अपने घर से ही पारंपरिक स्नैक्स बनाना शुरू किया था।

2022 तक उनकी कंपनी मिलियन-डॉलर की बन गई। हाल ही में उन्हें फायरसाइड वेंचर्स से 12.5 करोड़ रुपये (15 लाख डॉलर) की फंडिंग भी मिली है। नलिनी और आनंद की कहानी दिखाती है कि कैसे मेहनत और लगन से कोई भी बड़ा मुकाम हासिल कर सकता है। आइए, यहां नलिनी पार्थिबन और आनंद भारद्वाज की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

सिर्फ 2,000 रुपये से शुरुआत- नलिनी पार्थिबन और आनंद भारद्वाज को खाने का बहुत शौक था। एक बार चेन्नई में बारिश हो रही थी। तब उन्होंने महसूस किया कि बाजार में अच्छे स्नैक्स नहीं मिल रहे हैं। उन्हें ऐसे स्नैक्स की कमी महसूस हुई जो घर के बने हों और दादी-नानी के हाथों के स्वाद की याद दिलाएं। इसी सोच के साथ उन्होंने स्वीट करम कॉफी की शुरुआत की। साल 2015 में

दिवाली से ठीक पहले नलिनी और आनंद ने मिलकर स्वीट करम कॉफी शुरू की। बाद में उन्होंने इसे स्वीट करम कॉफी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के नाम से रजिस्टर कराया। इस काम में उनके साथ एस. सुंदररमन और वीरा राघवन भी शामिल थे। शुरुआत में उन्होंने सिर्फ 2,000 रुपये लगाए थे। लेकिन, 2022 तक उनकी कंपनी ने मिलियन डॉलर का आंकड़ा पार कर लिया।

पति-पत्नी ने छोड़ दी नौकरी

आनंद चेन्नई के रहने वाले हैं। उन्होंने हिंदुस्तान यूनिलीवर में काम किया है। उनके पास इंजीनियरिंग और एमबीए की डिग्री है। नलिनी पुणे और चेन्नई में पली-बढ़ी हैं। उन्होंने अन्ना यूनिवर्सिटी से बीटेक और एमबीए किया है। एंटरप्रेन्योर बनने से पहले वह रॉयल बैंक ऑफ स्कॉटलैंड और ड्यूछ्क एजुकेशन में काम कर चुकी हैं। नलिनी ने 2021 में और आनंद ने 2023 में नौकरी छोड़कर फुल टाइम बिजनेस शुरू किया। शुरुआत में नलिनी और आनंद दक्षिण भारतीय स्नैक्स बनाते थे। इनमें मद्रास मिक्सचर, अथिरसम और स्वीट मुरुकु जैसे 10 अलग-अलग आइटम शामिल थे। पहले वे खुद ही ऑर्डर लेते थे। मार्केटिंग और डिलीवरी भी अपने आप करते थे। उस समय उनकी टीम में सिर्फ चार लोग थे। लेकिन, अब उनकी टीम में 35 मेंबर हैं। पहले वे आसपास के ग्राहकों को ही सर्विस देते थे। लोग उन्हें फोन पर ऑर्डर देते थे। अखबारों में पर्चे बांटकर नलिनी और आनंद अपने बिजनेस का प्रचार करते थे।

लोन पर ब्याज में 0.5 प्रतिशत की बड़ी कटौती

एक साथ तीन बैंकों ने कर दिया ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी। सार्वजनिक क्षेत्र के यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, केनरा बैंक और इंडियन ओवरसीज बैंक ने कर्ज पर लगने वाले ब्याज दर में 0.5 प्रतिशत की कटौती की है। भारतीय रिजर्व बैंक के रेपो रेट में कटौती के बाद बैंकों ने यह कदम उठाया है। बता दें कि आरबीआई ने पिछले सप्ताह रेपो रेट को 0.5 प्रतिशत घटाकर 5.5 प्रतिशत कर दिया था। इसके साथ ही नकद आरक्षित अनुपात (सीआरआर) एक प्रतिशत कम कर तीन प्रतिशत करने की घोषणा की।

यूनियन बैंक ने कितनी की कटौती- यूनियन बैंक ने कहा कि बाह्य मानक आधारित ब्याज दर (ईबीएलआर) और रेपो आधारित ब्याज दर (आरएलएलआर) में 0.5 प्रतिशत की कटौती की गयी है। इस कटौती के साथ यूनियन बैंक ने हाल में आरबीआई के रेपो दर में कटौती के अनुरूप ईबीएलआर और आरएलएलआर से जुड़े कर्ज के लिए ब्याज दर में कमी कर दी है।

इंडियन ओवरसीज बैंक ने कितनी की कटौती- इसी तरह, इंडियन ओवरसीज बैंक (आईओबी) ने कहा कि बैंक की संपत्ति देनदारी प्रबंधन समिति (एएलसीओ) की बैठक में रेपो आधारित कर्ज पर देय ब्याज में 0.5 प्रतिशत की कटौती का निर्णय किया गया है।

संक्षिप्त

सगाई के बाद पहली बार ससुराल पहुंचे रिंकू सिंह

लखनऊ, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार रिंकू सिंह और समाजवादी पार्टी सांसद प्रिया सरोज की सगाई चर्चा के केंद्र में है। हर ओर सिर्फ इस खूबसूरत जोड़ी को लेकर ही बातें की जा रही है। सगाई के बाद पहली बार रिंकू सिंह के ससुराल पहुंचने पर जोरदार स्वागत हुआ। सास दरवाजे पर उनके लिए फूलों से भरा थाल लेकर आई। वहीं पत्नी प्रिया शर्म से लाल हो गई।

सोशल मीडिया पर रिंकू सिंह का वीडियो जमकर वायरल हो रहा है। उन्होंने 8 जून को सांसद प्रिया सरोज के साथ लखनऊ में सगाई की। दोनों की सगाई में क्रिकेट जगत की हस्ती सहित बड़े नेता शामिल हुए। 3 साल से दोनों एक दूसरे को जानते हैं। जानकारी के मुताबिक रिंकू सिंह और प्रिया सरोज की मुलाकात किसी दोस्त ने कराई थी 18 नवंबर 2025 को वाराणसी में दोनों शादी के बंधन में बंधने जा रहे हैं। पहली बार ससुराल पहुंचने उनका बहुत ही शानदार स्वागत हुआ।

अवनि हुलेनकोर्ट ओपन में दूसरे स्थान पर बरकरार

हुलेनकोर्ट (बेल्जियम), एजेंसी। भारत की अवनि प्रशांत लेडीज यूरोपीय टूर के हुलेनकोर्ट महिला ओपन गोल्फ में दूसरे स्थान पर बरकरार हैं। उन्होंने शुक्रवार को शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए दूसरे दौर में तीन अंडर 69 का कार्ड खेला। बेंगलुरु की 18 वर्षीय इस खिलाड़ी का कुल स्कोर अब सात अंडर पर है और वह शीर्ष पर चल रही जर्मनी की हेलेन ब्रीम (68-68) से सिर्फ एक स्ट्रोक पीछे है। कट में जगह बनाने वाली अन्य भारतीयों में दीक्षा डागर (72-73) संयुक्त 38वें स्थान पर और त्वेसा मलिक (76-70) संयुक्त 50वें स्थान पर हैं। हालांकि अन्य भारतीय खिलाड़ी वाणी कपूर (76-73), स्नेहा सिंह (74-75), अमनदीप द्राल (74-76) और हिताशी बक्शी (79-74) कट में जगह बनाने से चूक गईं।

जूडो खिलाड़ी ने कोच पर लगाया यौन उत्पीड़न का आरोप

नैनीताल, एजेंसी। उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने अपने कोच पर प्रशिक्षण के दौरान यौन उत्पीड़न का आरोप लगाने वाली एक 19 वर्षीय जूडो खिलाड़ी द्वारा दायर जनहित याचिका पर अगली सुनवाई सोमवार को निर्धारित की है। न्यायमूर्ति मनोज कुमार तिवारी और न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खंडपीठ ने इस मामले में शुक्रवार को सुनवाई शुरू की और फिर इसे 16 जून के लिए निर्धारित कर दिया। देहरादून की रहने वाली इस खिलाड़ी ने जनहित याचिका दायर कर कहा कि वह राष्ट्रीय स्तर की जूडो-कराटे खिलाड़ी है और पिछले सात वर्षों से देहरादून में सविता गुरुंग से प्रशिक्षण ले रही है।

गौतम गभीर की गैर मौजूदगी में कौन हो टीम का कोच

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम इन दिनों इंग्लैंड दौरे की तैयारियों में जुटी है, लेकिन इस बीच एक समस्या आ गई है। टीम के हेड कोच गौतम गंभीर निजी कारणों से भारत वापस आ गए हैं, जिससे टीम की कमान को लेकर असमंजस पैदा हो गया है।

बता दें कोच गौतम गंभीर की मां को हाल ही में दिल का दौरा पड़ा, जिसके चलते उन्हें इंग्लैंड दौरे को बीच में ही छोड़कर भारत आना पड़ा। हालांकि उनकी मां की स्थिति अब स्थिर है, लेकिन यह साफ नहीं है कि गंभीर इंग्लैंड कब जाएंगे। टीम इंडिया को इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज के लिए पूरी तरह तैयार रहना है, और ऐसे में कोच की गैरमौजूदगी टीम के प्रदर्शन पर असर डाल सकती है। बीसीसीआई अब इस समस्या को निपटाने के लिए बैकअप योजना बना रहा है।

ऑस्ट्रेलिया को हराकर दक्षिण अफ्रीका बना डब्ल्यूटीसी चैंपियन

ऑस्ट्रेलिया की टीम पहली पारी में बढ़त हासिल करने के बावजूद खिताब का बचाव नहीं कर सकी

डब्ल्यूटीसी

- **ऑस्ट्रेलिया ने दक्षिण अफ्रीका को 282 रनों का लक्ष्य दिया था, लेकिन दक्षिण अफ्रीका ने पांच विकेट पर 285 रन बनाकर जीत हासिल की**

लंदन, एजेंसी। एडेन मार्करम के शतक और कप्तान तेम्बा बावुमा के साथ तीसरे विकेट के लिए हुई 147 रनों की साझेदारी की मदद से दक्षिण अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया को पांच विकेट से हराकर विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का खिताब अपने नाम कर लिया है। ऑस्ट्रेलिया की टीम पहली पारी में बढ़त हासिल करने के बावजूद खिताब का बचाव नहीं कर सकी। गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया ने दक्षिण अफ्रीका को 282 रनों का लक्ष्य दिया था, लेकिन दक्षिण अफ्रीका ने पांच विकेट पर 285 रन बनाकर जीत हासिल की।

ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी तीसरे दिन 207 रन पर सिमट गई थी। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 212 रन बनाए थे। जवाब में दक्षिण अफ्रीका की पहली पारी 138 रन पर सिमट गई थी। पहली पारी के आधार पर ऑस्ट्रेलिया को 74 रन की बढ़त मिली थी। इस तरह ऑस्ट्रेलिया की कुल बढ़त 281 रन हुई थी। जवाब में दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत झटके के साथ हुई। रेयान रिकेल्टन सिर्फ छह रन बना पाए। उन्हें मिचेल स्टार्क ने अपना शिकार बनाया। वहीं, वियान मुल्डर सिर्फ 27 रन बना पाए। उन्हें भी स्टार्क ने पवेलियन भेजा था। 70 के स्कोर पर दो विकेट खो चुकी प्रोटियाज टीम को एक बड़ी साझेदारी की जरूरत थी। एडेन मार्करम ने टेम्बा बावुमा के साथ शतकीय साझेदारी निभाई और जीत की नींव रखी।

दक्षिण अफ्रीका ने चौथे दिन की शुरुआत दो विकेट पर 213 रन से की थी, लेकिन टीम ने शनिवार को बावुमा का विकेट जल्द गंवाया जो 134 गेंदों पर 66 रन बनाकर आउट हुए। बावुमा को पैट कमिंस ने अपना शिकार बनाया। फिर ट्रिस्टन स्टब्स भी स्टार्क की गेंद पर बोल्ड हुए और आठ रन बनाकर पवेलियन लौटे। मार्करम हालांकि डटे रहे और टीम को जीत की दहलीज पर ले आए। लेकिन वह मैच फिनिश नहीं कर सके और जोश हेजलवुड की गेंद पर अपना विकेट गंवा बैठे। मार्करम 207 गेंदों पर 14 चौकों की मदद से 136 रन बनाकर आउट हुए। डेविड बेडिंघम और काइल वेरेने ने आखिरकार मैच समाप्त किया और दक्षिण अफ्रीका का खिताबी सूखा समाप्त किया। बेडिंघम 21 रन और वेरेने चार रन बनाकर नाबाद लौटे ऑस्ट्रेलिया के लिए दूसरी पारी में स्टार्क ने तीन विकेट झटके, जबकि हेजलवुड और कमिंस को एक-एक विकेट मिला। दक्षिण अफ्रीका की टीम डब्ल्यूटीसी की विजेता बनने वाली तीसरी टीम है।

एडेन मार्करम के शानदार शतक के बाद कोहली का टवीट हुआ वायरल

नई दिल्ली। एडेन मार्करम ने लॉर्ड्स में जारी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के तीसरे दिन शानदार शतक लगा दिया। उनके शतक के बाद क्रिकेट के गलियारों में उनकी खूब तारीफ की जा रही है। मार्करम के बल्ले से यह शतक तब निकला जब खिताब जीतने के लिए ऑस्ट्रेलिया ने साउथ अफ्रीका के सामने 282 रनों का लक्ष्य रखा था। द. अफ्रीका के पहली पारी में 138 रनों पर ढेर होने के बाद किसी को उम्मीद नहीं थी कि यह टीम स्कोर को हासिल कर लेगी। मगर मार्करम ने कप्तान टेंबा बावुमा के साथ शतकीय साझेदारी कर टीम को जीत दिला दी है। मार्करम की पारी के बाद विराट कोहली का 7 साल पुराना ट्वीट सोशल मीडिया पर खूब सुर्खियां बटोर रहा है। दरअसल कोहली ने 2018 में मार्करम की बैटिंग पर पोस्ट किया था, उन्होंने लिखा था मार्करम को देखना एक आनंददायी अनुभव है!' कोहली ने पोस्ट साउथ अफ्रीका बनाम ऑस्ट्रेलिया टेस्ट मैच के दौरान किया था। केप टाउन में हुए एक मैच में मार्करम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 84 रनों की शानदार पारी खेली थी। इस पारी के दम पर मेजबान टीम 322 रनों से वह मैच जीतने में कामयाब रही थी। तीसरे दिन के अंत तक मार्करम 102 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं। वहीं टेंबा बावुमा 65 रन बनाकर उनका साथ दे रहे हैं।

आकाश चोपड़ा ने डब्ल्यूटीसी फाइनल की पिच को लेकर उठाया सवाल

मुंबई, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच लॉर्ड्स में खेले जा रहे विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल की पिच को लेकर पूर्व क्रिकेटर और विश्लेषक आकाश चोपड़ा ने बड़ा सवाल उठाया है। वेस्टर्न मीडिया पर दोहरा मापदंड अपनाने का आरोप लगाते हुए आकाश ने कहा है कि यदि भारत में ऐसी पिच होती, जहां दो दिन में 28 विकेट गिर जाते, तो काफी आलोचना होती, लेकिन इंग्लैंड में इसे चुनौतीपूर्ण पिच कहकर नजरअंदाज कर दिया जा रहा है। चोपड़ा ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा कि लॉर्ड्स टेस्ट के शुरुआती दो दिनों में ही 28 विकेट गिर चुके हैं, जिससे यह संकेत मिलता है कि मैच तीसरे दिन ही समाप्त हो सकता है। उन्होंने पूछा कि अगर भारत में ऐसा होता, तो क्या वेस्टर्न मीडिया चुप रहता?

उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि भारत में जब गेंद टर्न लेने लगती है और बल्लेबाज संघर्ष करते हैं, तो पिच की गुणवत्ता पर सवाल उठाए जाते हैं और भारत पर टेस्ट क्रिकेट को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया जाता है। लेकिन जब इंग्लैंड में सीम मूवमेंट और उछाल की वजह से विकेट गिरते हैं, तो उसे क्रिकेट की सुंदरता बताया जाता है। उन्होंने यह भी कहा कि बल्लेबाजों की खराब तकनीक को भारत में पिच की खामी बताया जाता है, जबकि वही तकनीकी कमजोरी इंग्लैंड या ऑस्ट्रेलिया में नजर आने पर उसे सामान्य मान लिया जाता है। चोपड़ा ने इस बात पर चिंता जताई कि भारतीय पिचों को लेकर हमेशा एक नकारात्मक धारणा बनाई जाती है, जबकि विदेशी पिचों को लेकर आलोचना नहीं होती। आकाश चोपड़ा का यह बयान तब आया है जब लॉर्ड्स टेस्ट में अब तक गेंदबाज पूरी तरह हावी रहे हैं और बल्लेबाजों के लिए टिकना बेहद मुश्किल हो रहा है। उनका मानना है कि क्रिकेट में विविधता होना जरूरी है, लेकिन उस विविधता को स्वीकार करने का नजरिया भी निष्पक्ष होना चाहिए। उन्होंने अंत में कहा कि अगर एक जैसी परिस्थितियों में अलग-अलग मानदंड अपनाए जाएंगे, तो यह खेल की निष्पक्षता पर सवाल खड़े करता है। चोपड़ा की टिप्पणी ने एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पिचों को लेकर चल रही बहस को हवा दे दी है।

एमसीसी ने बाउंड्री कैच के नियम में किए बदलाव

बदलाव

- **एमसीसी ने 'बन्नी हॉप' बाउंड्री कैच को अवैध माना, नया नियम इसी महीने लागू होगा**

लंदन, एजेंसी। बिग बैश लीग में मैट रेनशॉ, माइकल नीसर और टॉम बैंटम के बाउंड्री पर लिए गए कैच अब इस महीने के अंत से वैध नहीं रहेंगे। अपडेट किए गए नियम के अनुसार, जिसे इस महीने आईसीसी की खेल स्थितियों में और फिर अक्टूबर 2026 में एमसीसी के नियमों में शामिल किया जाएगा। यानि हवा में उड़ने वाला क्षेत्ररक्षक सीमा से परे गेंद को केवल एक बार छू सकता है और कैच को सही करार दिए जाने के लिए उसे मैदान के अंदर वापस आना होगा। नेसर द्वारा किया गया "बनी हॉप" – सीमा के बाहर हवा में उड़ने के दौरान दूसरे संपर्क के रूप में गेंद को हथेली से ऊपर उठाना और साथ ही मैदान के अंदर फेंकना अब वैध नहीं होगा।

बीबीएल 2023 के दौरान, ब्रिसबेन हीट के लिए खेल रहे नेसर सिडनी सिक्सर्स के जॉर्डन सिल्क की ओर से लॉन्ग ऑफ पर लगाए गए एक लॉफ्टेड ड्राइव का पीछा कर रहे थे। नेसर ने गेंद को दोनों हाथों से पकड़ा लेकिन उनकी गति ने उन्हें रस्सी के पार पहुंचा दिया। बाउंड्री नियम के अनुसार, नेसर ने शुरुआत में हवा में गेंद को उछाला, बाउंड्री के बाहर उतरे, फिर से कूदे और कैच को पूरा करने के लिए मैदान में वापस कूदने से पहले दोनों पैरों को हवा में रखते हुए गेंद को वापस मैदान में ले गए। सिल्क को आउट करार दिया गया और वह अपना सिर हिलाते हुए वापस चले गए।

नेसर ने कहा था कि वह साथी हीट खिलाड़ी रेनशॉ द्वारा गाबा में बीबीएल 2020 के दौरान होबार्ट हरिकेंस के मैथ्यू वेड के कैच को पकड़ने के प्रयास से प्रेरित थे। वेड के लॉफ्टेड स्ट्रोक का जवाब देते हुए रेनशॉ अपने बाएं ओर वाइड लॉन्ग ऑन की ओर भागे और गेंद को सीमा रेखा के अंदर पकड़ लिया। फिर वह अपना संतुलन खो बैठे और रस्सी के ऊपर से कूद गए लेकिन इससे पहले उन्होंने उस गेंद को ऊपर उछाल दिया। यह महसूस करते हुए कि गेंद सीमा रेखा के बाहर गिरेगी, उन्होंने गेंद को वापस खेल में लाने के लिए फिर से छलांग लगाई ताकि बैंटन कैच पूरा कर सके, जबकि वह खुद सीमा रेखा के बाहर गिर गए।

दोनों कैच की निष्पक्षता पर व्यापक रूप से बहस हुई और दोनों ही मौकों पर मौजूदा नियम में बदलाव करने की जोरदार मांग की गई, जिसे आखिरी बार 2010 में अपडेट किया गया था। नियम 19.5.2 के अनुसार, गेंद को पहली बार छूने से पहले फील्डर का जमीन से आखिरी संपर्क सीमा के भीतर होना चाहिए (नियम का यह हिस्सा नए संस्करण में भी बना रहेगा)। वर्तमान स्थिति के अनुसार, फील्डर एक ही समय में गेंद और जमीन को सीमा के बाहर नहीं छू सकता। अगर फील्डर उन मानदंडों को पूरा करता है और कैच पूरा करता है, तो कैच वैध है। हालांकि, इस साल की शुरुआत में आईसीसी क्रिकेट समिति ने नियम के संरक्षक एमसीसी से संबंधित नियम की समीक्षा करने को कहा और दोनों निकायों ने मिलकर नए संस्करण पर काम किया। आईसीसी द्वारा सदस्य बोर्डों को भेजे गए एमसीसी नोट में कहा गया है कि मौजूदा नियम के कारण "कुछ शानदार" फील्डिंग हुई है, लेकिन इसने "कुछ असामान्य दिखने वाले कैच के लिए जगह भी बनाई है।

हम सभी उत्साहित, इंट्रा-स्क्वाड मैच का लुत्फ उठा रहे हैं: प्रसिद्ध कृष्णा

बेकेनहैम, एजेंसी। भारत के तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा ने केंट काउंटी क्रिकेट ग्राउंड में इंट्रा-स्क्वाड मैच के पहले दिन को खिलाड़ियों के लिए एक शानदार अनुभव बताया है। भारत-इंग्लैंड के बीच 20 जून से पांच मैचों की टेस्ट सीरीज शुरू होने जा रही है, जिससे पहले खिलाड़ियों को तैयारियां परखने का मौका मिला है।

इंग्लैंड में पूरी भारतीय टीम के पहुंचने के बाद, यह पहली बार है कि दौरा करने वाली टीम को जारी चार दिवसीय प्रैक्टिस मैच में एक साथ खेलने का मौका मिला। इससे पहले करुण नायर, यशस्वी जायसवाल, अभिमन्यु ईश्वरन, ध्रुव जुरेल, नितीश कुमार रेड्डी, शार्दुल ठाकुर और केएल राहुल सहित भारतीय टीम के सदस्यों ने इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दो अनौपचारिक टेस्ट मैचों में हिस्सा लिया था।

प्रसिद्ध कृष्णा ने बीसीसीआई.टीवी से कहा, "हम सभी के लिए इस गेम में समय बिताना बहुत जरूरी है, क्योंकि उनमें से कुछ 'ए' गेम से आ रहे हैं। मैदान पर समय बिताना सच में जरूरी है। यह एक अच्छी, बढ़िया, सख्त पिच लग रही है। गेंदबाज पूरे गेम में बने रहे, कुछ बहुत अच्छे स्पैल देखने को मिले। बल्लेबाजों ने भी अपना खेल दिखाया। जब आप एक-दूसरे के खिलाफ प्रतिस्पर्धा कर रहे होते हैं, तो यह हमेशा अच्छा होता है। उन्होंने आगे कहा, "हम सभी उत्साहित हैं, जो हो रहा है उसका आनंद ले रहे हैं। हम सभी काफी समय बाद एक साथ मिल रहे हैं, अलग-अलग टीमों की यादें और क्रिकेट के अनुभव साझा कर रहे हैं। हम बस माहौल को हल्का रखने की कोशिश कर रहे हैं।

29 वर्षीय तेज गेंदबाज को लगता है कि रेड-बॉल फॉर्मेट में सफलता के लिए लंबे समय तक फोकस करना जरूरी है। इसे हासिल करने के लिए टीम को मिलकर काम करने की जरूरत है। यह सुनिश्चित करना होगा कि जब आपका मौका आए, तो आप फोकस करें। लेकिन आप वास्तव में लंबे समय तक फोकस नहीं कर सकते, खासतौर पर जब आप बाहर बैठे हों, इसलिए आप सुनिश्चित करते हैं कि थोड़ा मजा लें। उन्होंने आगे कहा, "जब आप जानते हैं, तो आप स्थिति को समझ सकते हैं। आप सुनिश्चित करते हैं कि खास मौकों पर में अपनी टीम का सपोर्ट करें, क्योंकि खेल में कुछ भी हो सकता है। यही क्रिकेट की खूबसूरती है।" इंट्रा-स्क्वाड मैच के पहले दिन कप्तान शुभमन गिल और विकेटकीपर-बल्लेबाज केएल राहुल दोनों ने अर्धशतक जड़े।

सबसे ज्यादा आईसीसी ट्रॉफी विजेता देश ऑस्ट्रेलिया, भारत दूसरे नंबर पर

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया में से कोई एक देश आज एक और आईसीसी ट्रॉफी अपने नाम कर लेगा। पहले तीन दिन के खेल के बाद द.अफ्रीका का पलड़ा भारी है। शनिवार को चौथे दिन पहले ही सेशन में रिजल्ट आ जाएगा।

अगर द. अफ्रीका जीतता हैं, तब यह उसकी दूसरी आईसीसी ट्रॉफी होगी। और ऑस्ट्रेलिया ने बाजी मारी तब उसके नाम 11वीं ट्रॉफी होगी। आईसीसी यानी इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल क्रिकेट की सर्वोच्च संस्था है, जो पूरी दुनिया में इस खेल को संचालित करती है। इसमें पुरुष और महिला क्रिकेट दोनों शामिल हैं। 1973 में पहला आईसीसी वर्ल्ड कप (महिला) खेला गया, इस इंग्लैंड ने जीता था।

पुरुष क्रिकेट में पहली आईसीसी ट्रॉफी 1975 में वेस्टइंडीज ने जीती थी। पुरुष क्रिकेट में आईसीसी चार कैटेगरी में वैश्विक टूर्नामेंट आयोजित करती है। वनडे वर्ल्ड कप, टी20 वर्ल्ड कप, वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप और चैंपियंस ट्रॉफी। इन सभी को मिलाकर ऑस्ट्रेलिया ने अब तक 10 खिताब जीते हैं। उसके नाम ही सबसे अधिक आईसीसी ट्रॉफी का रिकॉर्ड है।

क्रिकेट टूर्नामेंट | **सेंट स्टीफंस क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए पहले सेमीफाइनल में कोलाज ग्रुप और दिल्ली चैलेंजर के बीच मुकाबला हुआ**

खिताबी मुकाबले में भिड़ेंगे कोलाज ग्रुप और मद्रास क्रिकेट क्लब

नई दिल्ली, एजेंसी। 50वें गोस्वामी गणेश दत्त मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट (पंजी.) का खिताबी मुकाबला कोलाज ग्रुप और मद्रास क्रिकेट क्लब के बीच खेला जाएगा। सेंट स्टीफंस क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए पहले सेमीफाइनल में कोलाज ग्रुप और दिल्ली चैलेंजर के बीच मुकाबला हुआ। दिल्ली चैलेंजर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया, लेकिन यह निर्णय कोलाज ग्रुप के बल्लेबाजों की विस्फोटक पारी के आगे गलत साबित हुआ।

अंकित कुमार ने टूर्नामेंट की सबसे शानदार पारियों में से एक खेलते हुए केवल 39 गेंदों पर नाबाद 117 रन (5 चौके, 14 छक्के) बनाए। उनका साथ दिया समर्थ सेठ ने, जिन्होंने 34 गेंदों में 56 रन (10 चौके, 1 छक्का) की तेजतर्रार पारी खेली। इन दोनों की ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की बदौलत कोलाज ग्रुप ने टूर्नामेंट का सबसे बड़ा स्कोर 257/8 (20 ओवर) बनाया।दिल्ली चैलेंजर की ओर से प्रशांत चौधरी ने सबसे बढ़िया गेंदबाजी की और 4 विकेट 33 रन देकर हासिल किए।

जवाब में दिल्ली चैलेंजर ने बड़े लक्ष्य का पीछा करने की पूरी कोशिश की। कप्तान ललित यादव ने मोर्चा संभालते हुए 33 गेंदों में 63 रन (6 चौके, 3 छक्के) बनाए।उनका साथ दिया गौरव गौर ने, जिन्होंने 24 गेंदों में 54 रन (6 चौके, 3 छक्के) बनाये। प्रियम गर्ग ने 11 गेंदों में 29 रन (2 चौके, 3 छक्के) और प्रशांत चौधरी ने 11 गेंदों में 28 रन (4 छक्के) बनाए।हालांकि दमदार प्रयास के बावजूद दिल्ली चैलेंजर की टीम 229/7 (20 ओवर) ही बना सकी और 28 रनों से मुकाबला हार गई। कीमती, स्पोर्ट्स पैंथर और क्रिक विलोफॉरयू प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार अंकित कुमार को मुकुल शर्मा (कोषाध्यक्ष) एवं सुरिंदर मग्गन (उपाध्यक्ष) ने प्रदान किया।

दूसरे सेमीफाइनल में मद्रास क्रिकेट क्लब ने द्वारका वॉरियर्स को पांच विकेट से पराजित किया। टॉस जीतकर मद्रास क्रिकेट क्लब ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया।द्वारका वॉरियर्स की शुरुआत लड़खड़ाती रही। केवल अर्पित राणा ही टिककर खेल पाए और उन्होंने 41 रन बनाए (6 चौके, 2 छक्के)। उन्हें दूसरे छोर से ज्यादा सहयोग नहीं मिला। मयंक रावत ने 22 गेंदों में 28 रन (3 चौके, 1 छक्का) बनाए। पूरी टीम 15.3 ओवर में 142 रन बनाकर ऑल आउट हो गई और पूरे 20 ओवर भी नहीं खेल पाई। मद्रास क्रिकेट क्लब की ओर से शुभम दुबे ने घातक गेंदबाजी करते हुए 3 विकेट 32 रन देकर लिए जबकि तेजस बरोका और पवन नेगी ने 2-2 विकेट लिए।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी मद्रास क्रिकेट क्लब की शुरुआत भी खराब रही। टीम ने सिर्फ 18 रन पर 4 विकेट गंवा दिए थे, और ऐसा लग रहा था कि मैच द्वारका वॉरियर्स की झोली में जा रहा है। लेकिन वहीं से अनुभवी सार्थक रंजन ने पवन नेगी के साथ मिलकर पारी को संभाला। सार्थक रंजन ने शानदार नाबाद 72 रन बनाए (48 गेंदों में, 5 चौके, 5 छक्के) जबकि पवन नेगी ने भी संयमित 36 रन (37 गेंदों में, 2 चौके, 2 छक्के) बनाकर उनका बखूबी साथ दिया। मद्रास क्रिकेट क्लब ने यह मैच 5 विकेट से जीत लिया और फाइनल में प्रवेश कर लिया। ग्रैंड फिनाले में अब मद्रास क्रिकेट क्लब का सामना 15 जून को कोलाज ग्रुप से होगा। कीमती, स्पोर्ट्स पैंथर और क्रिक विलोफॉरयू प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार सार्थक रंजन को वेद प्रकाश सरीन (अध्यक्ष) और विकास कात्याल (टूर्नामेंट आयोजन प्रबंधक) ने प्रदान किया।

एकाग्रता से बढ़ाएं कार्यकुशलता

काम करते वक्त ध्यान का भटकना लगभग सभी के साथ होता है, किंतु अगर यह बहुत ज्यादा होने लगे तो इससे कार्य पर तो असर पड़ता ही है, व्यक्ति का स्वभाव भी प्रभावित होने लगता है।

जिनमें एकाग्रता की कमी होती है वे बहुत चिंचित, उदास, चिड़चिड़े और सहमे से रहते हैं। कुछ अपराध भावना व हीनभावना के शिकार भी हो जाते हैं। आत्मविश्वास की कमी, असुरक्षा की भावना, कुंठा, गुस्सा, चिड़चिड़ापन व घबराहट बढ़ जाती है। ध्यान भटकने की समस्या में आमतौर पर आत्म नियंत्रण व व्यवहार नियंत्रण का अभाव होता है। ध्यान भटकने से अक्सर गलतियां होने की संभावना रहती है। जिनका ध्यान जल्दी बंट जाता है, उनकी मनोदशा में भी जल्दी-जल्दी उतार-चढ़ाव आते रहते हैं।

एकाग्रता बढ़ाने के लिए निम्न बातों पर गौर फरमाएं -

- एकाग्रता बढ़ाने के लिए मेडीटेशन और योग करें। इससे ध्यान केंद्रित करने की क्षमता का विकास होता है।
- एकाग्रता बढ़ाने के लिए किसी केंद्र बिंदु पर जितनी देर हो सके, ध्यान केंद्रित करें। धीरे-धीरे ध्यान केंद्रित करने का समय बढ़ाएं।
- माता-पिता को चाहिए कि शुरू से ही बच्चों को ध्यान केंद्रित करने की शिक्षा दें।
- अपने कार्यों को योजनाबद्ध तरीके से और समय पर करें, इससे काम का अतिरिक्त बोझ भी नहीं पड़ेगा और किसी तरह की चिंता भी नहीं रहेगी।
- उद्देश्यों में कामयाब न होने पर भी नकारात्मक विचार आने लगते हैं और नकारात्मक विचार मन में हीनभावना लाते हैं अतः ऐसी भावना से बचें।
- सफलता प्राप्त होने पर स्वयं को सकारात्मक सोच से भरें, जिससे काम करने का उत्साह बना रहे।
- बचपन से ही बच्चों की ताकतों और कमजोरियों को पहचानने की कोशिश करें। जहां तक हो सके घर का माहौल हंसी-खुशी का बनाकर रखें, ताकि बच्चों में नकारात्मक सोच पैदा न हो।
- अपने कार्य को समय-समय पर रिव्यू करते रहें।
- बच्चों की बातों को अनसुना करने की बजाए गौर से सुनें और उन पर ध्यान दें।
- एकाग्रता से काम करने के लिए शांतिपूर्ण माहौल का होना जरूरी है। इसलिए काम करते समय रेडियो या टीवी न चलाएं।
- काम पर ध्यान केंद्रित करने के लिए खुद को अनुदेश देते रहें कि आपका ध्यान केवल अपने निर्धारित काम के अलावा और कहीं नहीं जाए।
- यदि काम करते समय ध्यान टीवी देखने या किसी मनोरंजन के साधन की ओर जाए तो पहले उसे पूरा करें, फिर काम करें। इससे ध्यान भटकेगा नहीं और आपको संतुष्टि भी मिलेगी।
- विद्यार्थियों को चाहिए कि पढ़ाई के दौरान बीच-बीच में ब्रेक लें। ब्रेक के समय पढ़ाई की चिंता छोड़कर हल्का-फुल्का कुछ खा-पी लें। घरवालों के साथ बातें और हंसी मजाक करते रहें। ऐसा करने से मूड बदलेगा और फिर से पढ़ाई करने में अधिक ध्यान लगेगा।

ये हैं सफलता के मंत्र

पढ़ाई में टॉपर बनना आपका सपना है तो इस सपने को आप मेहनत से हकीकत में बदल सकते हैं। इन सक्सेस मंत्रों को अपनाकर प्रतियोगी परीक्षा और एक्जाम में सफल हो सकते हैं।

कड़ी मेहनत- सफलता हासिल करने का पहला मंत्र है कड़ी मेहनत। मेहनत का कोई शॉर्टकर्ट नहीं होता। यदि अ प न` पाठ्?यक्रम की आवश्यकता के अनुसार कड़ी मेहनत करते हैं तो उसका फायदा मिलता ही है।

खुश रहें- किसी भी परीक्षा की तैयारी के दौरान नकारात्मक विचारों से दूर रखें। हमेशा पॉजीटिव थिकिंग रखें। हमेशा खुश रहने की कोशिश करें।

फोकस बनाए रखें- बिना फोकस बनाकर कई घंटे पढ़ाई करने से अच्छा है कि कुछ घंटे ध्यान लगाकर पढ़ाई करें। कुछ देर ही सही पर मन को एकाग्र रखकर पढ़ाई करें।

सपनों को सच करने के लिए संघर्ष करें- हमेशा जीवन में बड़े सपने देखें और लागं टर्म गोल बनाएं। जब भी ऐसा लगे कि आप हार रहे हैं तो अपने सपनों को याद करें। खुद को यह अहसास दिलाएं कि सफने इतने कीमती हैं कि ऐसा संघर्ष उन सपनों के सामने कुछ भी नहीं है।

ऐसे मिलती है सफलता

अक्सर देखा जाता है कि युवा जब अपना सफल करियर नहीं बना पाते हैं तो इसका दोष वे दूसरों को देते हैं। अपनी नाकामियों का ठीकरा दूसरों पर फोड़ने लगते हैं। यह याद रखिए अपनी नाकामी के जिम्मेदार आप खुद हैं।

वे अनेक बातों का रोना रहते हैं, जैसे हमारे माता-पिता के कम पढ़े-लिखे होने के कारण वे हमारा करियर में मागदर्शन नहीं कर सके। हम पढ़ने की सुविधाएं नहीं मिली। पढ़ाई के दौरान हमें घर के कामों में लगाए रखा। घर में ज्यादा सदस्य होने से घरवालों ने हमारी ओर ध्यान नहीं दिया।

ये ऐसी कुछ बातें हैं जो असफल युवा कहते हैं, लेकिन ऐसा नहीं है। अगर व्यक्ति कुछ करना चाहे और उसके हौसले बुलंद हों तो उसकी राह में कितनी भी मुसीबतें आएं वह सफल हो जाता है।

एक अंग्रेजी कहावत का हिन्दी अर्थ है- किसी एक विचार या लक्ष्य के प्रति समर्पण के कारण ही एक सामान्य योग्यता रखने वाला व्यक्ति असाधारण प्रतिभा से संपन्न व्यक्ति बनता है।

कठिनाइयां हर किसी के जीवन में आती हैं बस उनका स्वरूप और उनसे लड़ने के तरीके अलग हो सकते हैं। उन कठिनाइयों को ढाल बनाकर अपनी नाकामी को उजागर न करें, बल्कि हर स्थिति से निकलना सीखें।

याद रखिए दुनिया भी उन्हीं को याद रखती है जो संघर्षों से निकलकर सफलता के शिखर पर पहुंचता है। नाकामियों को रोना छोड़कर चल पड़िए मंजिल की राह पर। मुश्किलें तो आएंगी। अपनी नाकामियों को सफलता की मंजिल पाने का पड़ाव मानिए।

हिटलर का प्रसिद्ध वाक्य है, जो बिना संघर्ष के जीतता है वह विजेता कहलाता है लेकिन जो संघर्षों का सामना करके जीतता है वह इतिहास बनाने वाला कहलाता है।

इन बातों जीवन में हमेशा रखें ध्यान-

- अगर आप किसी क्षेत्र में करियर बनाने में असफल हो गए हैं तो यह न सोचिए कि सिर्फ वही क्षेत्र आपके लिए बना था।
- आप दूसरे क्षेत्र में प्रयास कर सफलता को प्राप्त कर सकते हैं।
- पहाड़ी की चढ़ाई करते समय हमेशा ऊपर चढ़ने वालों को देखना चाहिए। नीचे वालों को देखेंगे तो हमें ऊंचाई से डर लगेगा।
- अपने आपको मोटिवेट कीजिए। सफलता की जो अनुभूति रहती है उसका मजा ही कुछ और है।
- जीत कुछ कर गुज़रने में है, हारकर बैठने में नहीं। प्रयास से सफलता मिल ही जाती है।

फोटोग्राफी में रखें इन बातों का ध्यान

फैशन और वाइल्ट लाइफ फोटोग्राफी में रुचि रखने वाले युवा इसे अपना पेशन मानते हैं। इस फील्ड में क्रिएटीविटी, टेक्निक, ट्रेनिंग, हार्डवर्क, ग्लैमर, एडवेंचर सबकुछ है। सही ट्रेनिंग और गाइडेंस से इस फील्ड में करियर बनाने का स्कोप बढ़ गया है। कई डिग्री होल्डर फोटोग्राफर्स भी फैशन और वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफी की बारीकियां सीख रहे हैं।

करियर संभावनाएं- फैशन इंडस्ट्रीज, कार्पोरेट और इंडस्ट्रीयल सेक्टर के विकसित होने से इस फील्ड में संभावनाएं बढ़ गई हैं। फैशन इंडस्ट्री के फलने-फूलने के साथ ही फैशन फोटोग्राफी में ग्लैमर जुड़ चुका है।

आज हर कंपनी अपने प्रोडक्ट के साथ कैलेंडर, मैगजीन, विज्ञापन ब्रोशर प्रकाशित करती है। इनमें आकर्षक और स्टाइलिश फोटो की खास भूमिका होती है। इन सबके लिए फैशन फोटोग्राफर की बहुत जरूरत है। तकनीकी रूप से सक्षम होने पर इस क्षेत्र में भविष्य बहुत उज्जवल है।

शैक्षणिक योग्यता- फोटोग्राफी के लिए कम से कम ग्रेजुएशन होना जरूरी है। देशभर में कई इंस्टीट्?यू फोटोग्राफी में डिग्री या सर्टिफिकेट कोर्स करवाते हैं। एक सक्सेसफुल फोटोग्राफर बनने के लिए डीप स्टडी और अच्छे विजन का होना जरूरी है। अहमदाबाद, मुंबई, दिल्ली, औरंगाबाद जैसे शहरों में संस्थानों द्वारा फोटोग्राफी का विधिवत प्रशिक्षण दिया जाता है। इन संस्थानों में दो-तीन वर्षों के डिग्री कोर्स एवं ट्रेनिंग दी जाती है।

इन बातों का रखें ध्यान-

- फोटोग्राफर बनने के लिए किताबी कम और प्रेक्टिकल नॉलेज ज्यादा जरूरी है।
- अपने फील्ड की पूरी जानकारी, लेटेस्ट ट्रेंड पर नजर और आने वाले ट्रेंड की खबर होना जरूरी।
- फोटोग्राफी का बेसिक नॉलेज के लिए किसी प्रतिष्ठित इंस्टीट्?यूट से ट्रेनिंग लें।
- ट्रेनिंग के बाद सबसे ज्यादा जरूरी है विजन।
- इस फील्ड में बहुत ज्यादा पेशन रखने की जरूरत है। यह फील्ड पेशन, कॉन्फिडेंस और हार्ड वर्क मांगता है।
- फोटोग्राफी में सक्सेस धीरे-धीरे ही मिलती है।

फोटोग्राफी के टॉप इंस्टीट्यूट

- नेशनल इंस्टीट्?यूट ऑफ डिजाइन, अहमदाबाद।
- सर जेजे स्कूल ऑफ एप्लाइड आर्ट, मुंबई।
- जवाहरलाल नेहरू टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी, हैदराबाद।

कैसे सामना करें इंटरव्यू का

इंटरव्यू का नाम आते ही दिल में एक डर पैदा होने लगता है। इंटरव्यू के लिए आपको हर तरह से तैयार रहना पड़ता है। इंटरव्यू से पहले कई अनजाने सवाल सताने लगते हैं।

कहते हैं कि वेल बिग्निंग इज हाफ डन अगर आपने इंटरव्यू में शुरू से ही अपना विश्वास बनाए रखा और इंटरव्यू पेनल के शुरुआती सवालों का प्रभावशाली अंदाज में जवाब दे दिया तो मान लें कि आपकी सफलता की संभावनाएं प्रबल हैं।

इटरव्यू में जाने से पहले नीचे दिए गए टिप्स पर गौर करें। ये टिप्स आपके लिए बड़े मददगार साबित होंगे। टिप्स पढ़ने के बाद आप पाएंगे कि आपका आत्मविश्वास बढ़ गया है।

1. कहा जाता है कि पहला इंप्रेशन ही आखिरी इंप्रेशन होता है। इसलिए मेंटल लेवल पर तैयारी के साथ-साथ आप यह न भूल जाएं कि इंटरव्यू में आपकी बौद्धिक क्षमता के अलावा आपकी बॉडी लेंग्वेज को भी परखा जाएगा। वेल ड्रेस्ड होकर ही इंटरव्यू में जाएं क्योंकि इससे आप आत्मविश्वास से भर जाएंगे।
2. अपने साथ जरूरी कागजात जरूर ले जाएं। मसलन अपने सर्टिफिकेट, एकेडमिक एचीवमेंट और बायोडाटा जो आपने इंटरव्यू से पहले भेजा था, उसकी एक प्रति अवश्य ले जाएं।
3. अपने कागजात इंटरव्यू में तभी प्रस्तुत करें, जब आप से मांगें जाएं।
4. इंटरव्यू में लेट न हों। कम से कम पंद्रह मिनट पहले पहुंचने की कोशिश करें।
5. यदि किसी कारण न चाहते हुए भी इंटरव्यू में लेट हो जाएं तो उसके लिए सबसे पहले क्षमा मांगें और देर से आने के कारण का उल्लेख करें।
6. इंटरव्यू कक्ष में पहुंचते ही इंटरव्यू पैनल के सदस्यों का अभिवादन जरूर करें।
7. इंटरव्यू पैनल के हर सवाल को ध्यान से सुनें और यदि किसी सवाल को सुनने में कोई शक हो तो निम्रतापूर्वक उसे दोहराने के लिए कहें।
8. सवालों के जवाब विश्वास के साथ और संक्षेप में दें जब तक कि विस्तृत जानकारी देने के लिए न कहा जाए।
9. जिस संस्थान में इंटरव्यू के लिए जा रहे हैं, उसके बारे में मोटी जानकारी पहले ही जुटा लें।
10. जब आपसे पूछा जाए कि इस पद के लिए आपकी एक्सपेक्टेशन क्या है तो इसका जवाब चतुराई से दें। सीधे ही कोई फिगर बताने से बेहतर होगा कि आप कहें कि एस पर द मार्केट स्टेंडर्ड। इंटरव्यू पैनल के दोबारा पूछने पर आप अपने मुताबिक कोई फिगर बता सकते हैं।
11. इंटरव्यू के दौरान इंटरव्यू पैनल से आई कॉन्टेक्ट कायम रखें।
12. अगर किसी विषय में जानकारी नहीं है तो उसे स्वीकार कर लें।
13. कभी झूठ न बोलें। अगर इंटरव्यू पैनल ने आपका झूठ पकड़ लिया तो आपकी सारी इंप्रेशन खराब हो जाएगी।

शकीरा के साथ अगला प्रोजेक्ट करने वाले हैं दिलजीत दोसांझ?

दुनिया भर में अपने गाने 'हिप्स डोंट लाइ' के लिए मशहूर हॉलीवुड सिंगर शकीरा के गानों को भारत में भी पसंद किया जाता है। जल्द ही वह दिलजीत दोसांझ के साथ किसी नए प्रोजेक्ट पर काम कर सकती हैं? या ये दोनों साथ में परफॉर्म कर सकते हैं। हाल ही में दिलजीत दोसांझ का एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें वह इस बात को लेकर इशारा करते नजर आए।

● **शकीरा ने दिया दिलजीत को सजेशन:** दिलजीत दोसांझ टोरंटो में बिलबोर्ड समिट में शामिल हुए। इस मंच से उन्होंने **शकीरा के साथ** काम करने **की बात** को साझा **किया।** सोशल **मीडिया** पर **दिलजीत** का **यह** वीडियो **भी** वायरल **है।** वायरल वीडियो में **होस्ट** के **सवाल** का **जवाब** देते हुए **दिलजीत** कहते हैं, **'हिप्स** डोंट लाइ, **सर।** हां **शकीरा ने मुझे अपने अगले** टूर के लिए इंवाइट किया है। साथ ही सजेशन दिया है कि हम 'हिप्स डोंट लाइ' का इंडियन वर्जन बनाएं। यह एक मुश्किल काम है लेकिन मैं इसके लिए पूरी तरह से तैयार हूं।'

> **दिलजीत दोसांझ अब सिर्फ इंडियन आर्टिस्ट नहीं रहे हैं, वह इंटरनेशनल स्टेज पर भी परफॉर्म कर चुके हैं**

● **मेट गाला में शकीरा संग दिखे:** पिछले दिनों मेट गाला इवेंट में दिलजीत दोसांझ अपने लुक के लिए चर्चा में रहे। इस इवेंट में शकीरा भी शामिल हुईं। दोनों को एक कार में साथ में बैठे देखा गया। यह वीडियो भी उस वक्त सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुआ। दिलजीत दोसांझ के करियर फ्रंट की बात करें तो वह फिल्म 'बॉर्डर 2' में नजर आएंगे।

हिट की तलाश में सोनाक्षी सिन्हा

सोनाक्षी सिन्हा एक बार फिर 'निकिता रॉय' के जरिए बड़े पर्दे पर वापसी कर रही हैं। सोनाक्षी शादी के बाद पहली बार किसी फिल्म में नजर आएंगी। यह सस्पेंस थ्रिलर फिल्म सोनाक्षी सिन्हा के लिए काफी महत्वपूर्ण है। क्योंकि सोनाक्षी सिन्हा को एक बड़ी हिट की जरूरत है। सोनाक्षी के करियर को देखें तो उसमें फ्लॉप की कतार काफी लंबी है। ऐसे में 'निकिता रॉय' सोनाक्षी के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। जानते हैं सोनाक्षी की पिछली फिल्मों का क्या रहा हाल।

● **काकुड़ा:** पिछले साल 2024 में सोनाक्षी सिन्हा ओटीटी पर रिलीज हुई फिल्म 'काकुड़ा' में नजर आई थीं। इस हॉरर-कॉमेडी फिल्म में सोनाक्षी के साथ रितेश देशमुख और साकिब सलीम प्रमुख भूमिकाओं में नजर आए थे। ओटीटी पर रिलीज होने के बाद भी इस फिल्म को ज्यादा पसंद नहीं किया गया था।

● **बड़े मियां छोटे मियां:** सोनाक्षी अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ की एक्शन पैक्ड फिल्म 'बड़े मियां छोटे मियां' में नजर आई थीं। काफी हाइप और अक्षय व टाइगर जैसे दो एक्शन हीरो होने के बावजूद फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कोई कमाल नहीं दिखा पाई।

> **पिछले साल वो संजय लीला भंसाली की 'हीरामंडी' में निगेटिव रोल में नजर आई थीं**

● **डबल एक्स एल:** बॉडी शेमिंग जैसे मुद्दे को उठाती इस कॉमेडी-ड्रामा फिल्म में सोनाक्षी के साथ हुमा कुरैशी प्रमुख भूमिका में थीं। ये फिल्म कब आई और कब चली गई पता भी नहीं चला।

● **भुजः द प्राइड ऑफ इंडिया:** 2021 में अजय देवगन देशभक्ति से भरपूर फिल्म 'भुजः द प्राइड ऑफ इंडिया' लेकर आए थे। फिल्म की कहानी 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान भुज एयरबेस पर हुए हमले को दिखाती है। अजय देवगन और संजय दत्त जैसे सितारे होने के बावजूद फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप रही थी। फिल्म में सोनाक्षी सिन्हा भी प्रमुख भूमिका में थीं। सोनाक्षी सिन्हा ने 2010 में सलमान खान की फिल्म 'दबंग' से बॉलीवुड में एंट्री की थी।

तो क्या आलिया भट्ट ने बदल लिया अपना नाम?

आलिया भट्ट सबसे ज्यादा चर्चित अभिनेत्रियों में से एक हैं। उन्होंने रणबीर कपूर से शादी की है लेकिन वह अभी भी अपना नाम आलिया भट्ट लिखती हैं। हालांकि अब ऐसा लगता है कि आलिया भट्ट ने आखिरकार अपना सरनेम बदलकर 'कपूर' कर लिया है। आलिया भट्ट ने पहले भी कहा था कि वह अपने नाम में 'कपूर' जोड़ना चाहती हैं, लेकिन उनके पास कागजी कार्रवाई पूरी करने के लिए समय नहीं है। हालांकि, उनके लेटेस्ट व्लॉग की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। इसे देखकर लगता है कि आलिया ने अपना सरनेम बदल लिया है। अपने व्लॉग की एक झलक में, आलिया अपने होटल के कमरे में खड़ी हैं। यहां पीछे बहुत अच्छे शब्दों में उनका स्वागत किया गया है। होटल ने उन्हें 'प्रिय आलिया कपूर' कहकर संबोधित किया है। इस तरह से देखें तो ऐसा लगता है कि अभिनेत्री ने आखिरकार अपने आधिकारिक दस्तावेजों में अपना नाम बदल लिया है।

एक्टर के किस करने पर रवीना टंडन को हुई उल्टी

रवीना टंडन 90 के दशक की स्टार एक्ट्रेस रही हैं। एक्टिंग, खूबसूरती के साथ वो अपने बोल्डनेस के लिए भी जानी जाती थीं। रवीना ने स्क्रीन पर टिप-टिप बरसा जैसा सेंशुअस गाना भी किया है। हालांकि, वो किसिंग सीन को लेकर सहज नहीं थीं। उन्होंने नो किसिंग सीन की पॉलिसी रखी थी। हाल ही में एक्ट्रेस ने खुलासा किया कि सेट पर हीरो ने उन्हें अचानक किस कर लिया था, जिससे उन्हें घिन आई और वो सीधे ब्रश करने चली गईं। एक इंटरव्यू में रवीना इस घटना और नो किस पॉलिसी पर बात की। उन्होंने बताया कि नो किसिंग सीन को लेकर कोई कॉन्ट्रैक्ट नहीं था, लेकिन उन्होंने यह स्पष्ट कर दिया था कि वह कभी भी किसी को-एक्टर को पर्दे पर किस नहीं करेंगी। लेकिन एक बार शूटिंग के दौरान हीरो ने सीन को बुरी तरह से हैंडल किया। रवीना कहती हैं- 'मुझे याद है कि मैं एक मेल एक्टर के साथ थोड़ा रफ हैंडलिंग सीन कर रही थी और गलती से उनके लिप मेरे लिप से टच हो गए थे। यह गलती से हुआ, इसकी जरूरत भी नहीं थी। यह एक गलती थी।' एक्ट्रेस ने खुलासा किया कि उस घटना के बाद उन्हें घिन आ रही थी और उन्होंने उल्टी हो गई। रवीना ने कहा, 'मैं अपने कमरे में गई और उल्टी कर दी क्योंकि मैं बिल्कुल भी सहज नहीं थी। शॉट खत्म हो गया और मैं ऊपर चली गई। मुझे उल्टी सी महसूस हुई। मैं इसे बर्दाश्त नहीं कर सकी। मैंने खुद से कहा नहीं। प्लीज, अपने दांत साफ करो, अपना मुंह 100 बार धोओ।'रवीना ने आगे बताती हैं कि हालांकि, उस एक्टर का ऐसा कोई इरादा नहीं था, यह गलती से हुआ था। बाद में, एक्टर ने शॉट के बाद उनसे माफी भी मांगी थी।

हाउसफुल 5 का वर्ल्डवाइड आंकड़ा 175 करोड़ पार

अक्षय कुमार की फिल्म 'हाउसफुल 5' ने रिलीज के महज पांच दिनों में ही भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 111.75 करोड़ की कमाई कर ली है। सैकनिल्क के अनुसार, मंगलवार को फिल्म ने 11.25 करोड़ का कलेक्शन किया। इतना ही नहीं, 'हाउसफुल 5' ने वर्ल्डवाइड 175 करोड़ रुपए का आंकड़ा भी पार कर लिया है।

● **अक्षय कुमार की पुरानी फिल्मों का रिकॉर्ड्स:** वैसे देखा जाए तो 'हाउसफुल 5' अक्षय कुमार की 18वीं फिल्म है, जो ₹100 करोड़ क्लब में शामिल हुई है। इनमें से 17 फिल्में बॉलीवुड की हैं, जबकि एक फिल्म तमिल भाषा की 2.0 है। अगर उनकी पिछली कुछ फिल्मों के इंडियन बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड की बात करें, तो 'स्काई फोर्स' ने शानदार प्रदर्शन किया था। जबकि फिल्म खेल-खेल में ने 39.29 करोड़ का ऑलटाइम कलेक्शन किया था। वहीं, सरफिरा ने सिर्फ 24 करोड़ रुपए कमाए थे। हालांकि, अब हाउसफुल 5 की परफॉर्मेंस ने अक्षय को जरूर एक राहत दी होगी।

> **"हाउसफुल 5 बॉलीवुड की हिट कॉमेडी सीरीज की लेटेस्ट कड़ी है"**

● **किस ओटीटी प्लेटफॉर्म पर होगी रिलीज ?:** हाउसफुल 5 के डिजिटल अधिकार अमेजन प्राइम वीडियो ने खरीद लिए हैं। इस हिसाब से देखा जाए तो यह फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज होने के बाद प्राइम

वीडियो पर उपलब्ध होगी। हालांकि, फिल्म को स्ट्रीम करने के लिए आपके पास सब्सक्रिप्शन प्लान होना चाहिए। अभी तक इस बारे में कोई जानकारी नहीं है कि हाउसफुल 5 प्राइम वीडियो पर कब स्ट्रीम होगी। अनुमान लगाया जा रहा है कि हाउसफुल 5 जुलाई के अंत या अगस्त की शुरुआत में ओटीटी प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीम होगी।

हाउसफुल 5 बॉलीवुड की हिट कॉमेडी सीरीज की लेटेस्ट कड़ी है। इस बार इसमें कॉमेडी के साथ मर्डर का भी ट्विस्ट डाला गया है।

हादसे की खबर सुनकर सलमान खान ने कैंसिल किया इवेंट

अहमदाबाद एयरपोर्ट के पास भीषण विमान हादसे की खबर से हर कोई स्तब्ध है। फिल्म जगत से सितारे भी हादसे पर दुख जता रहे हैं। बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान ने विमान क्रैश की खबर के बाद मुंबई में अपना इवेंट कैंसिल कर दिया। गुरुवार को सलमान खान को मुंबई के एक होटल में मीडिया इवेंट में शामिल होना था। मगर, जैसे हीअहमदाबाद प्लेन क्रैश की खबर आई, सलमान की टीम ने इवेंट को रद्द करने का फैसला लिया।

● **सलमान बोले- 'ऐसे वक्त में जश्न मनाना ठीक नहीं':** सूत्रों की मानें तो सलमान ने कहा कि 'ऐसे वक्त में जश्न मनाना ठीक नहीं, क्योंकि यह हादसा काफी गंभीर है और देशभर के लोग इससे दुखी हैं'। बता दें कि आज गुरुवार दोपहर सलमान खान को मुंबई के एक होटल में ISRL (Indian Supercross Racing League) के मीडिया इवेंट में शामिल होना था। मगर, जैसे ही अहमदाबाद में एयरपोर्ट के निकट हुए भीषण विमान हादसे की खबर आई, सलमान खान की टीम ने यह इवेंट रद्द करने का फैसला लिया।

● **सलमान का इवेंट क्यों था खास ?:** सलमान खान ISRL के ब्रांड एम्बेसडर हैं। आज मुंबई के ताज लैंड्स एंड में प्रेस कॉन्फ्रेंस होनी थी, जिसमें लीग के सीजन 2

की जानकारी और सलमान की मौजूदगी में मीडिया इंटरैक्शन होना था। लेकिन, विमान हादसे की घटना के बाद सलमान ने यह इवेंट रद्द कर दिया। करीबी सूत्रों के अनुसार, जैसे ही उन्हें हादसे की जानकारी मिली, उन्होंने कहा कि 'आज कुछ प्रमोट करना या मुस्कराना शोभा नहीं देता'।

● **क्या हुआ अहमदाबाद में ?:** गुरुवार को एयर इंडिया की एक फ्लाइट (AI-171) अहमदाबाद से टेक ऑफ करते ही क्रैश हो गई। यह फ्लाइट लंदन जा रही थी। हादसा मेघाणी नगर इलाके में हुआ, जहां फ्लाइट 600 फीट की ऊंचाई पर थी और फिर अचानक गायब हो गई। इसमें 240 से ज्यादा यात्री सवार थे। फ्लाइट के क्रैश होते ही इलाके में भीषण आग लग गई और आसमान में काला धुआं फैल गया। राहत और बचाव कार्य चल रहा हैं। हादसे की भयावहता को देखकर देशभर में शोक है। हर कोई स्तब्ध है और प्रभावितों के लिए दुआ की जा रही है।

> **सलमान ने कहा कि 'ऐसे वक्त में जश्न मनाना ठीक नहीं**

फुलेरा में कौन बनेगा नया प्रधान

मोस्ट अवेटेड सीरीज 'पंचायत' सीजन-4 जल्द ही ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम पर आने वाला है। मेकर्स ने सीजन-4 का ट्रेलर रिलीज कर दिया, जिसने एक बार फिर से फैंस की उत्सुकता बढ़ा दी है। १:३८ सेकंड के इस ट्रेलर में पुराना हर किरदार नजर आ रहा है। बस उनकी चुनौतियां नई हो गई हैं। नए सीजन के ट्रेलर में दिखता है कि कैसे फुलेरा गांव में नए प्रधान के लिए मंजू देवी (नीना गुप्ता) और क्रांति देवी (सुनीता राजवार) के बीच चुनावी घमासान चल रहा है। दोनों अपने वोटरों को लुभाने के लिए तमाम हथकंडे अपनाते नजर आ रही हैं।

छोटी हाइट की वजह से आमिर खान थे इनसिक्योर

बताया- करियर की शुरुआत में लंबाई ने किया नर्वस

आमिर खान इन दिनों अपनी फिल्म 'सितारे जमीन पर' के प्रमोशन में बिजी हैं। इस फिल्म को लेकर वो लगातार इंटरव्यू दे रहे हैं और अपनी लाइफ से जुड़ी तमाम पहलुओं पर खुलकर बात भी कर रहे हैं। इसी दौरान आमिर ने खुलासा किया कि जब वो फिल्मी करियर की शुरुआत कर रहे थे, तो वह अपनी लंबाई को लेकर बहुत नर्वस थे। उनके अंदर खुद को लेकर हीन भावना थी। दरअसल, हाल ही में आमिर जस्ट फिल्मी थिंग्स नाम के एक यूट्यूब चैनल पर दिखे। उस दौरान उनसे 'सितारे जमीन पर' में उन्हें टिंगू बुलाए जाने वाले सीन को लेकर सवाल पूछा गया। आमिर ने अपनी शुरुआती दिनों को याद करते हुए कहते हैं- 'उस समय अमिताभ बच्चन इंडस्ट्री में टॉप पर थे और उनकी हाइट 6 फीट से ज्यादा है। शत्रुघ्न सिन्हा और विनोद खन्ना जैसे बाकी मेल एक्टर्स भी लंबे और हट्टे-कट्टे थे। मैं इस बात को लेकर बहुत नर्वस था कि पता नहीं मेरे जैसे छोटे हाइट के एक्टर की दाल गलेगी या नहीं। मैं इसे लेकर काफी चिंतित था लेकिन मेरे लिए सब ठीक रहा।' आमिर बताते हैं कि कैसे लेखक जावेद अख्तर ने उन्हें इससे उबरने में मदद की। वो बताते हैं कि एक बार जावेद साहब ने उनसे कहा कि 'अच्छा सेंस ऑफ ह्यूमर फन और सिर्फ खेल और मजे के लिए नहीं होता, इसकी असली ताकत तब सामने आती है जब आप कठिन समय से गुजर रहे होते हैं।' उन्होंने मुझे बताया कि ये गुड सेंस ऑफ ह्यूमर और अपने ऊपर हंसने के टैलेंट शॉक एब्जॉर्व का काम करता है। बता दें कि 'सितारे जमीन पर' फिल्म 'तारे जमीन पर' की अगली कड़ी और स्पैनिश फिल्म 'चैंपियंस' की हिंदी रीमेक भी है।

इस फिल्म को आरएस प्रसन्ना डायरेक्ट कर रहे हैं। फिल्म में दर्शील सफारी और जेनेलिया देशमुख नजर आएंगी। ये फिल्म 20 जून को रिलीज होने जा रही हैं।

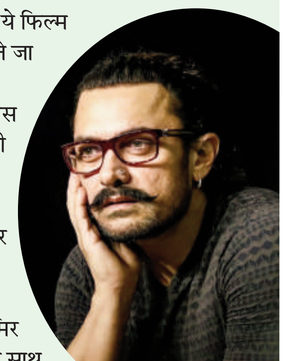

फिल्म की एक और खास बात ये है कि आमिर की मां जीनत हुसैन अपना बॉलीवुड डेब्यू कर रही हैं। इस फिल्म में आमिर की बहन निखत खान भी नजर आएंगी। ये पहली बार है, जब आमिर अपनी बहन और मां के साथ स्क्रीन पर दिखेंगे। आमिर ख़ान एक भारतीय फ़िल्म अभिनेता, निर्माता, निर्देशक, पटकथा लिखनेवाले, कभी कभी गायक और आमिर ख़ान प्रोडक्सनस के संस्थापक-मालिक है। अपने चाचा नासिर हुसैन की फ़िल्म यादों की बारात (1973) में एक बाल कलाकार की भूमिका में नज़र आए थे और ग्यारह साल बाद ख़ान का करियर फ़िल्म होली (1984) से आरम्भ हुआ उन्हें अपने चचेरे भाई मंसूर ख़ान के साथ फ़िल्म क़यामत से क़यामत तक (1988) के लिए अपनी पहली व्यवसायिक सफलता मिली और उन्होंने फ़िल्म में एक्टिंग के लिए फिल्मफेयर सर्वश्रेष्ठ मेल नवोदित पुरस्कार (सर्वश्रेष्ठ नवोदित पुरूष कलाकार के लिए फ़िल्मफेयर पुरस्कार) जीता।

एनसीआर समाचार प्रा. लि. की ओर से मुद्रक, प्रकाशक मो. हनीफ द्वारा आर.डी. प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स प्राईवेट लिमिटेड, ए-41 सेक्टर-8 नोएडा, यू.पी.-201301 से मुद्रित व जी-12/276बी, संगम विहार, नई दिल्ली-62 से प्रकाशित। फोनः 9210761111 किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा। **संपादक : मो इस्माईल खान** RNI No. DLHIN/2010/37009